॥ श्रीः ॥

विद्याज्ञानप्रकाश ।

व्यास मथुरादास कृत.

जिसको

खेमराज श्रीकृष्णदासने

बम्बई

खेतवाड़ी ७ वीं गली खम्बाटा लेन,

निज "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम्-मुद्रणयन्त्रालयमें

मुद्रितकर प्रकाशितकिया

संवत् १९७०, सन् १९१३ ई

Printed at the "Shri Venkateshwar" Steam Press, Bombay

भूमिका ।



दोहा ।

सर्व प्राणवल्लभ अवशि, अवशि मान जगदेत ।
अवशि कार्य्य यह सीखबो,बालापन ते हेत ॥

प्रियपाठक ! क्याही आनंदका विषयहै कि, यह कहावत (दुनियाँ सोने फूल फूली है) अत्यन्तही सत्य है.विचारनेका स्थल है कि दुनियाका फूल क्या पदार्थ है ?,अतः विद्या'सो विद्या इस समयमें हरीच्छा व श्रीमहारानी राजराजेश्वरी की अतुल उदारतासे सारे संसारमें छत्रवत छायरहीहै.अहा हा हा ! ! एक दिन वेथे कि कालवश विद्याकी जगह चारों ओर अविद्याही वर्तमान थी, बडी शुश्रूषा, बडी विनय, वडे उद्योगसे विद्या प्राप्त होती थी परंतु जबसे विद्यारूपी महारानीका प्रबल प्रचंड मार्तंड उदय हुआ तबसे अविद्या अंधकारका लेश भी न रहा. पाठक ! यह जो विद्याज्ञान प्रकाश है यथा नाम तथा गुणाः इसमें प्रत्यक्ष प्रकट है, क्योंकि श्रीमन्महाराजाधिराज रणजीतसिंह साहब बहादुर व मुन्शी शामतअली साहब सुप्रीनटंड रतलामकी सम्मतिसे श्रीयुत व्यास मथुरादासजी वैकुंठवासी पुष्करणा ब्राह्मण जैसलमेरनिवासीने अपनी उज्ज्वल उदारबुद्धिसे परमसरल रीति सह हिंदी भाषामें निर्म्माण किया यह महाशय परमदयालु गुणज्ञ नीतिज्ञ और धर्म्मवान् थे गणित भाषाके तो मानो स्वरूप थे सैकडो अनाथ बालकोको इन्होंने विद्यादान दे पोषण भरणका द्वारा किया और सहस्र साहूकारोके लडके इनसे पढकर हिसाब किताबमें निपुण हुए इन महाशयका यह नियम था कि प्रातःकालसे उठ पहर दिन चढे पर्यंत विद्याध्ययन कराना पश्चात् वही खाता लिखनेके नियम

वताना और यह सब काम परमार्थ ही करतेथे कुछ काल रतलाममें मैंने भी इनके पास विद्याध्ययन किया है यथार्थमे इनकी योग्यता प्रशंसाके योग्य है। प्रथम इनकी पुस्तक रतलाममें छपीथी अब उनकी आज्ञानुसार हमने बडे परिश्रमसे शुद्ध करके और बहुतसे हिसाब जिनका लिखना आवश्यक था नवीन बनाकर सम्मिलित किये जैसे अंगरेजी चलन पैसेका कोठा, अंगरेजी सोनारोंकी तौल, डाक्टरोकी तौल,काठ जमीन आदि मापना,चौकोर जमीन मापना, क्यूमेजर अर्थात् घन, कपडेकी अंगरेजी माप सराब की माप, वीर सराबकी माप, अन्नकी अंगरेजी माप, हिन्दुओके छः ऋतु, मुसलमानी महीना, ज्योतिषविचार, नक्षत्रोंके नाम, योगोंके नाम, करण, होढाचक्र, नक्षत्र नाडीभेद योनिविचार, वर्णविचार, नक्षत्रयोनि, गणविचार, एकसौ एक शिक्षाकी रीते, पगारका कोठा अंगरेजी गिनती, आदि, अब यह ऐसा अनूठा ग्रंथ बनगयाहै कि देखतेही बनिआवे पहाडा ककहरा, सवैया, डयोढा, हूंठा, ढचोचा, प्यौचा, एकन्ना, गेरहा, छपका, मिश्रजोड, जोड, गुणा, बाकी, वाशिलबाकी, भाग त्रैराशिक,सब प्रकारके हुंडी पुरजा लिखनेकी रीत, वही खाता जमा खर्च लिखनेकी रीत, चिट्ठी सरनामे लिखनेकी रीत, बोटपर लिखनेकी रीत सराफीके कायदे,सोना, चांदी, मोतीके सुगम हिसाब, पैमायश अर्थात् जमीन, खेत इत्यादि मापनेकी रीत, आढत विषयके सब हिसाब, व्याज लगानेकी सुगमरीते,व्यापार सम्बन्धी सब प्रकारके हिसाब इत्यादिके सिवाय बालबोध भी इसमे सम्मिलित किया गया है जो बालसे वृद्धतकको उपयोगी है अब विशेष प्रशंसा क्या लिखें आप लोगोके दृष्टिगोचरही है,आशा है कि इसका अलभ्य लाभ उठाकर कर्ताको धन्यवाद दीजियेगा ॥

खेमराज श्रीकृष्णदास श्रीवेङ्कटेश्वर स्टीम् प्रेस–मुंबई

विद्याज्ञानप्रकाशकी अनुक्रमणिका ।

विषया	पृष्ठांका
कवित्त	३
पट्टीपहाडा	५
अंकरुपाका	१९
संख्या	२०
विगत जोड लगावणेकी	२०
बादबाकी, गुणाकार, भागाकार	२२
हुंडी या लेखा कचाकापका और पका-का कचा चारतरह	२४
सोनेका हिसाब	२८
चांदीका हिसाब	२९
अमलाका हिसाब	३०
अफीमका बोजा	३१
रुईका हिसाब	३१
कपडाका हिसाब	३३
कनारीगोटा	३४
रुजगार आदमीका	३५
हुंडीपेठपर पेठमेजर	३५
दसखत जमावना	३९
जमाखरचकी विगत हमारे घरु और तुमारे घरु	३९
निसानी दोहुडीकी तथा सीगेको जमा खरच	५८
चिट्ठी पिठा देशावरकी आवे उसका जवाब लिखना	६३
अंमलवधाईका खर्च	६६
चिकनागीगेका जमा खर्च	६६
खातारखतानेकी विगत खातेसमेत	६८
कच्चीरोकड	८९
पक्कीरोकड	८८
हिसावखर्च	९२
सराफीकायदा	९१
रोजनामा उतारनेकी विगत	९६
व्याज	१२६
धानका हिसाव	१३०
मोतीका हिसाव	१३२
पेमायस	१३४
विगत हिसावकी	१४१
जागाकाकुवाँका	१४३
सटेका जमाखर्चनूद	१४४
कावित्त और दोहा	१४५
अंगरेजी चलन पैसेका कोठा	१४७
अंगुरेजी सुनारोकी तौल	१४७
अंगरेजी व्यापारकी वस्तुकी तौल	१४७
डाक्टरोंकी तौल	१४८
काट जमीन आदि मापना	१४८
चौकोर जमीन मापना	१४८
क्युमेजर अर्थात् धन	१४८
कपडेकी अंगरेजी माप	१४८
सगाव की माप	१४९
वीर मराव की माप	१४९
अन्न की अंगरेजी माप	१४९
विलायती कोयलाकी माप	१४९

विषया	पृष्ठांका
गिनती का कोठा	१५०
अंगेरजी कालज्ञान	१५०
अंगरेजी मासका निर्णय	१५०
मुंबई चलन पैसा	१५०
मरेहठी तोल	१५०
मुंबईमें सोने रूपेकी तोल	१५०
व्यापारी लोगोंकी तोल	१५१
मुंबईमें हीरा मोतीकी तोल	१५१
चौरस जमीनकी माप	१५१
चीन देशकी तोल चलन	१५१
चीनमें टुकडे चांदी सोनेके चलते हैं	१५१
जमीनकी माप	१५१
मुंबईमें अन्नकी माप	१५२
कपडा या काठकी माप	१५२
मुंबईमें नमक की माप	१५२
अंगरेजी और हिन्दुओंका कालज्ञान	१५२
अंगरेजी वक्त	१५२
हिन्दुओंके महीना	१५३
हिन्दुओंके छः ऋतु	१५३
मुसलमानी महीना	१५३
ज्योतिष विचार	१५४
२७ नक्षत्रोंके नाम	१५४

विषया	पृष्ठांकाः
योगोंके नाम	१५४
करण	१५५
हांडा चक्र अर्थात नक्षत्रके चार चरण-क चारों अक्षर	१५५
नक्षत्र नाडीभेद	१५६
वर्गविचार	१५६
वर्णविचार	१५६
नक्षत्रयोनि	१५७
नक्षत्रक्रमसे गण, मनुष्यगण, राक्षसगण, देवतागण	१५७
शिक्षाकी रीत	१५८
वे गुप्त अंक, जो व्यापारी लोग अपने व्यापार सम्बन्धमें बोलते हैं	१६१
बोधवचन	१६२
किहानी	१७०
बाघ लोखडी और शृगालकी वार्ता	१७०
काजीकी वार्त्ता	१७१
बिल्लीकी वार्त्ता	१७२
पगार देनेकी रीत	१७३
अंग्रेजी गिनती	१७५
महीनोंका नाम	१७६
हफ्तेके दिन	१७६

इति ।

श्रीगणेशायनमः ।

ॐनामासिधं

मूलाक्षरे.

स्वर.

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ
ऌ ॡ ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजने.

क ख ग घ ङ, च छ ज झ ञ,
ट ठ ड ढ ण, त थ द ध न, प फ ब भ
म, य र ल व श ष स ह क्ष त्र ज्ञ

बाराखडी.

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
ङ	ङा	ङि	ङी	ङु	ङू	ङे	ङै	ङो	ङौ	ङं	ङः

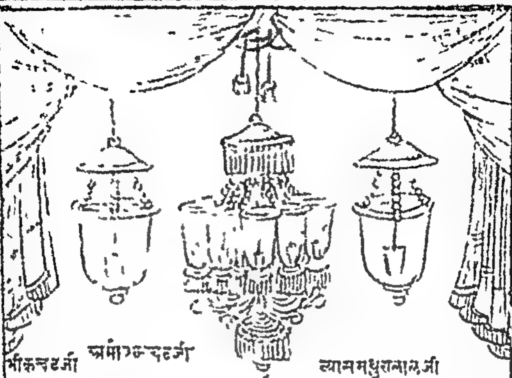
च चा चि ची चु चू चे चै चो चौ चं चः
छ छा छि छी छु छू छे छै छो छौ छं छः
ज जा जि जी जु जू जे जै जो जौ जं जः
झ झा झि झी झु झू झे झै झो झौ झं झः
ञ ञा ञि ञी ञु ञू ञे ञै ञो ञौ ञं ञः
ट टा टि टी टु टू टे टै टो टौ टं टः
ठ ठा ठि ठी ठु ठू ठे ठै ठो ठौ ठं ठः
ड डा डि डी डु डू डे डै डो डौ डं डः
ढ ढा ढि ढी ढु ढू ढे ढै ढो ढौ ढं ढः
ण णा णि णी णु णू णे णै णो णौ णं णः
त ता ति ती तु तू ते तै तो तौ तं तः
थ था थि थी थु थू थे थै थो थौ थं थः
द दा दि दी दु दू दे दै दो दौ दं दः
ध धा धि धी धु धू धे धै धो धौ धं धः
न ना नि नी नु नू ने नै नो नौ नं नः
प पा पि पी पु पू पे पै पो पौ पं पः
फ फा फि फी फु फू फे फै फो फौ फं फः
ब बा बि बी बु बू बे बै बो बौ बं बः
भ भा भि भी भु भू भे भै भो भौ भं भः

म मा मि मी मु मू मे मै मो मौ मं मः
य या यि यी यु यू ये यै यो यौ यं यः
र रा रि री रु रू रे रै रो रौ रं रः
ल ला लि ली लु लू ले लै लो लौ लं लः
व वा वि वी वु वू वे वै वो वौ वं वः
श शा शि शी शु शू शे शै शो शौ शं शः
ष पा षि पी पु षू पे षै षो पौ षं पः
स सा सि सी सु सू से सै सो सौ सं सः
ह हा हि ही हु हू हे है हो हौ हं हः
क्ष क्षा क्षि क्षी क्षु क्षू क्षे क्षै क्षो क्षौ क्षं क्षः
त्र त्रा त्रि त्री त्रु त्रू त्रे त्रै त्रो त्रौ त्रं त्रः
ज्ञ ज्ञा ज्ञि ज्ञी ज्ञु ज्ञू ज्ञे ज्ञै ज्ञो ज्ञौ ज्ञं ज्ञः

बाराखडी समाप्त.

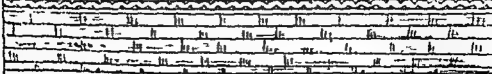

गणेशजी·
शारदा·

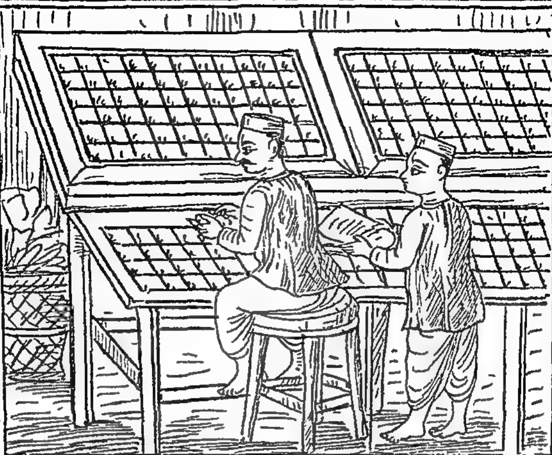
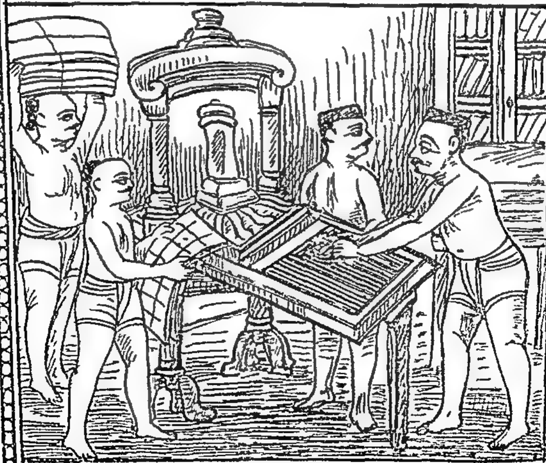

हनुमान्





भीकचंदजी
अमीरचंदजी
स्वामी मथुरानाथजी



ए	बी	सी	डी	ई	एफ्	जी	एच्
A	**B**	**C**	**D**	**E**	**F**	**G**	**H**
आय् जे	के	एल्	एम्	एन्	ओ	पी	क्यू
I J	**K**	**L**	**M**	**N**	**O**	**P**	**Q**
आर	एस्	टी	यू व्ही	डब्ल्यू	एक्स	वाय	झेड
R	**S**	**T**	**U V**	**W**	**X**	**Y**	**Z**

ए	बी	सी	डी	ई	एफ्	जी	एच्
a	**b**	**c**	**d**	**e**	**f**	**g**	**h**
आय् जे	के	एल्	एम्	एन्	ओ	पी	क्यू
i j	**k**	**l**	**m**	**n**	**o**	**p**	**q**
आर	एस्	टी	यू व्ही	डब्ल्यू	एक्स	वाय्	झेड
r	**s**	**t**	**u v**	**w**	**x**	**y**	**z**

ए	बी	सी	डी	ई	एफ्	जी	एच्
A	*B*	*C*	*D*	*E*	*F*	*G*	*H*
आय् जे	के	एल्	एम्	एन्	ओ	पी	क्यू
I J	*K*	*L*	*M*	*N*	*O*	*P*	*Q*
आर	एस्	टी	यू व्ही	डब्ल्यू	एक्स	वाय	झेड
R	*S*	*T*	*U V*	*W*	*X*	*Y*	*Z*

ए	बी	सी	डी	ई	एफ्	जी	एच्
a	*b*	*c*	*d*	*e*	*f*	*g*	*h*
आय् जे	के	एल्	एम्	एन्	ओ	पी	क्यू
i j	*k*	*l*	*m*	*n*	*o*	*p*	*q*
आर	एस्	टी	यू व्ही	डब्ल्यू	एक्स	वाय	झेड
r	*s*	*t*	*u v*	*w*	*x*	*y*	*z*

મૂળાક્ષરો

સ્વર

અ આ ઇ ઈ ઉ ઊ ઋ ૠ

ઌ ૡ એ ઐ ઓ ઔ અં અઃ

વ્યંજન

ક ખ ગ ઘ ઙ ચ છ જ ઝ ઞ ટ ઠ

ડ ઢ ણ ત થ દ ધ ન પ ફ બ ભ

મ ય ર લ વ શ ષ સ હ ળ ક્ષ જ્ઞ

૧ ૨ ૩ ૪ ૫ ૬ ૭ ૮ ૯ ૧૦

બારાખડીઓ.

ક કા કિ કી કુ કૂ કે કૈ કો કૌ કં કઃ

ખ ખા ખિ ખી ખુ ખૂ ખે ખૈ ખો ખૌ ખં ખઃ

ગ ગા ગિ ગી ગુ ગૂ ગે ગૈ ગો ગૌ ગં ગઃ

ઘ ઘા ઘિ ઘી ઘુ ઘૂ ઘે ઘૈ ઘો ઘૌ ઘં ઘઃ

ઙ ઙા ઙિ ઙી ઙુ ઙૂ ઙે ઙૈ ઙો ઙૌ ઙં ઙઃ

ચ ચા ચિ ચી ચુ ચૂ ચે ચૈ ચો ચૌ ચં ચઃ

છ છા છિ છી છુ છૂ છે છૈ છો છૌ છં છઃ

જ જા જિ જી જુ જૂ જે જૈ જો જૌ જં જઃ

ઝ ઝા ઝિ ઝી ઝુ ઝૂ ઝે ઝૈ ઝો ઝૌ ઝં ઝઃ

ઞ ઞા ઞિ ઞી ઞુ ઞૂ ઞે ઞૈ ઞો ઞૌ ઞં ઞઃ

ટ ટા ટિ ટી ટુ ટૂ ટે ટૈ ટો ટૌ ટં ટઃ

ઠ ઠા ઠિ ઠી ઠુ ઠૂ ઠે ઠૈ ઠો ઠૌ ઠં ઠઃ

ડ ડા ડિ ડી ડુ ડૂ ડે ડૈ ડો ડૌ ડં ડઃ

ઢ ઢા ઢિ ઢી ઢુ ઢૂ ઢે ઢૈ ઢો ઢૌ ઢં ઢઃ

ण णा णि णी णु णू णे णै णो णौ णं णः
त ता ति ती तु तू ते तै तो तौ त तः
थ था थि थी थु थू थे थै थो थौ थ थः
द दा दि दी दु दू दे दै दो दौ द द
ध धा धि धी धु धू धे धै धो धौ ध ध
न ना नि नी नु नू ने नै नो नौ न न
प पा पि पी पु पू पे पै पो पौ पं पः
फ फा फि फी फु फू फे फै फो फौ फ फ
ब बा बि बी बु बू बे बै बो बौ ब ब
भ भा भि भी भु भू भे भै भो भौ भं भः
म मा मि मी मु मू मे मै मो मौ मं म
य या यि यी यु यू ये यै यो यौ य य
र रा रि री रु रू रे रै रो रौ रं रः
ल ला लि ली लु लू ले लै लो लौ ल ल
व वा वि वी वु वू वे वै वो वौ वं वः
श शा शि शी शु शू शे शै शो शौ शं शः
ष षा षि षी षु षू षे षै षो षौ ष ष
स सा सि सी सु सू से सै सो सौ सं सः
ह हा हि ही हु हू हे है हो हौ हं हः
ळ ळा ळि ळी ळु ळू ळे ळै ळो ळौ ळ ळः
क्ष क्षा क्षि क्षी क्षु क्षू क्षे क्षै क्षो क्षौ क्षं क्षः
ज्ञ ज्ञा ज्ञि ज्ञी ज्ञु ज्ञू ज्ञे ज्ञै ज्ञो ज्ञौ ज्ञं ज्ञः

१॥श्रीगणेसजी

१॥श्रीशुमाहादे

व पारवतीधंन

जाको गुण सा

य ह ठोफलआ

घोच हैं ऊछ ट

भंअषडी थाई

१२३४५६७८९

श्रीगणेशाय नमः ।

विद्याज्ञानप्रकाश प्रारंभ ।

दोहा ।

श्रीवल्लभसुतसूं विनति, कृपा करहु करतार । गोविंदगुण गायन करूं, चित मन हिरदे धार ॥ १ ॥ नगरजेसाणा शुभ वसो, रावल वेरीशाल । विद्याज्ञानप्रकाशकूं, कथियो मथुरालाल ॥ २ ॥ श्रीकृष्णहि नित रटतहूं, एक मुक्तिके काज । विघ्न हरो सब सुख करो रखो हमारी लाज ॥ ३ ॥ ज्ञान बिना विद्या नही, विद्या विन नहिं बुद्धि । बुद्धि बिना ऋद्धी नही, ऋद्धि बिना नहिं वृद्धि ॥ ४ ॥ जो विद्याकू नित रटै, दिन दिन दूणी थाय । जूं वरतें त्यूं नित बढे, करै विदेश सहाय ॥ ५ ॥ गणपति सरसुति सुमिरि कै, कर विद्या अभ्यास । विद्याज्ञानप्रकाशकूं, कथियो मथुरा-स ॥ ६ ॥ वीरमॉह ध्वज विदितहे, सातद्वीप नवखंड । दुष्टदमन सब दीनको, पूरणहार प्रचंड ॥ ७ ॥ तिनके अतिप्रिय मारुती, होतभये जनु भान । कारि सहाय सब देवकी, किय असुरनकी हान ॥ ८ ॥ चाहतहूं कुछ चित्तमे, वर्णन अति गुणगूढ । सुनत पढतही पुरुषकी, मिटत सकल मति मूढ ॥ ९ ॥ विद्याज्ञान प्रकाशते, मिटिहै सबकी पीर । जाको गुण वर्णन करूं, बुद्धी दे ध्वजवीर ॥ १० ॥ बालबुद्धिके कारणे, बहुत प्रकाशी होत । याके पढ़न रु सुननसो, बाढत ज्ञान बहोत ॥ ११ ॥ ज्ञानी ज्ञान विचार कै, याकूं हिरदे धार । याहीतें सब होतहै,

वाणिज ओर व्यापार ॥ १२ ॥ बिना कांचकी आरसी, तामें सूझत नाय। ज्ञान बिना नर है पशू, मनुप नामके आय ॥ १३ ॥ विद्याधन ये गुप्तहै , विद्या सुखकी बेल। विद्याकूं नृप पूजते, विद्या कुछ नहि सेल ॥ १४ ॥ विद्यासे बड़ होतहै, आदर करत जहान। जा घट विद्या है नहीं, वो नर पशू समान ॥ १५ ॥ विद्या- ज्ञानप्रकाशकूं, आदिहिते घोपंत ॥ याही ते सब लखपडे, मूल आदि औ अंत ॥ १६ ॥ पढ़ो पढावो औरकूं, याहै इसमें रीत। विद्याज्ञानप्रकाशको, पढ़ै सो होय निचींत ॥ १७ ॥ विद्यामें जो निपुण है, ता समान नहि कोय । ऊँच नीच देखे नही, विद्या आदर होय ॥ १८ ॥ जहाँ रहत विद्वान् नर, ताकी शोभा होत। जा घरमें दीपक वरै, निश्चयकरे उदोत ॥ १९ ॥ विद्याज्ञानप्रकाशते, होत सबनको काज। विद्याकूं सब चहतहैं, विद्या चाहत राज ॥ २० ॥ तासूं शिक्षा देतहूं, मत रह निर्भय कोय। विद्या गुणकी खान है , हिरदे दीपक होय ॥ २१ ॥ चतुराई सब जगतमे, है विद्याको फूल। विद्याकूं पंडित कहे, ये विद्याको मूल ॥ २२ ॥ विद्याबिन नर अंध है, कछू न सूझत तोय। जा घट विद्या नित वसे, वाकू सबे दिखाय ॥ २३ ॥ समझे वाकी रीत तो, कधी न आवे हार। जिस सरितामें नाव है, बैठ उतरजा पार ॥ २४ ॥ तन मन वशकर राखिये, सुरत निर- तको खेल । गुणी उडावतहै कई, डोर न दूरी मेल ॥ २५ ॥ सुरतराख विद्या पढो, जबहि होयगो सुःख। विद्यावान कोइ पुरुपहै, कधी न पावे दुःख ॥ २६ ॥ विद्या सबको सारहै, विद्याही गुरुदेव। विद्याके वश सर्व है, विद्या सांची सेव ॥ २७ ॥ नगर

रतनपुरपर अजंट, सुप्रीनडंट मुनशीसाहब । सलामत आलीखान, बहादुरजीकी शत्रु खाय ताव ॥ २८ ॥ विद्याज्ञानप्रकाशकूं, आज्ञा कियो हजूर । सब दुनियाके कारणे, ग्रन्थहि करो जरूर ॥ २९ ॥ मथुरादास विचारकर, कर हिरदे उल्हास । अमोलपकूं मेहरसे, दीनों ज्ञानप्रकाश ॥ ३० ॥ चाकर अपनो जानके, किरपा कीनी पूर । अमोलपकी वीनती, रेहूंदास हजूर ॥ ३१ ॥ भूल चूक सब देखके, पंडित लेहु सुधार । माफ करो सब मोयकूं, गुणको अत न पार ॥ ३२ ॥ हेतराम हिरदे रटे, विपुल बलीको नाम । कृपा होय हनुमानकी, सर्वसिद्धि हो काम ॥ ३३ ॥ उगणीसे गुणतीसके, दीपमाल गुरुवार । विद्याज्ञानप्रकाशकूं, कीनो व्यास तयार ॥ ३४ ॥ व्यास अमोलप कृपासे,- अपण इष्टकी मान । विद्याज्ञानप्रकाशकूं, कियो तयार सुजान ॥ ३५ ॥

कवित्त।

गोवर्द्धनधारीको ध्यान धर बनायो ग्रन्थ, मथुरादास व्यास आज बुद्धि फयलाई है ॥ शिक्षाके कारण प्रकाशज्ञान कीनो त्यार, बालबुद्धि कारण ऐसी रीति सो चलाई है ॥ विद्याको दान-आज जानसो जगत, बीच, काढ़ काढ़ सार सबकी रीतिहीं मिलाई है ॥ पढेगा सुनेगा चित्त मनमूं याकूं याददेके, मसहूर होगा सुप्रिनडंट साहबकी भलाई है ॥ १ ॥ श्रीपत सुजान ऐसे राजा रणजीतसिंह, क्षत्री वंश सॉचे तेग तलवारमें शूरे हैं ॥ रतनकुल प्रगटे आप बुद्धीके सागर हो, मुनशीजी ऐसे हाकम एवी तोरेपूरे हैं ॥ बसा दियो माणकचौक बहोत रोजगार जहॉ,

ऐसा काम ठाना कोई काम ना अधूरे हैं ॥ चैन करे वस्ती रतन-पुरी बीच सब आज, इनकी तपस्या आगे शत्रुनको चूरे हैं ॥ २ ॥ सुप्रिन्‌डंट साहब मुनशीजी वडे आप अकलके सागर ऐसे यशधारी हैं ॥ खुदाकी मेहरन्याव करे अटलनीतसूं, चारखूंट बीच शोभा इनकी तो भारी है ॥ जहाँ जहाँ रहे वहां वस्ती आबाद करी, लंदनसे लिखा हुकुम इनका तो जारी है ॥ आत्मा राम कहे मीर मुन्शीजी शामत अली, आपकी तो हाकमीमें सुखी नर नारी है ॥ ३ ॥ रतनपुरी बीच आप पधारे इखत्या-रीले, वडे वडे काम किये सुकृतिके विचारी है ॥ मदरसा बनाया ऐसा जंबूद्वीप बीच नांय, सडक बनायी सब मेहेलहोत त्यारी है ॥ लखां रुपये खरचदपर लगाय दीने, ऐसी है उगम रीत नीतीसूं सुधारी है ॥ वाग वागातोंपे हमें शांतचितरहे सदा, सुखी है अमल जानु खुली गुलक्यारी है ॥ ४ ॥हुकुम दिया हाकमने बुद्धिसूं विचार आप, व्यास मथुरादासकूं ऐसी फर-माई है॥ करो ग्रन्थ त्यार सब लड़कोंके खातर येह, व्यास घर आय ऐसी अक्लही उपाई है ॥ हुजूरके हुकुमसो खरी बनी किताब ऐसी, जो किताब और जगे देखी कहुं नाहीं है ॥ विद्याज्ञानप्रकाश ग्रन्थ कियो त्यार आपीनेसो, सफलकरी विद्या ऐसी सुरतही दौडाई है ॥ ५ ॥

दोहा।

वासी जेसलनगरको, माधोरायसुत जान।
ब्राह्मण पुष्करणा सही, व्यास डवांणीमान ॥ १ ॥

गिन्ती. (१३)

१	११	२१	३१	४१	५१	६१	७१	८१	९१
२	१२	२२	३२	४२	५२	६२	७२	८२	९२
३	१३	२३	३३	४३	५३	६३	७३	८३	९३
४	१४	२४	३४	४४	५४	६४	७४	८४	९४
५	१५	२५	३५	४५	५५	६५	७५	८५	९५
६	१६	२६	३६	४६	५६	६६	७६	८६	९६
७	१७	२७	३७	४७	५७	६७	७७	८७	९७
८	१८	२८	३८	४८	५८	६८	७८	८८	९८
९	१९	२९	३९	४९	५९	६९	७९	८९	९९
१०	२०	३०	४०	५०	६०	७०	८०	९०	१००

(१४) एकाके पाहडे

१	१	१	२	१	२	३	१	३	४	१	४	५	१	५
१	[illegible]	२	२	२	४	३	२	६	४	२	८	५	२	१०
१	३	३	२	३	६	३	३	९	४	३	१२	५	३	१५
१	४	४	२	४	८	३	४	१२	४	४	१६	५	४	२०
१	५	५	२	५	१०	३	५	१५	४	५	२०	५	५	२५
१	६	६	२	६	१२	३	६	१८	४	६	२४	५	६	३०
१	७	७	२	७	१४	३	७	२१	४	७	२८	५	७	३५
१	८	८	२	८	१६	३	८	२४	४	८	३२	५	८	४०
१	९	९	२	९	१८	३	९	२७	४	९	३६	५	९	४५
१	१०	१०	२	१०	२०	३	१०	३०	४	१०	४०	५	१०	५०

एकाके पहाडे. (१५)

६	१	६	७	१	७	८	१	८	९	१	९	१०	१	१०
६	२	१२	७	२	१४	८	२	१६	९	२	१८	१०	२	२०
६	३	१८	७	३	२१	८	३	२४	९	३	२७	१०	३	३०
६	४	२४	७	४	२८	८	४	३२	९	४	३६	१०	४	४०
६	५	३०	७	५	३५	८	५	४०	९	५	४५	१०	५	५०
६	६	३६	७	६	४२	८	६	४८	९	६	५४	१०	६	६०
६	७	४२	७	७	४९	८	७	५६	९	७	६३	१०	७	७०
६	८	४८	७	८	५६	८	८	६४	९	८	७२	१०	८	८०
६	९	५४	७	९	६३	८	९	७२	९	९	८१	१०	९	९०
६	१०	६०	७	१०	७०	८	१०	८०	९	१०	९०	१०	१०	१००

(१६) ग्यारांके पहाडे.

११	१	११	१२	१	१२	१३	१	१३	१४	१	१४	१५	१	१५
११	२	२२	१२	२	२४	१३	२	२६	१४	२	२८	१५	२	३०
११	३	३३	१२	३	३६	१३	३	३९	१४	३	४२	१५	३	४५
११	४	४४	१२	४	४८	१३	४	५२	१४	४	५६	१५	४	६०
११	५	५५	१२	५	६०	१३	५	६५	१४	५	७०	१५	५	७५
११	६	६६	१२	६	७२	१३	६	७८	१४	६	८४	१५	६	९०
११	७	७७	१२	७	८४	१३	७	९१	१४	७	९८	१५	७	१०५
११	८	८८	१२	८	९६	१३	८	१०४	१४	८	११२	१५	८	१२०
११	९	९९	१२	९	१०८	१३	९	११७	१४	९	१२६	१५	९	१३५
११	१०	११०	१२	१०	१२०	१३	१०	१३०	१४	१०	१४०	१५	१०	१५०

ग्याराके पहाडे (१७)

१६	१	१६	१७	१	१७	१८	१	१८	१९	१	१९	२०	१	२०
१६	२	३२	१७	२	३४	१८	२	३६	१९	२	३८	२०	२	४०
१६	३	४८	१७	३	५१	१८	३	५४	१९	३	५७	२०	३	६०
१६	४	६४	१७	४	६८	१८	४	७२	१९	४	७६	२०	४	८०
१६	५	८०	१७	५	८५	१८	५	९०	१९	५	९५	२०	५	१००
१६	६	९६	१७	६	१०२	१८	६	१०८	१९	६	११४	२०	६	१२०
१६	७	११२	१७	७	११९	१८	७	१२६	१९	७	१३३	२०	७	१४०
१६	८	१२८	१७	८	१३६	१८	८	१४४	१९	८	१५२	२०	८	१६०
१६	९	१४४	१७	९	१५३	१८	९	१६२	१९	९	१७१	२०	९	१८०
१६	१०	१६०	१७	१०	१७०	१८	१०	१८०	१९	१०	१९०	२०	१०	२००

(१८) इक्कीसोंके पहाडे

२१	१	२१	२२	१	२२	२३	१	२३	२४	१	२४	२५	१	२५
२१	२	४२	२२	२	४४	२३	२	४६	२४	२	४८	२५	२	५०
२१	३	६३	२२	३	६६	२३	३	६९	२४	३	७२	२५	३	७५
२१	४	८४	२२	४	८८	२३	४	९२	२४	४	९६	२५	४	१००
२१	५	१०५	२२	५	११०	२३	५	११५	२४	५	१२०	२५	५	१२५
२१	६	१२६	२२	६	१३२	२३	६	१३८	२४	६	१४४	२५	६	१५०
२१	७	१४७	२२	७	१५४	२३	७	१६१	२४	७	१६८	२५	७	१७५
२१	८	१६८	२२	८	१७६	२३	८	१८४	२४	८	१९२	२५	८	२००
२१	९	१८९	२२	९	१९८	२३	९	२०७	२४	९	२१६	२५	९	२२५
२१	१०	२१०	२२	१०	२२०	२३	१०	२३०	२४	१०	२४०	२५	१०	२५०

इकीसोंके पहाडे. (१९)

२६	१	२६	२७	१	२७	२८	१	२८	२९	१	२९	३०	१	३०
२६	२	५२	२७	२	५४	२८	२	५६	२९	२	५८	३०	२	६०
२६	३	७८	२७	३	८१	२८	३	८४	२९	३	८७	३०	३	९०
२६	४	१०४	२७	४	१०८	२८	४	११२	२९	४	११६	३०	४	१२०
२६	५	१३०	२७	५	१३५	२८	५	१४०	२९	५	१४५	३०	५	१५०
२६	६	१५६	२७	६	१६२	२८	६	१६८	२९	६	१७४	३०	६	१८०
२६	७	१८२	२७	७	१८९	२८	७	१९६	२९	७	२०३	३०	७	२१०
२६	८	२०८	२७	८	२१६	२८	८	२२४	२९	८	२३२	३०	८	२४०
२६	९	२३४	२७	९	२४३	२८	९	२५२	२९	९	२६१	३०	९	२७०
२६	१०	२६०	७२	१०	२७०	२८	१०	२८०	२९	१०	२९०	३०	१०	३००

(२०) एकतीसोंके पहाडे

३१	१	३१	३२	१	३२	३३	१	३३	३४	१	३४	३५	१	३५
३१	२	६२	३२	२	६४	३३	२	६६	३४	२	६८	३५	२	७०
३१	३	९३	३२	३	९६	३३	३	९९	३४	३	१०२	३५	३	१०५
३१	४	१२४	३२	४	१२८	३३	४	१३२	३४	४	१३६	३५	४	१४०
३१	५	१५५	३२	५	१६०	३३	५	१६५	३४	५	१७०	३५	५	१७५
३१	६	१८६	३२	६	१९२	३३	६	१९८	३४	६	२०४	३५	६	२१०
३१	७	२१७	३२	७	२२४	३३	७	२३१	३४	७	२३८	३५	७	२४५
३१	८	२४८	३२	८	२५६	३३	८	२६४	३४	८	२७२	३५	८	२८०
३१	९	२७९	३२	९	२८८	३३	९	२९७	३४	९	३०६	३५	९	३१५
३१	१०	३१०	३२	१०	३२०	३३	१०	३३०	३४	१०	३४०	३५	१०	३५०

एकतीसोंके पहाडे. (२१)

३६ १ ३६	३७ १ ३७	३८ १ ३८	३९ १ ३९	४० १ ४०
३६ २ ७२	३७ २ ७४	३८ २ ७६	३९ २ ७८	४० २ ८०
३६ ३ १०८	३७ ३ १११	३८ ३ ११४	३९ ३ ११७	४० ३ १२०
३६ ४ १४४	३७ ४ १४८	३८ ४ १५२	३९ ४ १५६	४० ४ १६०
३६ ५ १८०	३७ ५ १८५	३८ ५ १९०	३९ ५ १९५	४० ५ २००
३६ ६ २१६	३७ ६ २२२	३८ ६ २२८	३९ ६ २३४	४० ६ २६०
३६ ७ २५२	३७ ७ २५९	३८ ७ २६६	३९ ७ २७३	४० ७ २८०
३६ ८ २८८	३७ ८ २९६	३८ ८ ३०४	३९ ८ ३१२	४० ८ ३२०
३६ ९ ३२४	३७ ९ ३३३	३८ ९ ३४२	३९ ९ ३५१	४० ९ ३६०
३६ १० ३६०	३७ १० ३७०	३८ १० ३८०	३९ १० ३९०	४० १० ४००

(२२) सवाया

१ १। १।	११ १। १३।।।	२१ १। २६।	३१ १। ३८।।।
२ १। २॥	१२ १। १५	२२ १। २७॥	३२ १। ४०
३ १। ३।।।	१३ १। १६।	२३ १। २८।।।	३३ १। ४१।
४ १। ५	१४ १। १७॥	२४ १। ३०	३४ १। ४२॥
५ १। ६।	१५ १। १८।।।	२५ १। ३१।	३५ १। ४३।।।
६ १। ७॥	१६ १। २०	२६ १। ३२॥	३६ १। ४५
७ १। ८।।।	१७ १। २१।	२७ १। ३३।।।	३७ १। ४६।
८ १। १०	१८ १। २२॥	२८ १। ३५	३८ १। ४७॥
९ १। ११।	१९ १। २३।।।	२९ १। ३६।	३९ १। ४८।।।
१० १। १२॥	२० १। २५	३० १। ३७॥	४० १। ५०

सवाया. (२३)

४१ १। ५१।	५१ १। ६३॥।	६१ १। ७६।	७१ १। ८८॥।
४२ १। ५२॥	५२ १। ६५	६२ १। ७७॥	७२ १। ९०
४३ १। ५३॥।	५३ १। ६६।	६३ १। ७८॥।	७३ १। ९१।
४४ १। ५५	५४ १। ६७॥	६४ १। ८०	७४ १। ९२॥
४५ १। ५६।	५५ १। ६८॥।	६५ १। ८१।	७५ १। ९३॥।
४६ १। ५७॥	५६ १। ७०	६६ १। ८२॥	७६ १। ९५
४७ १। ५८॥।	५७ १। ७१।	६७ १। ८३॥।	७७ १। ९६।
४८ १। ६०	५८ १। ७२॥	६८ १। ८५	७८ १। ९७॥
४९ १। ६१।	५९ १। ७३॥।	६९ १। ८६।	७९ १। ९८॥।
५० १। ६२॥	६० १। ७५	७० १। ८७॥	८० १। १००

(२४) सवाया. ड्योढा

८१ १। १०१।	९१ १। ११३॥।	१ १॥ १॥	११ १॥ १६॥
८२ १। १०२॥	९२ १। ११५	२ १॥ ३	१२ १॥ १८
८३ १। १०३॥।	९३ १। ११६।	३ १॥ ४॥	१३ १॥ १९॥
८४ १। १०५	९४ १। ११७॥	४ १॥ ६	१४ १॥ २१
८५ १। १०६।	९५ १। ११८॥।	५ १॥ ७॥	१५ १॥ २२॥
८६ १। १०७॥	९६ १। १२०	६ १॥ ९	१६ १॥ २४
८७ १। १०८॥।	९७ १। १२१।	७ १॥ १०॥	१७ १॥ २५॥
८८ १। ११०	९८ १। १२२॥	८ १॥ १२	१८ १॥ २७
८९ १। १११।	९९ १। १२३॥।	९ १॥ १३॥	१९ १॥ २८॥
९० १। ११२॥	१०० १। १२५	१० १॥ १५	२० १॥ ३०

डेढा २५

२१ १॥ ३१॥	३१ १॥ ४६॥	४१ १॥ ६१॥	५१ १॥ ७६॥
२२ १॥ ३३	३२ १॥ ४८	४२ १॥ ६३	५२ १॥ ७८
२३ १॥ ३४॥	३३ १॥ ४९॥	४३ १॥ ६४॥	५३ १॥ ७९॥
२४ १॥ ३६	३४ १॥ ५१	४४ १॥ ६६	५४ १॥ ८१
२५ १॥ ३७॥	३५ १॥ ५२॥	४५ १॥ ६७॥	५५ १॥ ८२॥
२६ १॥ ३९	३६ १॥ ५४	४६ १॥ ६९	५६ १॥ ८४
२७ १॥ ४०॥	३७ १॥ ५५॥	४७ १॥ ७०॥	५७ १॥ ८५॥
२८ १॥ ४२	३८ १॥ ५७	४८ १॥ ७२	५८ १॥ ८७
२९ १॥ ४३॥	३९ १॥ ५८॥	४९ १॥ ७३॥	५९ १॥ ८८॥
३० १॥ ४५	४० १॥ ६०	५० १॥ ७५	६० १॥ ९०

(२६) डेढा

६१ १॥ ९१॥	७१ १॥ १०६॥	८१ १॥ १२१॥	९१ १॥ १३६॥
६२ १॥ ९३	७२ १॥ १०८	८२ १॥ १२३	९२ १॥ १३८
६३ १॥ ९४॥	७३ १॥ १०९॥	८३ १॥ १२४॥	९३ १॥ १३९॥
६४ १॥ ९६	७४ १॥ १११	८४ १॥ १२६	९४ १॥ १४१
६५ १॥ ९७॥	७५ १॥ ११२॥	८५ १॥ १२७॥	९५ १॥ १४२॥
६६ १॥ ९९	७६ १॥ ११४	८६ १॥ १२९	९६ १॥ १४४
६७ १॥ १००॥	७७ १॥ ११५॥	८७ १॥ १३०॥	९७ १॥ १४५॥
६८ १॥ १०२	७८ १॥ ११७	८८ १॥ १३२	९८ १॥ १४७
६९ १॥ १०३॥	७९ १॥ ११८॥	८९ १॥ १३३॥	९९ १॥ १४८॥
७० १॥ १०५	८० १॥ १२०	९० १॥ १३५	१०० १॥ १५०

ढाया. (२७)

१ २॥ २॥	११ २॥ २७॥	२१ २॥ ५२॥	३१ २॥ ७७॥
२ २॥ ५	१२ २॥ ३०	२२ २॥ ५५	३२ २॥ ८०
३ २॥ ७॥	१३ २॥ ३२॥	२३ २॥ ५७॥	३३ २॥ ८२॥
४ २॥ १०	१४ २॥ ३५	२४ २॥ ६०	३४ २॥ ८५
५ २॥ १२॥	१५ २॥ ३७॥	२५ २॥ ६२॥	३५ २॥ ८७॥
६ २॥ १५	१६ २॥ ४०	२६ २॥ ६५	३६ २॥ ९०
७ २॥ १७॥	१७ २॥ ४२॥	२७ २॥ ६७॥	३७ २॥ ९२॥
८ २॥ २०	१८ २॥ ४५	२८ २॥ ७०	३८ २॥ ९५
९ २॥ २२॥	१९ २॥ ४७॥	२९ २॥ ७२॥	३९ २॥ ९७॥
१० २॥ २५	२० २॥ ५०	३० २॥ ७५	४० २॥ १००

(२८) ढाया

४१ २॥ १०२॥	५१ २॥ १२७॥	६१ २॥ १५२॥	७१ २॥ १७७॥
४२ २॥ १०५	५२ २॥ १३०	६२ २॥ १५५	७२ २॥ १८०
४३ २॥ १०७॥	५३ २॥ १३२॥	६३ २॥ १५७॥	७३ २॥ १८२॥
४४ २॥ ११०	५४ २॥ १३५	६४ २॥ १६०	७४ २॥ १८५
४५ २॥ ११२॥	५५ २॥ १३७॥	६५ २॥ १६२॥	७५ २॥ १८७॥
४६ २॥ ११५	५६ २॥ १४०	६६ २॥ १६५	७६ २॥ १९०
४७ २॥ ११७॥	५७ २॥ १४२॥	६७ २॥ १६७॥	७७ २॥ १९२॥
४८ २॥ १२०	५८ २॥ १४५	६८ २॥ १७०	७८ २॥ १९५
४९ २॥ १२२॥	५९ २॥ १४७॥	६९ २॥ १७२॥	७९ २॥ १९७॥
५० २॥ १२५	६० २॥ १५०	७० २॥ १७५	८० २॥ २००

ढाया॥ हूटा २९

८१ २॥ २०२॥	९१ २॥ २२७॥	१ ३॥ ३॥	११ ३॥ ३८॥
८२ २॥ २०५	९२ २॥ २३०	२ ३॥ ७	१२ ३॥ ४२
८३ २॥ २०७॥	९३ २॥ २३२॥	३ ३॥ १०॥	१३ ३॥ ४५॥
८४ २॥ २१०	९४ २॥ २३५	४ ३॥ १४	१४ ३॥ ४९
८५ २॥ २१२॥	९५ २॥ २३७॥	५ ३॥ १७॥	१५ ३॥ ५२॥
८६ २॥ २१५	९६ २॥ २४०	६ ३॥ २१	१६ ३॥ ५६
८७ २॥ २१७॥	९७ २॥ २४२॥	७ ३॥ २४॥	१७ ३॥ ५९॥
८८ २॥ २२०	९८ २॥ २४५	८ ३॥ २८	१८ ३॥ ६३
८९ २॥ २२२॥	९९ २॥ २४७॥	९ ३॥ ३१॥	१९ ३॥ ६६॥
९० २॥ २२५	१०० २॥ २५०	१० ३॥ ३५	२० ३॥ ७०

 हूटा

२१ ३॥ ७३॥	३१ ३॥ १०८॥	४१ ३॥ १४३॥	५१ ३॥ १७८॥
२२ ३॥ ७७	३२ ३॥ ११२	४२ ३॥ १४७	५२ ३॥ १८२
२३ ३॥ ८०॥	३३ ३॥ ११५॥	४३ ३॥ १५०॥	५३ ३॥ १८५॥
२४ ३॥ ८४	३४ ३॥ ११९	४४ ३॥ १५४	५४ ३॥ १८९
२५ ३॥ ८७॥	३५ ३॥ १२२॥	४५ ३॥ १५७॥	५५ ३॥ १९२॥
२६ ३॥ ९१	३६ ३॥ १२६	४६ ३॥ १६१	५६ ३॥ १९६
२७ ३॥ ९४॥	३७ ३॥ १२९॥	४७ ३॥ १६४॥	५७ ३॥ १९९॥
२८ ३॥ ९८	३८ ३॥ १३३	४८ ३॥ १६८	५८ ३॥ २०३
२९ ३॥ १०१॥	३९ ३॥ १३६॥	४९ ३॥ १७१॥	५९ ३॥ २०६॥
३० ३॥ १०५	४० ३॥ १४०	५० ३॥ १७५	६० ३॥ २१०

हूटा. (३१)

६१ ३॥२१३॥	७१ ३॥२४८॥	८१ ३॥२८३॥	९१ ३॥ ३१८॥
६२ ३॥२५७	७२ ३॥२५२	८२ ३॥ २८७	९२ ३॥ ३२२
६३ ३॥२२०॥	७३ ३॥२५५॥	८३ ३॥२९०॥	९३ ३॥ ३२५॥
६४ ३॥२२४	७४ ३॥२५९	८४ ३॥२९४	९४ ३॥ ३२९
६५ ३॥२२७॥	७५ ३॥२६२॥	८५ ३॥२९७॥	९५ ३॥ ३३२॥
६६ ३॥२३१	७६ ३॥२६६	८६ ३॥३०१	९६ ३॥ ३३६
६७ ३॥२३४॥	७७ ३॥२६९॥	८७ ३॥३०४॥	९७ ३॥ ३३९॥
६८ ३॥२३८	७८ ३॥२७३	८८ ३॥३०८	९८ ३॥ ३४३
६९ ३॥२४१॥	७९ ३॥२७६॥	८९ ३॥३११॥	९९ ३॥ ३४६॥
७० ३॥२४५	८० ३॥२८०	९० ३॥३१५	१०० ३॥ ३५०

(३२) पोणा

१ ।।। ।।।	११ ।।। ८।	२१ ।।। १५।।।	३१ ।।। २३।
२ ।।। १॥	१२ ।।। ९	२२ ।।। १६॥	३२ ।।। २४
३ ।।। २।	१३ ।।। ९।।।	२३ ।।। १७।	३३ ।।। २४।।।
४ ।।। ३	१४ ।।। १०॥	२४ ।।। १८	३४ ।।। २५॥
५ ।।। ३।।।	१५ ।।। ११।	२५ ।।। १८।।।	३५ ।।। २६।
६ ।।। ४॥	१६ ।।। १२	२६ ।।। १९॥	३६ ।।। २७
७ ।।। ५।	१७ ।।। १२।।।	२७ ।।। २०।	३७ ।।। २७।।।
८ ।।। ६	१८ ।।। १३॥	२८ ।।। २१	३८ ।।। २८॥
९ ।।। ६।।।	१९ ।।। १४।	२९ ।।। २१।।।	३९ ।।। २९।
१० ।।। ७॥	२० ।।। १५	३० ।।। २२॥	४० ।।। ३०

पोणा (३३)

४१ ।।। ३०।।।	५१ ।।। ३८।	६१ ।।। ४५।।।	७१ ।।। ५३।
४२ ।।। ३१॥	५२ ।।। ३९	६२ ।।। ४६॥	७२ ।।। ५४
४३ ।।। ३२।	५३ ।।। ३९।।।	६३ ।।। ४७।	७३ ।।। ५४।।।
४४ ।।। ३३	५४ ।।। ४०॥	६४ ।।। ४८	७४ ।।। ५५॥
४५ ।।। ३३।।।	५५ ।।। ४१।	६५ ।।। ४८।।।	७५ ।।। ५६।
४६ ।।। ३४॥	५६ ।।। ४२	६६ ।।। ४९॥	७६ ।।। ५७
४७ ।।। ३५।	५७ ।।। ४२।।।	६७ ।।। ५०।	७७ ।।। ५७।।।
४८ ।।। ३६	५८ ।।। ४३॥	६८ ।।। ५१	७८ ।।। ५८॥
४९ ।।। ३६।।।	५९ ।।। ४४।	६९ ।।। ५१।।।	७९ ।।। ५९।
५० ।।। ३७॥	६० ।।। ४५	७० ।।। ५२॥	८० ।।। ६०

(३४) पाणा ६चा

८१ ।।। ६०।।।	९१ ।।। ६८।	१ ४॥ ४॥	११ ४॥ ४९॥
८२ ।।। ६१॥	९२ ।।। ६९	२ ४॥ ९	१२ ४॥ ५४
८३ ।।। ६२।	९३ ।।। ६९।।।	३ ४॥ १३॥	१३ ४॥ ५८॥
८४ ।।। ६३	९४ ।।। ७०॥	४ ४॥ १८	१४ ४॥ ६३
८५ ।।। ६३।।।	९५ ।।। ७१।	५ ४॥ २२॥	१५ ४॥ ६७॥
८६ ।।। ६४॥	९६ ।।। ७२	६ ४॥ २७	१६ ४॥ ७२
८७ ।।। ६५।	९७ ।।। ७२।।।	७ ४॥ ३१॥	१७ ४॥ ७६॥
८८ ।।। ६६	९८ ।।। ७३॥	८ ४॥ ३६	१८ ४॥ ८१
८९ ।।। ६६।।।	९९ ।।। ७४।	९ ४॥ ४०॥	१९ ४॥ ८५॥
९० ।।। ६७॥	१०० ।।। ७५	१० ४॥ ४५	२० ४॥ ९०

ढैंचा. (३५)

२१ ४॥ ९४॥	३१ ४॥ १३९॥	४१ ४॥ १८४॥	५१ ४॥ २२९॥
२२ ४॥ ९९	३२ ४॥ १४४	४२ ४॥ १८९	५२ ४॥ २३४
२३ ४॥ १०३॥	३३ ४॥ १४८॥	४३ ४॥ १९३॥	५३ ४॥ २३८॥
२४ ४॥ १०८	३४ ४॥ १५३	४४ ४॥ १९८	५४ ४॥ २४३
२५ ४॥ ११२॥	३५ ४॥ १५७॥	४५ ४॥ २०२॥	५५ ४॥ २४७॥
२६ ४॥ ११७	३६ ४॥ १६२	४६ ४॥ २०७	५६ ४॥ २५२
२७ ४॥ १२१॥	३७ ४॥ १६६॥	४७ ४॥ २११॥	५७ ४॥ २५६॥
२८ ४॥ १२६	३८ ४॥ १७१	४८ ४॥ २१६	५८ ४॥ २६१
२९ ४॥ १३०॥	३९ ४॥ १७५॥	४९ ४॥ २२०॥	५९ ४॥ २६५॥
३० ४॥ १३५	४० ४॥ १८०	५० ४॥ २२५	६० ४॥ २७०

(३६) ढचा

६१ ४॥ २७४॥	७१ ४॥ ३१९॥	८१ ४॥ ३६४॥	९१ ४॥ ४०९॥
६२ ४॥ २७९	७२ ४॥ ३२४	८२ ४॥ ३६९	९२ ४॥ ४१४
६३ ४॥ २८३॥	७३ ४॥ ३२८॥	८३ ४॥ ३७३॥	९३ ४॥ ४१८॥
६४ ४॥ २८८	७४ ४॥ ३३३	८४ ४॥ ३७८	९४ ४॥ ४२३
६५ ४॥ २९२॥	७५ ४॥ ३३७॥	८५ ४॥ ३८२॥	९५ ४॥ ४२७॥
६६ ४॥ २९७	७६ ४॥ ३४२	८६ ४॥ ३८७	९६ ४॥ ४३२
६७ ४॥ ३०१॥	७७ ४॥ ३४६॥	८७ ४॥ ३९१॥	९७ ४॥ ४३६॥
६८ ४॥ ३०६	७८ ४॥ ३५१	८८ ४॥ ३९६	९८ ४॥ ४४१
६९ ४॥ ३१०॥	७९ ४॥ ३५५॥	८९ ४॥ ४००॥	९९ ४॥ ४४५॥
७० ४॥ ३१५	८० ४॥ ३६०	३० ४॥ ४०५	१०० ४॥ ४५०

घडीएका (४१)

१	१	१	११	११	१२१	२१	२१	४४१	३१	३१	९६१
२	२	४	१२	१२	१४४	२२	२२	४८४	३२	३२	१०२४
३	३	९	१३	१३	१६९	२३	२३	५२९	३३	३३	१०८९
४	४	१६	१४	१४	१९६	२४	२४	५७६	३४	३४	११५६
५	५	२५	१५	१५	२२५	२५	२५	६२५	३५	३५	१२२५
६	६	३६	१६	१६	२५६	२६	२६	६७६	३६	३६	१२९६
७	७	४९	१७	१७	२८९	२७	२७	७२९	३७	३७	१३६९
८	८	६४	१८	१८	३२४	२८	२८	७८४	३८	३८	१४४४
९	९	८१	१९	१९	३६१	२९	२९	८४१	३९	३९	१५२१
१०	१०	१००	२०	२०	४००	३०	३०	९००	४०	४०	१६००

(४२) घडीएका.

४१	४१	१६८१	५१	५१	२६०१	६१	६१	३७२१	७१	७१	५०४१
४२	४२	१७६४	५२	५२	२७०४	६२	६२	३८४४	७२	७२	५१८४
४३	४३	१८४९	५३	५३	२८०९	६३	६३	३९६९	७३	७३	५३२९
४४	४४	१९३६	५४	५४	२९१६	६४	६४	४०९६	७४	७४	५४७६
४५	४५	२०२५	५५	५५	३०२५	६५	६५	४२२५	७५	७५	५६२५
४६	४६	२११६	५६	५६	३१३६	६६	६६	४३५६	७६	७६	५७७६
४७	४७	२२०९	५७	५७	३२४९	६७	६७	४४८९	७७	७७	५९२९
४८	४८	२३०४	५८	५८	३३६४	६८	६८	४६२४	७८	७८	६०८४
४९	४९	२४०१	५९	५९	३४८१	६९	६९	४७६१	७९	७९	६२४१
५०	५०	२५००	६०	६०	३६००	७०	७०	४९००	८०	८०	६४००

घडीएका. घडीग्यारा. (४३)

८१८१ ६५६१	९१९१ ८२८१	११ ११ १२१	१२ ११ १३२
८२८२ ६७२४	९२९२ ८४६४	११ १२ १३२	१२ १२ १४४
८३८३ ६८८९	९३९३ ८६४९	११ १३ १४३	१२ १३ १५६
८४८४ ५६७०	९४९४ ८८३६	११ १४ १५४	१२ १४ १६८
८५८५ ७२२५	९५९५ ९०२५	११ १५ १६५	१२ १५ १८०
८६८६ ७३९६	९६९६ ९२१६	११ १६ १७६	१२ १६ १९२
८७८७ ७५६९	९७९७ ९४०९	११ १७ १८७	१२ १७ २०४
८८८८ ७७४४	९८९८ ९६०४	११ १८ १९८	१२ १८ २१६
८९८९ ७९२१	९९९९ ९८०१	११ १९ २०९	१२ १९ २२८
९०९० ८१००	१००१००१००००	११ २० २२०	१२ २० २४०

(४४) घडीग्यारा.

१३ ११ १४३	१४ ११ १५४	१५ ११ १६५	१६ ११ १७६
१३ १२ १५६	१४ १२ १६८	१५ १२ १८०	१६ १२ १९२
१३ १३ १६९	१४ १३ १८२	१५ १३ १९५	१६ १३ २०८
१३ १४ १८२	१४ १४ १९६	१५ १४ २१०	१६ १४ २२४
१३ १५ १९५	१४ १५ २१०	१५ १५ २२५	१६ १५ २४०
१३ १६ २०८	१४ १६ २२४	१५ १६ २४०	१६ १६ २५६
१३ १७ २२१	१४ १७ २३८	१५ १७ २५५	१६ १७ २७२
१३ १८ २३४	१४ १८ २५२	१५ १८ २७०	१६ १८ २८८
१३ १९ २४७	१४ १९ २६६	१५ १९ २८५	१६ १९ ३०४
१३ २० २६०	१४ २० २८०	१५ २० ३००	१६ २० ३२०

सवीस्पारा (४९)

१७	११	१८७	१८	११	१९८	१९	११	२०९	२०	११	२२०
१७	१२	२०४	१८	१२	२१६	१९	१२	२१६	२०	१२	२४०
१७	१३	२२१	१८	१३	२३४	१९	१३	२४७	२०	१३	२६०
१७	१४	२३८	१८	१४	२५२	१९	१४	२६६	२०	१४	२८०
१७	१५	२५५	१८	१५	२७०	१९	१५	२८५	२०	१५	३००
१७	१६	२२७	१८	१६	२८८	१९	१६	३०४	२०	१६	३२०
१७	१७	२८९	१८	१७	३०६	१९	१७	३२३	२०	१७	३४०
१७	१८	३०६	१८	१८	३२४	१९	१८	३४२	२०	१८	३६०
१७	१९	३२३	१८	१९	३४२	१९	१९	३६१	२०	१९	३८०
१७	२०	३४०	१८	२०	३६०	१९	२०	३८०	२०	२०	४००

(४६) **आना**

)।	≡)	।-)।।।	।।)।।	।।।≡)।	।।।-)।।।
)।।	≡)।	।=)	।।)।।।	।।≡)।।	।।।=)
)।।।	≡)।।	।=)।	।।-)	।।≡)।।।	।।।=)।
-)	≡)।।।	।=)।।	।।-)।	।।।)	।।।=)।।
-)।	।)	।=॥६	।।-)।।	।।।)।	।।।=)।।।
-)।।	।)।	।≡)	।।-)।।।	।।।)।।	।।।≡)
-)।।।	।)।।	।≡)।	।।=)	।।।)।।।	।।।≡)।
=)	।)।।।	।≡)।।	।।=)।	।।।-)	।।।≡)।।
=)।	।-)	।≡)।।।	।।=)।।	।।।-)।	।।।≡)।।।
=)।।	।-)।	।।)	।।=)।।।	।।।-)।।	
=)।।।	।-)।।	।।)।	।।≡)	।।।-)।।।	१)

संख्या.

१	एक.
१०	दश
१००	सौ.
१०००	हजार.
१००००	दशहजार.
१०००००	लाख.
१००००००	दशलाख.
१०००००००	करोड.
१००००००००	दशकरोड.
१०००००००००	अर्व.
१००००००००००	खर्व.
१०००००००००००	दशखर्व.
१००००००००००००	पद्म.
१०००००००००००००	महापद्म.
१००००००००००००००	जलधि.
१०००००००००००००००	अत्य
१००००००००००००००००	मध्य.
१०००००००००००००००००	परार्ध.

विगतजोडलगावणेकी.

पसतर तो कच्ची पायां लेपणी फेर आना लेपणा फेर पक्की पायां लेपणी पछे पेला अपर लेपणो पीछे जतरा अपरा होवे सो लेपे जाणा इणीतर लगाणी.

और पेलां कच्ची पायां लेपणी एक पायी आवे तो एक धरणी दो पायी आवे तो दोय धरणी तीन पाई आवे तो तीन पाई धारणी चार आवे जदी आलायदो) करणो हाथको एक आनो गुणो असी तरे चार पायांपर एक एक आनो वधायाजाणो और आनामे पण आनो एक आवे जठे एक आनो करणो दोय आवे जठे दोय आना करणा तीन आवे जठे तीन आना करणा और चार आना आवे जठे आलायदो) करणो हाथको एक पावलो लेपणो इसीतरेसे आनाकी जोड लगावणी. चार चार आनापर एक आलायदो देणो और चार चार आनापर एक एक पावलो हाथको वधाये जाणे और पक्की पायांकी जोडमांहे एक पावलेकी एक पाय धरणी दोय पावलेकी दोय पाय धरणी तीन पावलेकी तीन पाई धरणी चार पावलेकी आर करणी) हाथको एक रुप्यो लेपणो आसीतरे चार पक्की पायांपर अरा दीये जाणो हाथको रुप्यो एक एक चार चार पायांपर वधाये जाणो और रुपयाकी जोड लगावणी जदी कच्ची पायांकी लगायने हाथको आवे सो आना सामल लेपणो और आनाकी जोड़ लगायने हाथको आवे सो पक्की पायां सामल लेपणो प्र रुपयामे एकसे लगायने ९ तक तो आवे जूं आंक जोडम धरणो और दश आवे जठे मिडी मेलणी हाथको एक लेपणा असीतर दश दशपर एक एक सुभ लगाणी हाथको पण दशलासे एक एक वधाय जाणो इस तरे जोड लगाणी

जोड लगावणेकी रीती.

२ २ ४ ५	३५४०१॥≡।	३३५४ ॥=
१ ३ ५ ४	६४५५५|||≡॥	३५४५ ॥=
३ ९ ३ १	७८५४७॥=।	३५४५४ ॥≡
३ ५ ४ ५	२३०५४॥≡॥	६९५४३ ॥≡
९ १ ८ १	७३५४३९|||≡।	७९३५४३|||≡
३ ९ ३ ६	९७३४५४॥≡॥	१००००४ ॥≡
४ ३ १ ३	७३५४०३॥≡॥	६५०३०३० ॥≡
७ ९ ० ३	६७४५४॥|≡|||	७३५४३०१ ॥≡
३ ६ ४० ८	२७१३३७३।=॥	१४८६२७७९॥=

बाकी काडणी जणीकी विगतके ऊपर जो अंक होवे उस माहे सूंनी चल आंक काटने बाकी जो अंक तथा आना पाई आवे सो लष देणी.

वादबाकी.

२५४५४	३३५४५॥≡॥	३५४५०३॥=॥
बाद ३५४५	बाद १५४५॥≡॥	बाद३५४०५॥|≡।
बाकी २१९०९	बाकी ३२०००	बा.३१९०९७॥≡।
१३४५०१०१	१००००००००१॥	१००००००००१
बाद१३४५०१०॥	बाद १००००००००	बाद१००००००००॥
बा.१२१०५०९०॥	बाकी ९००००००००॥	बाकी१००००००००॥

गुणाकार।

१५४५४ गुणाकार २१ १५४५४ ३०९०८	३५४५५ ३५३५ गुणाकार १७७२७५ १४१८२०० १७७२७५०० १०६३६५००	१३५४५३५४१ १५४५५४५ गुणाकार इसतरेसूं करणी ६७७२६७७०५ ५४१८१४१६४० ६७७२६७७०५०० ६७७२६७७०५००० ५४१८१४१६४०००० ६७७२६७७०५००००० १३५४५३५४१००००००
३२४५३४ जुमले	१२५६८७९७५ १२५३३३४२५ जुमले	
		२०९३४९५४३०२४८८४५

भागाकार।

३२४५३४ २१ भाग	१२५६८ १०६३५ बाकी १९३३७ १७७२५ बाकी १६१२९ १४१८० बाकी १९४९७ १७७२५ बाकी १७७२५	१२५६८७९७५ जणाने भागदेणो. ३५४५ जणेकारु ३५४५५ प्या हुआ
१५४५४ ११४ १०५ ९५ ८४ ११३ १०५ ८४		

विगत हुंडियाका लेषाकी.



लेषा पक्का रुप्या होवे उणाकां कच्चा करणा सो भावप्रत १०६।) होवे तो एक आनीको वट्टो प्र. ११२॥) होवे तो दोय आनीको बट्टो प्र. ११८॥।) होवे तो तीन आनीको बट्टो प्र १२५) होवे तो सवाया लिषणा प्रत १३१) होवे तो रु० १।) को वट्टो और प्र २३७॥) होवे तो रु १।=) को बट्टो और भाव प्र. इणसूं कमती जादा होवे तो जतरे आनेको वट्टो होवेने भाव वधा होवे तो बधा देणो भाव घटती होवे तो घटाय देणो और रुप्या एकका अंकजणी भाव घाले जणी भावलेपणा और रु. १) का अंक १००) भागणा आणी तरे सूं पक्का कच्चा करणा वट्टो वारलो.

१८२२॥) रु. १५००) पक्का जणांका कच्चा करणा प्र २ वट्टा. रु १=) नेका अंक २॥।)को हुवो जणीने पनरेका गुणा देणा जणाकारु २॥।)को सेकडा हुवो सो रु. १७८१)बाकी अंक २॥।) वध्या सो उणाका रु ४१ ।) हुवा जुमले भेला करने सिरे चढादेणा.

२८१०॥।-।)रु २२२२) पक्का जणीका कच्चा करणा प्र २६॥) लेपे सो बटो प्र रु१।) १॥)आपको हुवो सवाया करनेअंक १॥)का दाम बधाय देणा

२३०२॥-)रु. १७५१) पक्का जणेका कच्चा करणा प्र १३१॥) लेपे वट्टो प्र. ।-)अंक ।) काहुवो सो रु. १७००) का पांच अनी अंक ।) के हिसावसूं रु. २२३५॥) हुवा.

रु. ९१ का आना २९९ अंक. १२॥। हुआ जणीका रु. ६७-) हुवा जुमलै ० २३०२॥-) हुवा.

२८७७।)॥। रुपया ३४३१ ।) पक्का जणीका कच्चा करणा प्र. ११३) जणीका रु =) अंक ॥ हुवा

लेपा कच्चा रुप्या जणाका करणा वट्टो वारलो.

भावप्रत २५) लेपे होवे तो भीतरसूं सवाया करणा. भाव प्रत पच्चिस सूं वधती होवे तो भीतरसू सवाया करणा जणां माहेसूं आंकरा दाम घट्टाय देणा और पच्चीससूं घटती भाव होवे तो आंकरा दाम वधाय देणा अंक रुप्या १) का रुप्या १००) लेपणा जण भाव चाले उतग अंक रुप्या १) का भांगणा

७९)॥। रुप्या १००) कच्चा जणीका करणा प्रत १२६ ॥) लेपे सो भीतरसूं सवाया रुप्या८०)हुवा फेर अंक १॥) वध्यो जणाका अंक १२० हुवा सो प्रत १२६ ॥) के भाव सूं काटचा जणाका रुप्या ॥।=)।बाद करणा रु ८०) माहसूं

८०।=) रुप्या १००) कच्चा जणेका पक्का करणा प्रत १२४।-) लेपे सो भीतरसूं सवाया रुप्या ८०)तो एक हुआ फेर अंक ॥=) वधाया जणीका अंक ५९ सो प्रत १२४।-) लेपे आना रुप्या ।=) हुवा सो रुप्या ८०) में वधाय देणा

२८५९-)॥। रुप्या ३९३१) कच्चा जणेका पक्का करणा प्रत १२ ॥)

२७११|||=)|||| रुप्या २४५१) कच्चा जणाका पक्का करणा
प्रत १२७।)

लेपा हुंडावणका कच्चाका पक्का करणा बट्टो भीतरलो

रुप्या १) का अंक जणे भाव घाले जतरा गुणना और रुप्या १) का अंक प्रत १००) के भाव भांगणा भाव प्रत ८०) लेपे होवे तो सवाया माहे सूं करणा और भाव प्रत असीसू वधती होवे तो सवाया करणा जणमे वधायदेणा और भाव प्रत ८०) सूं कमती होवे तो सवायामूं घटाय देणा.

२८९३।) रुप्या २१५०) कच्चा जमाका पक्का करणा प्रत ८१||) सो भीतरसूं सवाया रुप्या २८४०) एक हुआ और रुप्या १||) वधायो जणे का रु. ५३ ।) एक हुवा जुमले रुप्या २८९३ ।) हुवा इसी तरेसों करे जाणा.

२४४९=) रुप्या २१५०) कच्चा जणाका पक्का करणा प्रत ७७||) लेपे जणाका रुप्या भितरसूं सवाया रुप्या २५२०) हुआ फेर अंक २।) काटणा सो रु ७० |||=) वाद किना वाकी रु २४४९=)

१२|||) रुप्या १५||) कच्चा जणेका पक्का करणा प्रत ८२।) जणेका भितरसूं सवाया रुप्या १२) एक हुवा अंक २।) का तौ एक वधाण और आना रु. ||) का एक वधाणा जणेका अंक ३२|||) अंक हुवा और आना आठका अंक ४१=) जुमले अंक ७|||=) जणेका प्रत १००) रुप्या ||=)हुआ. सो सवाया वधायमें वधाय देणा जीणीका रुप्या १२|||

१६।।।=) रुप्या २१।।) कच्चा जणाका पक्का प्रत ७८।।) जणा का रु. १७) बाकी रु. ।।) तो एक बंचो और अंक २१।।।=) अंक वध्या जणीका सो घटाणा रुप्या ।) १९।।=) बाद बाकी अंक १२।) का आना रुप्या =) घटाणा बाकी रु १६।।।=)

लेपा पक्का रुप्या जणांका कच्चा करणा जाणीकी विगत.

वहो भीतर लो रु. १ का अंक १००) लेपणा और जणे भाव घाले जतरा अक रुप्या १ का काटणा और भाव प्रत ८०) लेपे घाले तो सवाया करणा और भाव प्रत ८०) सूं बधती होवे तो सवाया माहे सूं घटाय देणा और भाव प्रत ८०) सूं कमती होवे तो सवायाम मू वधाय देणा

१२२।।=)। रुप्या १००) पक्काजणेका कच्चा करणा प्रत ८१।।) वाकी रुप्या १८।।) वध्या जणाका सवाया रुप्या २३=) हुवा जणा माहे मू अंक १।।) का दाम घटाणा सो अक २४।।=) हुवा उणाका प्रत ८१।।) लेपे रुप्या ।=)।।। हुवा सो रुप्या २३=) मधे वाद कीना. बाकी रुप्या २२।।=।) रहा

१२९ ।=।) रुप्या १००) पक्का जणाका कच्चा करणा प्रत ७७।) लेपे सो रुप्या १००) तो एक हुवा बाकी रुप्या २२।।।) रहा जणाका रुप्या २८।=) हुवा और अंक २।।।) का वधाणा जणाका अंक ७८।) रहा सो

प्रत ७७।‿ लेपे रुप्या १) हुवा सो रुप्या २८।≡‿ मे
वधाणा जुमले रुप्या १२९।≡‿ हुवा.

विगत लेपा सोनेके हिसावके लिपनेकी तरह.

सोनो तोलो १ कारु, घालने मासे एक को केवतो जणी
भाव घाले उतराई अंक हुवा रती एकरो घाले तो पण जणी
भाव तोळो होवे उतरा अंक लेपणा और मुंगरो घाले तो
पण जणी भाव तोळे घाले उतरा अंक लेपणा अंक भांगणा
ईणी भांत मासामे तो रुप्या १‿ का अंक १२ काटणा और
रती यामे आने एकका अंक ६ काटणा और मुंगामे आने एक
का अंक १८ काटणा इणीतरेसूं सोनेका लेपा करणा. और तो
लाका तो जण भाव घाले और जतरा तोलाको घाले उणाना
उतरा गुणदेण और इणी सिवाय फेर जतरे रुप्या तोलो घाले
जतरा आनाको पूण मासो लेपणो और पूण मासाका उतराई
दाम लेपणा.

२४५॥≡‿॥ सोनो तोळा १५।‿ मासा १।‿ रती १‿ प्रत २२॥‿
३॥ सोनो मासा २ प्रत २१‿ लेपे तो अंक ४२‿ हुवा
प्रत रुप्या १‿ का अंक १२

।-‿॥। सोनो रती १॥ प्रत २२॥‿ लेपे अंक ३३॥।‿ हुवा
जणाका प्रत -‿ का अंक ६‿ काटणा

≡‿ सोनो मुंग २॥‿ प्रत २१॥ लेपे अंक ५३॥।‿ हुवा
जणेका प्रत -‿ का अंक १८ काटणा
१ ।=‿॥ सोनो मासो ॥।‿ प्रत २२॥‿

रती४॥ मुंग।) सोनो तोळो १) का रु. २१) जदी रु. १) को लेणेसो रु. १) का अंक ९६) लेवणा ओर रती एक भारका अंक २१) काटणा.

मुंग॥।) सोनो तोळे अंक का रु २२॥) जदी~)को लाणो सो १८) हुआ मुंग एकका अंक २२॥) काटणा

लेपा चांदी कारी विगत लिपते

रुप्या १. की चांदी मासा जतरा घाले उतरां मासाका रु. १२) लेपणा ओर मासे एक का अंक १६) लेपणा ओर रु. १) की जतरा मासा घाले जतरा अंक आने एक का काटणा इसतरेसूं भाजकार करणी ओर रु.-) को तथा दो या चार आनाकी चांदी मगावे तो आने ९ककी जितरे मासे रुपये १)की होय उससूं आधी रती केहेणी.

२७।॥=।) चांदी तोळा २१॥) प्रत रु १) की मासा ९।) =॥) चांदी रुप्या१) की मासा ९ ॥) जदी मासा २ को कांई हुवोके अंक ३२) हुवा और आने -) का अंक ९॥) काटणा.

रती ४ मुंग२ ।) चांदी रु १)की मासा ४ ॥।) जदी आना रु =) की कतरी अंक १४।) हुवा रती अक भरका अंक ३॥।) काटणा ओर चांदी का लेपा घालेने मासे १ को घाले तो मासे १) का अंक १६) लेपणा ओर आने एक का अंक रु १) का जतरा मासा घाले उतरा भागणा

मासो॥) अंक॥।) चांदी रु १) का मासा८॥)जदी आना रु -) की कतरी हुई जंदी जतरा मासा घाले उणाका डेढा मुंग

करने बताय देणा फेर मुंग मासा १ के अंक २४ काटणा किसवास्तेके कहां कहां मासेमें रती छे भी होती हें. जीससे मुंग २४ सब जगे होतेहें तो मुंग पे हिसाब होवे तो भुल न पडे

लेपा अंमलकरी विगत लिपते.

आमल धडी १ का रु जतरा वाले उतरा अंक सेरऽ१ का लेपणा और रु०-) भरका पण उतराईज अंक लेपणा और रुप्या १ भरका वाले तोपण उतराईज अंकलेपणा और सेरमें जतरा सेरका धडा होवे उतरा अंकको रुप्यो १) लेणो और आनाभरमे उतरा अंकरो रुप्या -) लेपणो और रुप्या भरमे सेर जतरा रुप्या भारको होवे उणोना सोलाका भाग देणो सोलाके भागसुं जतरा होवे उणाका जतरा सेरकी धडी होवे उतरा उणा देने उतरां आकारो आनो रु. -) गुण लेणो

९००९) अंमल मण ४५॥) प्रत ४९॥) लेपे धडी ऽ१० की.

१०।)॥। अंमल सेरऽ२प्रत ५१॥) लेपे धडी १ऽ१०) की जणेका अंक १०३) प्रत रु अंक १०) काटणा.

॥=॥) अंमल धडी १ का रु. ४७॥) जदी रु.=) भरको कांई हुवोजणोका अंक ९५ हुआ आने एकका अंक १० काटणा.

≡) दमडी २॥। वाट अंमल धडी १ का रुप्या ४८॥ जदी रुप्या १॥) भरको कांई हुवो सो अंक ७२॥। हुवा आने एकरा अंक २५ काटणा करण ऽ१ रु. ४०)

भरको छे सो सोलेके भागसूं अंक २॥ हुवा जणाना १० गुणादीना सो अंक २५ हुआ.

रु ८ भार होवे रु. ५०) की अंमल धडी १) जदी रु १)कोला वोऽ १ रु ४०) भारको धडा १ऽ१० का जतरा रु भार को सेर हुवोने जतरो सेरकी धडी होवे उतरा आंकारो रु १) का गुणना जतरे दुधडी १ होवे उतरा आंकारो रु १) भर लेपणो अंक रु. १) का ४००) हुवा भाव प्रत ५०) का रु १ भर काटणी.

और अफीमका बोजाका लेपा पण घडासूं होवेछे.

बोज १ मण छ६ को धडी १ ।) की जणी भाव घाले तो चोवीस गुणे देने बोज एकका के देणा

१२२६) प्रत ५१॥) लेपे धडी जदी बोज १ का

और अमलकी पेटी मण ३ ॥) की होवे छे पेटीमे रतल १४०) ममाई मधे गणीजे छे सो पेटीको भाव होवे उतरा अंक रतल १ का गुणना और रु १ का अंक १४० काटणा. २२) पेटी १ का रु १५४०)जदी रतल २ का कांई हुवा सो अक ३०८०हुवा रु. १ का अक १४० के भाव काटणा.

लेपा रुईका लिपते.

जतरा रुपे बोरी १ जदीऽ१ को कांई हुवो जतरा रुप्या बोरी होवे उतरा अंक सेर एकका लेपणा और जतरा मणकी बोरी होवे गुणना अंक ७।इ गुणाकरेने उतरा अंक को रु.–) लेपणो और आनेरु –)भरको घाले तो जीना रु बोरी.

होवे उणा आनाका रु. प्र. होवे उतरा अंक आने एक भरका लेपणा. और आने एकका काटना. जातामणकी बोरी होवे उणांनां अंक ७। री गुणा देणे उतरा अंकको आनो एक लेपणो.

और रुप्या १‿ को लावणी होवे जदी जता मणकी बोरी होवे उणा अंक ७। या गणने उतरा अंक रु १ का लेपणा और सेर १ का जतरा रुपे बोरी होवे उतरां आनाका रुप्या करने उतरा अंक लेपणा और रुप्या–‿ को घाले तो पण इण मुजब अंक करणा. रुप्या–‿ भरका अंक इण मुजब काटणा.

≡‿ रुईकी बोरी १ का रुप्या ७० बोरी मण ८ की जदीऽ१ को कांई होवेके ऽ१ के अंक ७०‿ हुवा अने एकका अंक २० करणा.

ऽ। रुईकी बोरी १ का रु ८०‿ बोरी ८ की जदी रु०–‿ भरको कांईहुयोके आना असीका रु० ५‿ हुवा सो आने एक भरका अंक ५ हुवा सो अने एकका अंक २० काटणा जदी अंक ५ को ऽ। सेर हुवो.

ऽ४।≡‿ बोरीका रुप्या ८१‿ बोरी रुई मण ९ की जदी रुप्या १‿ की किती हुईके रु. १ का अंक नव अढया २२। लेपणा औरऽ१ भरका अंक जता रु बोरी रु. उतरा आना कारु. होवे उतरा लेपणा सो अंक ५–‿ कोऽ १ लेपणो।

सेर। रुईकी बोरी १ का रु ८० जदी रु०–‿ की लावणी बोरीमण ८ की सो आने एकका अंक आठ अढाया २० हुवा आने एक भरका अंक ५ काटणाके जते रु

री होवे उतरा आनाका ३९ करणा उतरा अंक आने एक
का लेषणा.

जितने रुपये बोरी तो मणका उससे दूणा आना और आद-
गका उतई रुप्या और घडीका उससे आधा आना और
नसेरका उससे चौथाई आना.

लेपा कपडाका

जतरे रुपे कापडो होवे, उतरा अंक नगाका लेषणा और
. १ का अंक २० काटणा और जतरा रुपये थान होवेने
थाको लावणो सो थानका हाथ पूछ लेणा जतरा रुपे थान
वे उतरा अंक हाथ एकका लेषणा और जतरा हाथ को थान
वे उणना १६ को भाग देदेणा सोळेके भागसूं जतरा
अंक बैठे उतरा अंकरो आनो एक लेपणो और रु. १) को
लावणो होवे जदी थानका हाथ होवे उतरा अंक रुपे १) का
लेषणा और जणभाव चाले उतरा अंकारो हाथा काटणो और
एकको लावणो होवे तो जतरा रु. थान होवे उतरा अंक
रु.-) का गणना और हाथ १ का जतरा हाथा को थान होवे
उतरा अंक काटणा.

विगत कपडो वगैरे लेपाकी

१॥।) कोडी १ का रु. ३९) जदी नग १ को करणो कोडीमें
नग २० होवेछे सो नग १ का अंक ३९ हुवा ग्रत २० का
।=) कपडो थान एकका रु. १०) थान हाथ ४९ को जदी
हाथ २ को लावणो जदी अंक २० हुवा आनेके अकरा
अंक २॥।-) काटणा.

हा ५।॥) कपडो थान १ का रु. १२॥) थान हात ७२ का जदी रु० १) को कतरो आयोके अंक ७२ हुवा हाथ १ का अंक १२)

हा. ॥) कपडो थान १ का रु. १२ ॥) थान ५० हाथको जदी रु०=) को कतरो हुवोके अंक २५ हुवा. अंक ५० की हाथ १ लेपणो.

॥) कपडाको थान १ का रु० १०) थान नग ४२ को जदी गजमे अंक ८ जदी अंक ३ को कांई हुवो सो अंक १ का अंक १० ॥) लेपणा आने १ का अंक जतरा गजको थान होवे उनसूं आधा काटणा सो २१ का काटणा अंक २१॥) हुवा आने १ क अंक २१)

लेपा कनारगोटो तथा कलावत्तु तथा पेमपराकी.

कलावत्तु तोलो १ का रुप्या २।) जदी मासे १ के लावणो जतरे रु. तोलो होवे उतरा आना होवे उतरा अंक मासा १ क लेपणा और रत्ती १ का पण उतराई लेपणा भागणा मासेको घाले जदी तोलो रु.-) का १२ और रत्तीको घाले जदी मासेकी रत्ती ६ होवे तो रु०-) ७२ काटणा और मासे की रत्ती ८ होवे तो अंक ९६ भगे आनो लेपणो.

)। कलावत्तु तथा कनारी तथा पेमप. तोलो १ का रु. २॥-) जदी मासे १। को कांई हुयो अंक ५१ हुवा -) का अंक १२.

॥) दमडी १॥ तोले का रु० २।=) जदी रत्ती १॥) क्या हुवा मासेमें रत्ती ६-) अकरा अंक ७२.

)॥।१ ॥ दमडी तोलो १ का रु. २=)जदी रत्ती २।को कांई होवो मासे एककी रत्ती ८

लेणा रोजगार आदमी वगेरे नोकरीकारी विगत.

जतरा रुप्याको महिनो होवे उतरा दिन १ का अंक लेणा और रुप्या १का जतरा दिना को महिनो होवे उतरा अंक काटणा.
॥=)॥। मास १ का रु ११) जदी दिन २॥ को अंक २७॥
१)॥। मास १ के रु. ४॥) जदी दिन ७ का अंक ३१॥ प्रत३०
॥=।) मास १ का रु ५) जदी दिन ४॥ को मास १ का दिन
२२ जदी अंक २॥ हुवा रु १ का अंक २२

१॥ सिधश्री सवाई जेपुर शुभसुथाने भाई नारायण दास गणेशदास जोग श्री रतलामसूं लपतु गणेशदास सिव-परसादको जेगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रुप्या १०००) अपरे रुप्या एक हजारकी नेमे रुपे पांचसोहोका देवणा पुग इठे रापा सोभागमल चांदमल पास मिती आसोज वदी १ थी दिन २१ पीछे साहा जोग रुप्या हुंडी चलणका सनद दरसनदको जवाव देजण जोग दीजो संमत १९२९ आसोज वदी १

१ हुंडीकिसरे मुनीमका दसकत तथा नेसाणी होवे जी करणी

रुपया १०००

हुंडीके पुठेपर इसरे करणी,

नेमे नेम रुपे अढाईसो का चोगणा पुरा रु. एक हजार कर दीजो.

रुपया १०००)

१॥ सिधश्री सवाई जेपुर शुभसुथाने भाई नारायणदास गणेशदास जोगश्री रतलामसुं लषतु गणेशदास शिवप्रसादको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रुपे एक हजारकी अपरे रुपे एक हजारकी नेमे रुपे पांचसोहोका दुणा पुरा इठे राषा सोभागमल चांदमल पास मिती आसोज वदी १ थी दीन २१ पीछे साहाजोग रु. हुंडीचलणकी लषी हती सो राषावालो धणी केवे छे के हुंडी षोईगई छे सो हुंडी षोयगई होवे तो आपणो रोजनामो पातो नकल रोकड चोकसदेषने इण पेट परमाणे सिकार दाम दीजो कदास हुंडी आगे सकारी होवें तो पेट रद्दछे वांचीने फेर दीजो सनत नग २ तुमारे ऊपर कीनीछे जणे मधे सनत नग १ का दाम मुजरे भरदे सो संमत १९२९ आसोज सुदी १

पेठ दूर्णीतरे करणी।

१०००)

पेठछे

। नैमे नेम रुप्या दोसो पचासका चौगणा रुप्या एक हजार करदीजो।

१॥ सिधिश्री सवाई जेपुर शुभसुथानेक भाई नारायणदास गणेशदास जोगश्री रतलामसुं लषतु गणेशदास सिवप्रसा-

दको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रुप्या एक हजारकी अषरे रुपये एक हजारकी नेमे रुपये पांच सोहोंका दुगणा पुरा इठे राषा सोभागमल चांदमल पास मिती आसोज वदी १ थी दीन २१ पीछे सहाजोग रुप्या हुंडी चलणका लषा हता जणेकी पेठलषी मिति आसोजसुदी १ लषी जो रुप्या वाले धणी केवेछे के हुंडी तथा पेठ दोनों पोयगयींछे सो हुंडी तथा पेठ दोनोई षोई होवे तो आपणो रोजनामो षातो नकल रोकड चोकस देषने इणे पर पेठ परमाणे सिकार-दाम दीजो कदास हुंडी तथा पेठ आगे सकारी होवे तो परपेठ रद्दछे वांचीने फेर दीजो सनत नग २ तुमारे उपर किनीछे जणे मधे सनत नग १ का दाम मुजरे भरदेसा संमत १९२९ आसुज सुद ११

परपेठ छै

। परपेठ हुणमात करणी

। कैसेनम रुप्या आढाई सोहोंका चोगणा. पुरा एक रुप्या हजार करदीजो.

१॥ सिधश्री सवाईजेपूर शुभसुथाने सर्वोपमा लायक सकल सराफेका पंच समस्त जोग श्री रतलामसुं लषतु सरव सराफेका पंच समस्तका जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रुप्या १०००) नारायणदास गणेश उपर लिषी इंठासुं गणेशदास शिवप्रसादकी राषा सोभागमल चांदमलपास आसोज वदी १

थी दीन २१ पीछे सहाजोग रुपया हुंडी चलणका जणेकी पेठ लपी मिती आसोज सुदी १ परपेट लपी आसोज सुद ११ की लपी हतीसो रापावालो धणी केवे छे के हुंडी तथा पेठ तथा पर पेठ तीनोई पोईगईछे सो हुंडी तथा पेठ तथा पर पेठ पोई गई होवे तो थे उणको रोजनामो पातो नकल रोकड वहां चोक्स देपने अणे मेजर परवाणे सरकार दाम दीजो कदास हुंडी तथा पेठ तथा परपेठ तीनोई माहेली आगे सकारी होवे तो मेजर रद्दछे वांचेने फेर दीजो सनत नग ४ चार डणारे उपर किनी छे जणे मधे सनत नग १ एकरा दाम मुजरा भर देसां संमत १९२९ काती वदी १

। साप १ मगनीरामजी वभूतसिंघजीकी.
। साप १ गणेशदास कसनाजीकी.
। साप १ धनरूपमल राजमलकी.
। साप १ लछमणदास फतेमलकी.
। साप १ शिवलाल मोतीलालकी.

१॥ लडकोका दसकत जमावणा जदी पाटीपे इणेभात लपदेणा सो उस मुजब नीचे लडको देपा देप मांडे तो दसकत जलदी जमे,

१॥ श्री प र मे स र जी.

१॥ श्री दा ता ध न को स भा व

वा ला मा हे ष गु घं टा आ ई

पु ठ ज ड ढ रु तु च रे छे

था णी ञ फ्;

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

श्री।

॥ विगत नकल जमा परच करणेकी के कुल हुंडीकी नकल १६ होवे छे जणे मधे नकल नग ८ हमारे घरु ओर नकल नग ८ तुमारे घरु केवेछे ओर हमारे घरु किसनें केवेछे के जो रु. आदेसावर चलण उसना तो हमारे घरु ओर रु जणी गांममें दुकान होवे वो रु तुमारे घरु. केवेछे सो वाजव छे सो नकल लेइणी जठे भाव होवे तो मिती कची करणी जठे भाव नही होवे जठे मिती पक्की करणी.

विगत नकल नग ८ हमारे घरु जणीकीके हुंडी.

१ आपा आपणी पुसीसूं देसावर उपर करा.

२ आपा आपणी पुसीसूं देसावर वाले पासे करावां आपके उपर

३ तीजी आपा आपणी पुसीसूं लेपी भेजी

४ चौथी आपा आपणी पुसीसूं मंगावी

५ पांचमी आपा आपणी पुसीसूं देसावर वाले पासे दूस
देसावर की करावां

६ छठी आपा आपणी षुसीसूं देसावर वाले पासे दू
देसावर ना भेजवां

७ आपा आपणी षुसीसूं दुसरे देसावरकी मँगावां. अ

८ आपणी पुसीसूं दुसरे देसावरकी वटावणी भेजा त
दुसरे देसावरसूं वटावणी भेजवां

१॥सिद्धश्री बम्बई बंदर शुभसुथाने भाई गणेशदास ठाकु
दास जोग श्रीरतलामसूं लपतु गणेशदास शिवप्रसादव
जगोपाल बांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अपरे रु. ए
हजारकी नेमे रु. पांचसोहोका देवणा पुग इठे रापा भ
गणेशदास किसनाजी पास मिती भादवा वदी ८ थी वि
४५ पीछे साहाजोग रु हुंडी चलणका दीजो संमत १९२८
मिती भादवा वदी ८

या हुंडी आपा आपणी षुसीसूंकराजे कोंछे

१२५० भाई गणेशदास किसनाजीके लेपे मिती भादवा व
९ हुंडी १.

रु. १०००) श्रीवम्बईकी तुमाना दिनी भाई गणेशद
स ठाकुरदास उपर लिपी इठा सूं हमारी रापा तुम
पास मिती भादवा वदी ४ थी दीन ४५ पी
साहाजोग रु. हुंडी चलणका भत २५) लेपे पा
७९।१०००) श्रीवम्बई पाते भाई गणेशदास ठाक

दासका जमा हमारे घ । रु. मिति आसोज सुदी ९
हुंडी १ तुमारे उपर किनी. पाना ७३
२५०) श्रीहुंडावण पाते जमा पाना ८०
०।

निसाणी तुमारे
घरु मांडजो

श्री ।

१॥सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई गणेशदाश शिवप्रसाद जोग श्री बम्बईसूं लषत गणेशदास ठाकुरदासको जयगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अपरे रु० एकहजारकी नीमे रु. पांचसोह्नोका दुवणा पुरा इठे रापा भाई गणेशलाल सोभागमल पास मिती आषाड सुदी १५ थी दीन ५१ एकावन पीछे साहाजोग रु हुंडी चलण का दीजो संमत १९२९ आपाढसुदी ५

चिट्ठी बम्बईकी गणेशदास ठाकुरदासकी आई जणीमें समाचार लिषा हुंडी १ रु १०००) तुमारे खाते रतलामकी किनी छे प्र. ८०) लेपे सो जमापरच कर लीजो देणी पुरा सिकार दीजो चिट्ठी लिखी मिती आपाढ सुदी ५

याहुंडी आपा आपने उपर आमारे पाते करावाजीरो १०००) भाई मगनी रामजी बंधुतसिषजीका जमा भादवा वदी ११ हुंडी १ हमारे उपर लिपी श्रीबम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदासकी रापा गणेशलाल सोभागमल पास

मिती आसाढसु. ९ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका. पाना ७८.

८००) श्री वम्बई खाते भाई गणेशदास ठाकुरदास के लेपे हमारे घरु मिती आसाढ सुदी १५ हुंडी १ रु. १०००) श्रीरतलामकी हमारे पाते हमारे उपर किनी भाव प्रत ८०) लेपे सो चिट्ठी तुमारी आपाढ सुदी. ७ सूं जमा परच किना पाना ७३.

२००) श्रीहुंडावणपाते लेपे. पाना ८०

०।

श्री।

१॥सिधश्री मम्बई बंदर शुभसुथाने भाई गणेशलाल सोभागमल जोग श्रीरतलामसूं लिपतु मगनीराम बभूतसिघको जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अपरु एकहजार की निमे रु. पांचसोहोका देवणा पुरा इठे रापा गणेशदास सिवप्रसाद पास मिती भादवा वदी० ९ थी दीन ४९ पीछे साहाजोग रु, हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ मिती भादवा वदी ९.

याहुंडी आप आपणी पुसीसूं हमारे घरु देसावरनालेणी भेजीतकेछे

१२५० भाई मगनीरामजी बभूतसिंघजीका जमा मिती
०। भादवा वदी ९

हुंडी १ रु. १०००) श्रीमम्बईकी तुमारी लिनी गणेशलाल सोभागमल उपर लिपी इठासूं तुमारी रापा

हसारे पास भादवा वदी ९ थी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु हुंडी चलणको प्रत २५) लेपे पाना ७८
१०००) श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासके लेपे हमारे घरु मिती आसोज सुद ९ हुंडी श्रीमम्बईकी लेणी भेजी. पाना ७३.
२५०) श्रीहुंडावणपाते लेपे. पाना ८०
०।

श्री।

१॥ सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई मगनीरामजी वखुतसिंघजी जोग श्रीमम्बई सू लपतु गणेशलाल सोभागमलका जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अपरे रु. एक हजारकी निमे रु. पांचसोहोका देणा पुरा इठे रापा गणेशदाश शिवप्रसाद रतलामवाला पास मारफत गणेश ठाकुर दासकी मिती सावण वदी ९ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु हुंडी चलणका दीजो.

। या हुडी मम्बाईवाले पास आपा आपनी पुसीसूं मगाई जो छे

। चिट्ठी मम्बाईकी गणेशदास ठाकुरदासकी आई.
१०००) हुडी रतलामकी हमारे पाते प्रत ८०) लेपे परीदने काल दिन वीडीछे सकरायने जमा करजो.

·) चिठी लपी मिती सावण वदी १० सम्मत १९२९
१०००) भाई मगनीराम वखुतसिंघजीका लेपे मिती भाद-

वासुदी १९ हुंडी १ तुमारे ऊपर लिपी श्री मम्बई सूं गणेशलाल सोभागमलकी राषा हमारे पास मारफत भाई गणेशदास ठाकुरदासकी मिती सावण वदी ९ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका पाना ७८.

८००) श्रीमम्बई पाते भाई गणेशदास ठाकुरदास के जमा हमारे परु मिती सावण वदी ९ हुंडी १ रुपया १०००) श्रीरतलामकी तुमारी हमारे पाते प्रत ८०) लेषे भेजे सो चिट्ठी तुमारी सावणवदी १० सूं जमा परच किना. पाना ७२ ॥

२००) श्रीहुंडावणपाते जमा. पाना ८०
०।

श्री ।

निसाणीरतलामषाते
गणेशदाससिवप्रसादके
नांवमांडजो:

१॥ सिधश्री सवाई जेपूर शुभसुथाने भाई गणेशदास नारायणदास जोग श्री मम्बईसूं लषतु गणेशदास ठाकुरदासको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अपपरे रु एक हजारकी नेमे रु. पांचसोहोका दुवणा पुरा इठे राषा नेणसूप

मुलतानचंद पास मिती सावण वदी १० थी दीन ५१ पीछे साहा-
जोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ सावणवदी १०

। याहुंडी आपणे पाते मम्बाईवाले पासे जेपुरकी कराई.

। चिट्ठी श्रीमम्बाईकी भाई गणेशदास ठाकुरदासकी
आई समाचार इणी मुजबछै चिट्ठी मिती सावण
वदी ११ की आई.

१०००) हुंडीरु १०००) श्रीजेपुरकी तुमारे पाते कराई सो
भावप्रत १०३॥) लेषा किनीछे रापा नेणसुप मुलता-
नचंद पास मिती सावण वदी १० दीन ५१ पीछे सो जे-
पुरनो समाचार लषदीजो.

१०२५) श्रीमम्बईषाते भाई गणेशदास ठाकुरदासके लेषे
हमारे घरु मिती सावण वदी १० हुंडी १ रु. १०००)
श्रीजेपुरको भाई गणेशदास नारायणदास उपर
लिपी हमारे पाते श्रीमम्बईसूं तुमारी रापा नेणसुष
मुलतानचंद पास मिती सावण वदी १० थी दीन
५१ पीछे साहाजोग हुंडी चलणका प्रत १०३॥
लेषे चिट्ठी तुमारी सावण वदी ११ सू जमापरच
किना पाना ७३.

१०००) श्री जेपुरषाते भाई गणेशदास नाराय-
।० णदासका जमा हमारे वरु मिती आसोज
वदी १ तुमारे उपर हमारे पाते मम्बईसूं गणेशदास
ठाकुरदास किनी पाना ७५

२९) श्री हुंडावण पाते जमा. पाना ८०.

१॥ सिधश्री सवाई जेपुर शुभसुथाने भाई सपाराम गंभी-रमल जोग श्री मुम्बईसूं लपतु गणेशलाल सोभागमलको जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अखरे रु. एक हजारकी नेमा रु. पांचसोहोका देवणा पुरा इठेरापा गणेश-दास ठाकुरदास पास मिती सावन वदी १० थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ सावण सुदी १०

चिट्टी मुम्बईका भाई गणेशदास ठाकुरदासकी मिती सावण सुदी ११ की आई जणीमें समाचार

१०००) हुंडी १ श्री जेपुरकी तुमारे पाते जेपुरना गणेश-दास नारायणदासना भेजी प्रत १०२॥) लेपे सो हमारी जमाखरच कर्लीजो

१०२२॥) श्री मम्बईखाते भाई गणेशदास ठाकुरदासका
०। जमा हमारे घरु मिती सावण सुदी १० हुंडी १ रु १०००) श्री जेपुरकी तुमा हमारे पाते श्रीजेपुरना गणेशदास नारायणदासना भेजी सुपरामगंभीर-मल उपर लपी श्री मम्बईसूं गणेशलाल सो-भागमलकी रापा तुमारे पास मिती सावण सुदी १० थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलण प्रत १०२॥) लेपे चिट्टी तुम्हारी सावण सुदी ११ मूं जमापरच किना. पाना ७४.

१०००) श्रीजेपुरपाते गणेशदास नारायणदासके लेपे
०। हमारे घरु मिती आसोज सुदी १ हुंडी १) जे-

पुरकी हमारे पाते मम्बईसूं भेजी पाना ७५
३२॥) श्रीहुंडावण पाते लेपे पाना८०
।०

श्री।

१॥ सिधश्री मंदसोर शुभसुथाने भाईगणेशदास पुनमचद जोग श्रीमम्बई बंदरसं लिपतु गणेशलाल सोभागमलको जोहार वांचजो उपरच हुंडी १ रु १०००) अपरे रु एक हजारकी नेमे रु. पांचसोहोका देवणा पुरा इठे रापा गणेशदास सिवपरसाद रतलामवाले पास मारफत गणेशदास ठाकुरदासकी मिति सावणवदी १ दीन ५१ पीछे साहाजोग रु हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ सावण वदी १

चिट्ठी मम्बईकी मिति सावण वदी २ की गणेशदास ठाकुरदासकी आई.

१०००) हुंडी श्री मंदसोरकी तुमारे पाते तुमाना भेजी सो डणचिट्ठीमधे सारलीजो प्रत ७९॥=)
लेपे हमारी जमा करजो.

१०००) श्रीमंदसोरपाते भाई पेतसीदास गोविंदरामके लेपे
०। हमारे घरु मिती भादवासुदी ७ हुंडी १ श्रीमंदसोरकी लेणी भेजी, गणेशदास पुनमचद उपर लिपी श्रीमम्बई सूं गणेशलाल सोभागमलकी रापा हमारे पास मारफत गणेशदास ठाकुरदास मम्बई वालेकी मिती सावण वदी १ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु हुंडी चलणका पाना ७५.

७९६।) श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा हमारे घरु मिति सावण वदी १ हुंडी रु १०००) श्रीमंदसोर की हमारे पाते तमा भेजी प्रत ७९॥=) लेषे सो चिट्ठी तुमारी सावण वदी २ सूं जमापरच किनो. पाना ७२.

२०३॥।) श्रीहुंडावण पाते जमा पाना ८०

१॥ सिधश्री सवाई जेपुर शुभसुथाने भाई सुषरामजी गंभीरमलजी जोग श्री रतलामसूं लिषतु मगनीरामजी बभुतसिंघजीको जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु १००० अपरे एकहजारका नीमे रु० पांच सोहोका देवणा पुरा इठे राषा गणेशदास शिवप्रसाद पास मिती भादवा वदी १० थी दीन २१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ सावण वदी १०

चिट्ठी मम्बईकी गणेशदास ठाकुरदासकी मिती सावण सुदी १ की आई जणीमें समाचार इणभांत.
१०००) हुंडी जेपुरकी भेजी सो पूगीछे प्रत १०३॥) वटाईछे सो सावण सुदी १ की मितीरी हमारे नामे मांडजो.

१०००) भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजीका जमा मिति सावण वदी १० हुंडी १ रु. १०००) श्री जेपुरकी तुमारी लिनीसुषराम गंभीरमल उपर लिषी इठासूं तुमारी राषा हमारे पास मिती सावन वदी १० थी

दीन २१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका प्रत २०) लेपे पाना ७८.

१०२५) श्रीमम्बई पाते भाई गणेशदास ठाकुरदासके लेपे हमारे
०। घरु मिति सावणसुदी १ हुंडी १ रु १०००) श्री जेपूरकी तुमाना वटाणी भेजी सो तुमां प्रत १०३॥) लेपे वटाई सो चिट्ठी तुमारी सावण सुदी १ सूं नावे मांडा पाना ७४.
२५) श्रीहुंडावणपाते लेपे. पाना ८१.

।०

१ और हुंडी देसावर की वटावणी आवे जणेनां रात दनसूं वटावणी रातदन जणे देसावरकी हुंडी होवे और उणे देसावरका दन उठे पडता होवे जतरा लपीमितीसूं रापदेणे अने उपरा दन जादा हुंडीमे होवे तो लपी मिति माहे हुंडी देणी जणेने भरदेणा तथा दीन हुंडीमे लपी मितीमूं कमती होवे तो हुंडीवेचणी जणेसूं भरलेणा कदास दनाको व्याज भाव माहे करलीनो होवे तो जणदन सव दो हुंडीको करनो जणी मितीका नावे मांडणा कदास भाव माहे नई भरलेवे तो लपी मितीसूं दन काटणे नावे मांडणी सो व्याजपातेमें आई जावे

अणेभांत नकल नग ८ तुमारे घरु कीछे
१ हुड़ी देसावर वाले आपकी पुसीसूं करे.
२ दूजे देसावरसूं आपणे उपर करावे.

३ देसावरवालो आपनी लेहेणी भेजे.
४ देसावर वालो दूजे देसावर भेजावै.
५ देसावरकी वटावणी भेजे.
६ आपके देसावरकी मॅगावै आपके घरु.
७ देसावरकी आपरे घरु करावै.
८ आपणी नेसाणीकी दुजे देसावर उपरे करै.
आणि भांत विगतछे.

हुंडी आपणे उपर देसावरवालो तमारे घरु किनी जणीरी.
१॥ सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई गणेशदास शिवप्रसाद जोग श्री मम्बई वंदर लपतु गणेशदास ठाकुरदासका जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) की अपरे रु. एक हजारकी निमे रु. पांचसोहोका दुबणा पुरा अठे राषा भाई गणेशलाल सोभागमलपास मिती आसाडसुदी ११ थी दिन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका संमत १९२९ आसाड सुदी ११

१०००) श्री मम्बई पाते भाई गणेशदास ठाकुरदास को लेपे
१० तुमारे घरु मिती भादवा सुदी २ हुंडी १ हमारे उपर लिषी तुमारी राषा गणेशलाल सोभागमल पास मिती आसाडसुदी ११ थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका. पाना ७१.
१०००) मगनीरामजी बखुतसिंघजीना जमा मिती भादवासुदी २ पाना ७८. *सीकारी*

निसाणी तुमारे घर
मांडजो.

श्री।

॥ सिधश्री मम्बई बन्दर शुभसुथाने भाई गणेशदास ठाकुरदास जोगश्री रतलामसूं लिपतु गणेशदास सिवप्रसाद को जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु १०००) अपरे एकहजारकी निमे रु. पांचसोहोका दूवणा पुरा इठे रापा भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजी पास मिती भादवा वदी १२ थी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु हुंडी चलणका सनद दरसनदकी जाव देवे जणी धणी जोग दीजो सम्मत १९२९ भादवा वदी १२.

१ चिठ्ठी मम्बईमां गणेशदास ठाकुरदासना मिती- भादवा वदी १४ संमत १९२९ के लपीजणीमे समा-

चार १०००) हुंडी श्रीमम्बईकी तुमा तुमारे पाते कराई सो प्रत २४॥) लेपे किनी रापा मगनीरामजी बभुतसिंघ पासे भादवा वदी १२ दीन ४५ पीछे इसी लपी.

१२४६।) भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजीके लेपे मिती भादवा वदी १२ हुंडी १ रु १०००) की मम्बईकी तुमाना दिनी गणेशदास ठाकुरदासउपर लपी इटासूं. पाना ७८ हमारी रापा तुमारे पास मिती भादवा वदी १२ थी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलनका सनद

दरसनदका जबाब देजणे धनी जोग प्रत २४॥=)
१२४९) श्रीमम्बईपाते भाईगणेशदास ठाकुरदासके
०।

जमा तुमारे घरु मिती भादवा वदी १२ हुंडी
रु. १०००) श्रीमम्बईकी तुमारे पाते तुमारे उपर
किनी प्रत २४॥) लेपे पा. ७२
१।) श्री हुंडावणपाते जमा. पाना ८०

याहुंडी देसावरवालो आपना उणीके साते लेणी भेजीतीकी
१॥ सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई मगनीरामजी व:
भुतासिंघजी जोग श्रीमम्बईसूं गणेशलाल सोभागमलका
जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अपरे रु. एक
हजारकी निमेरु. पांचसोहोका देवणा पुग इठे रापा. भाई गणे-
शदास ठाकुरदास पास मिती आसाड सुदी ८ थी दीन ६१ पीछे
साहाजोग रु. हुंडीचलणका सनद दरसनदको जबाब दे
जणे धणी जोग सिकारजो संमत १९२१ आसाड सुदी ८
१०००) भाई मगनीरामजी बभुतासिंघजीके लेपे मिती भादवा
वदी १४ हुंडी २ तुमारे उपर लपी श्रीमम्बईसूं गणेश-
लाल सोभागमलकी गपा गणेशदास ठाकुरदासपास
मिती आसाड सुदी ८ थी दीन ६१ पीछे साहाजोग
रु. १ हुंडी चलणका सनद दरसनदको जवाव देवे
जडी जोग. पान ७८.

१०००) श्रीमम्बईपाते भाई गणेशदास ठाकुरदास-

का जमा तुमारे घरु मिती भादवा वदी १४ हुंडी श्रीरतला-
मकी लेणी आई पाना ७१.

हुंडी दिसावरवालाके पाते दूजे दिसावर सूं भेजावे जनकी.

१॥ सिधश्री रतलाम शुभस्थाने भाई धनरूपमल राजमल जोगश्री अजमेरसूं लिषतु धनरूपमल बागमलको जोहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु १०००) आपरे रु. एकहजारकी निमे रु पांचसोहोका दूणा पूरा अठे राष्या गणेशदास ठाकुरदास मम्बईवाला पास मारफत भाई हसराज गंभीरचंदकी मिती सावण सुदी १५ थी दीन २१ पीछे साहाजोग रु हुंडी चलणका दीजो

१०००) धनरूपमल राजमलके लेपे मिती भादवा सुदी ६ हुडी १ तमारे ऊपर लपी श्रीअजमेरसूं धनरूपमल बागमलकी राषा गणेशदास ठाकुरदास श्रीबम्बईवाले पास मारफत हंसराज गंभीरचंदकी मिती श्रावण सुदी १५ थी दिन २१ पीछे साहाजोग रुपैया हुडी चलणका, पाना ७९.

१०००) श्रीबम्बई पाते भाई गणेशदास ठाकुरदासका जमा तुमारे घरु मिती भादवा सुदी ६ हुंडी १ रतलाम की तुहारे पाते श्री अजमेरसूं हंसराज गंभीरचन्दने भेजी पाना ७२

श्री

। हुंडीमेंची सवाईराम हिंमतराम
गणेशदास ठाकुरदास जोग मार्फत
हंसराज मेघराजकी रतलाम मांह
वेची गणेशदास शिवप्रसाद सिव
। लाल मोतीलाल जोग,

श्री

॥ सिधश्री मम्बई बंदर शुभसुस्थाने भाई सुरतराम राय-भाणजोग श्रीसवाई जैपुरसूं लिषतू लिछमणदास सिवप्रसा-दको जैगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अषरे रु. एक हजारकी निमे रुपैया पांचसोहोका दूणा पूरा आठे राख्या सवाईराम हिंमतराम पास मार्फत पदमसी तेजसीकी मिती भादवा वदी १ थी दिन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका. दीजो.

या हुंडी मम्बईवालाके पाते इंदोरसूं आई सो वटाई जिणकी नकलछे.

१२६५॥=) भाई शिवलाल मोतीलालके लेपे मिती भादवा
०। सुदी ७ हुंडी१ रु. १०००) श्रीमम्बइकी तुमानें दीनी सुरतरामगयभान ऊपरा लपी श्रीसवाई जेपुरसूं लछमणदास सेवादासकी पाना राषा सवाईराम हिंमतराम पास मारफत पदमसी तेजसी की भादवा वदी १ थी दिन ५१ पीछे साहाजोग रु.

हुंडी चलणका भाव प्रत २६॥-) मिती याको व्याज भावमें लिनो.

१२६५) श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासका
०। जमा तुमारे घरू मिती भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) श्रीमम्माईकी तुमारे पाते श्रीइंदोरसूं. हंसराज मेघराज भेजी सो भावप्रत २६॥) गई मिती सुधी वे-टाई सो तुमारी जमा किनी. पाना ७६
॥=) श्रीहुंडावणपाते जमा. पाना. ८१.
०।

१॥ सिधश्री मन्दसोर शुभसुथाने भाई गणेशदास पुनमचन्द जोग श्रीइंदोरसूं लपतु गंभीरचन्द लपमीचन्दको जुहार वंचजो उपरंच हुंडी १ रु १०००) अपरे रु. एकहजार की नेमे रु पांच सोहोका दूणा पूरा इठे रापा हंसराजमेघराज पास भादवा वदी १ थी दिन ५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका या हुंडी देसावरवाले वटाणी भेजी जिणाकी नकल छे.

९९६।) श्री इंदोरपाते भाई हंसराज मेघराजका जमा तुमारे घरु मिती भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) श्रीमन्दसोरकी तुमां वटाणी भेजी गणेशदास पुनमचन्द ऊपर लिपी श्रीइंदोरसूं फत्तेचन्द सेवगकी राप्या तुमारे पास भादवा वदी १ थी दिन ५ पीछे प्रत ९९॥=) लेषै गई मितीकी वटाई सो जमा किना पाना ७७

१०००) श्रीमन्दसोर पाते भाई पेतसीदास गोविन्दरा-
१० मकै लेपे हमारे घरू मिती भादवा सुदी १०
हुंडी १ श्री मन्दसोरकी लेणी भेजी. पाना. ७९
३॥) वादथी हुंडावण पाते जमा. पाना ८१.

। ९९६।) बाकी परा.

या हुंडी देशावर वालेके पाते मोलले के भेजीतको.

१॥ सिधश्री मम्बई शुभसुथाने भाई गणेशलाल सोभागमल जोग श्रीरतलामसूं लपतु मगनीराम वभूतसिंघको जुहार वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) अपरे रु. एकहजारकी नेमे रु. पांचसोहोका दूणा पूरा डठे राप्या गणेशदास ठाकुरदास मम्बई वाला पास मारफत गणेशदास शिवप्रसादकी मिती भादवा सुदी ७ थी दिन ४९ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका सनद दरसनदको जबाब देजिणधणी जोगदीजो.

। चिट्ठी श्री मम्बईने गणेशदास ठाकुरदासनै दिनी मिती भादव सुदी ८ जणमैं समाचार इणभात लिप्या
१०००) हुंडी १ श्री मम्बईकी तुमा तुमार घरू मंगाई सो इणी चिट्ठी मधे सार लीजो प्रत २९॥=) लेपे हमारी जमा करजो

१२९६।) श्रीमम्बईपाते भाई गणेशदास ठाकुरदासके लेपे तुमारे घरू मिती भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) श्रीमम्बईकी तुमारे पाते तुमानै भेजी गणेशलाल सोभागमल ऊपर लपी उठासूं मगनीराम वभुतसिंघकी रापा तुमारे पास मार्फत हमारी मिती

भादवा सुदी ७ थी दीन ४५ पिछे साहाजोग रु हुंडी चल-
णका सनंद दरसनंदको जाव दे जिण धणी जोगसिकारजो
प्रत २५॥=) पाना ७२

१२५५) भाई मगनीराम वभूतसिवका जमा मिती भादवा
०।

सुदी ७ हुंडी १ रु १०००) श्री मम्बईकी तुमारी लीनी
प्रत २५॥) लेपे पाना ७८

३।) श्री हुंडावण पाते जमा. पाना ८१
०।

या हुंडी देसावर वालो आपणी निसाणीकी
दूजे देसावर उपर करी

निसाणी श्रीरतलामषातें
गणेशदासशिवप्रसादके
षाते मांडजो

श्री

१॥सिधश्री मम्बई शुभस्थाने भाई हंसराज मेघराज जोगश्री
इंदोरसूं लिषतु गणेशदास ठाकुरदासको जैगोपाल वाचजो उपरंच
हुडी १ रु. १०००) अखरे एकहजारकी नेमे रु पांचसो-
होका दूणा पूरा डठे रापा भाई गणेशलाल सोभागमल पास
मिती भादवा सुदी ७ थी दीन ४५ पीछे साहायोग रु हुंडी चल-
णका दीजो संमत १९२९ भादवा सुदी ७

। चिट्ठी १ श्री मम्बईकी गणेशदास ठाकुरदासकी

मिती भादवा सुदी ७ की आई जिणमें समाचार इण भात.

१०००) हुंडी १ श्री इंदोरकी तुमारी निसाणीकी हंसराज मेघराज ऊपर कीनीछे सो सिकरावणेका समाचार इंदोरनैं लिष दीजो राष्या भाई गणेशलाल सोभागमलपास मिती भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पाछ.

१२६५) श्रीमम्बईपाते भाई गणेशदास ठाकुरदासके लेषे तुंमारे घरु मिति भादवासुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) श्री इंदोरकी तुमा हमारी निसाणीकी कीनी हंसराज मेघराज ऊपर लिपी तुमारी राष्या गणेशलाल सोभागमल पास मिती भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका प्रत २६॥) पाना ७२
१०००) श्री इदोरपाते भाई हंसराज मेघराजका
०।

जमा हमारे वरु मिती काती वदी ७ हुंडी १ तुमारे ऊपर हमारे पाते श्रीमम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदास कीनी सो जमाषरच कीनो. पाना ७६

२६५) श्री हुंडावणपाते जमा. पाना ८१.
०।

या हुंडी एक जिसमें दो निसाणी होती हैं सो आधी हमारे घरू और आधी तुमारे घरू मंडतीहै सो उसका जमाषरच इसतरहसे वहीमें मांडना.

श्री

। हुंडी रु ५००) तुमारें घरू नामे मांडजो.

। हुंडी रु ५००) हमारे घरू नामे मांडजो.

१॥ सिधश्री मम्बई बंदर शुभसुथाने भाई गणेशदास ठाकुरदास जोग श्रीरतलामसूं लिषतु गणेशदास शिवप्रसादको जैगोपाल बांचजो उपरंच हुंडी १ रु १०००) अपरे रु एक हजारकी निमे रु. पांचसोहोका दूणा पुरा इठे राष्या भाई गणेसदास किसनाजी पास मिती भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पीछे साहजोग रु हुंडी चलणका सनंद दरसनंदको जवाब देजिण जोग संमत १९२९ भादवा सुदी ७ रु. १२५१।)। भाई गणेशदास किसनाजीके लेपे मिती भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) श्रीमम्बई की तुमाने दीनी गणेशदास ठाकुरदास ऊपर लिषी इठासूं हमारी राष्या तुमारे पास भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पीछे साहाजोग रु हुंडी चलणका सनद दरसनदको जवाब देजिण जोग प्रत २५=) पाना ७९.
५००) श्री मम्बई पाते भाई गणेशदास ठाकुरदासका जमा
हमारे घरु काती वदी ७ हुंडी १ रु १०००) तुमारे ऊपर कीनी जिणमधे रु. ५००) हमारे घरु मांडजो पाना ७४

६२५) श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा तुमारे वरू भादवा सुदी ७ हुंडी १ रु. १०००) की तुमारे ऊपर किनी जिण मधे रु. ५००) तुमारे वरू मांडी प्रत २५) लपे. पाना ७७.

०। १२६।) श्री हुंडावणपाते जमा. पाना ८१.

१२५१।)

श्री

। सेरे निसाणी रु ५००) की
तुमारे घरु मांडजो
। सेरे निसाणी रु. ५००)
हमारे घरु नावे मांडजो

१॥ सिधश्री रतलाम शुभसुथाने भाई गणेशदास शिवप्रसाद जोगश्री मम्बईसू लिपतू गणेशदास ठाकुरदासको जेगोपाल वांचजो उपरंच हुंडी १ रु. १०००) आपरे रु. एक हजारकी नेमे रु. पांचसोहोका दूणा पूरा डठे रापा गणेशलाल सोभागमल पास मिती सावण सुदी १ थी दिन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका दीजो संमत १९२९ मिती सावण सुदी १

हुंडीके पुठ हुंडी सहीकरा

५००) सहीकरी ठाकुरसीतेजपाल जोग

। इण हुंडीका रु० ५००) ठाकुरसी तेजपाल भरपाया.

५००) सहीकरी निमाजी पेमराजजोग.

। इण हुंडीका रु. ५००) निमाजी पेमराज भरपाया

। हुण्डी १ रु० १०००) श्रीरतलामकी श्रीमम्बई सूं गणेशदास ठाकुरदासकी रापा गणेशलाल सोभागमल पास सावण सुदी १ थी दिन ९१ पीछे सहाजोग हुंडी चलणका.

५००) हुंडी उपर सेरे नेसाणी गणेशदास ठाकुरदास मम्बईवालेके घरु

५००) श्रीमम्बईखाते गणेशदास ठाकुरदासके ।० लेपे तुमारे वरु मित्ति आसोज वदी ६ हुंडी १ रु. १०००) जणमधे रु० ५००) निसाणी तुमारे वरू मांडी. पा. ७६

५००) हुंडी उपर सेरे निसानी हमारे वरू.

४००) श्रीमम्बईपाते गणेशदास ठाकुर- ०। दासके लेपे हमारे घरु सावण सुदी १ हुंडी १ रु १०००) मधे रु. ५००) की हमारे पाते किनी म्रत .८० लेपे चिट्ठी तुमारी सावण सुदी १ सूं पाना ७४.

१००) हुंडावणपातेलेपपाना ८
०।

१०००)

---

५००) ठाकुरसी तेजपालका जमा आसोजवदी
०। हुंडी १ रु. १०००)
हमारे ऊपर आई जिण मधे रु. ५००) तुमारे जो
सिकारी पाना ८०
५००) नेमाजी पेमराजका जमा मिती आसोज वदी
हुंडी १ रु १०००) जिण मधे रु.५००) तुमारे जो
शिकारी पाना ८०

१०००)

। यो जमापरच सीगेवालो छे। चिट्ठी देसावरकी आवे
श्री।

। सिधश्री रतलामशुभसुथाने भाई गणेशदास शिवप्रसा
जोग श्री तालसूं रामजी कालूरामको जैगोपाल वांच जो अठा
समाचार भला छे थारा सदा भला चाहिये उपरंच कागद
तथा ४ आमें दीनाछा सो पूगा लिखजो और समाचार
वांचजो सम्मत १९२९ सावण सुदी १
। और चोकारा थेला नग ५ बंधाई दीजो और थेलानग
भाव सारू बेंच दीजो.
१०००) हुंडी २ तुमारी निसानी की इंदोरकी हसराज मे
घराज उपर किनी छे राप्या विट्ठलदास शुभकरणदा

पास सावण सुदी १ थी दिन १५ पीछे सो सिकारदेवणेकी लीषदीजो.

चिट्ठी पीछी दिसावरकी आवे जिणको जबाब इणभांत लिखणा.

सिधश्रीतालशुभसुथाने भाई रामजीकालूराम जोग श्रीरतला मसूं लिखतु गणेश शिवप्रसादको जैगोपाल वांचजो अठाका समाचार भला छै तुमारा सदा भला चाहिजे उपरंच कागद २ तथा ४ आगे दीनाछ सो पूगा लिषजो.

। और कागद तुमारो सावण सुदी १ को लिष्यो सावण सुदी ३ नें आयो समाचार लिष्या सो वांच्या कागद हमारो पूगो लिष्यो सो ठीक छै जठा पीछे फेर दीनो छै सो पूगो लिषजो.

। और अफीमका थेला नग ११ भेजा सो पूगाछे.

। थेला नग ५ तुमारा लिष्यां मुजब बंधाय दीनाछै जिणकी गोटी नग १५५० हुई छै चीक मण २८॥ अठाका तोलरो उतर्यो छै.

। और थेला नग ६ प्रत ४४) लेपे काचासू वेचासू बेचा छै सो जाणजो.

१००००) हुंडी श्रीइंदोरकी किनी सो सिकारदेवणे की लिष दीनी छै सो प्रत २६॥) लेपे हमारा जमा करजो.

। संमत् १९२९ सावण सुदी ५ फेर दिसावरांका भाव होवे सो लिषणा.

। अफीम बंधायो जिणको वधाईको परच नामें इसतरे से देसावरवालेके नामे मांडणो.

५९॥=) श्री ताल पाते रामजी कालूरामके लेपे तुमारे घरु
। सावण सुदी ५ चीकरा थेला नग ५ तुमारा बंधाया जिणकी बंधाई परचका चीक मण २८॥) ऊपर जिण का वोजा नग ४ का परचका नावे मांडा. अव सिरस्ता वोजाका १ का १२ से लगात १६॥) तकका है, पाना७७.

९) तेल मण १॥) प्रत ६ वोज १ लारे सेर

१०) १॥=) पाली पासीमण १॥ प्रत १५) वोज १ लारे रु. १५)

६) पाली आपी माणी १) प्रत ६ वोज १ लारे मण २

४२॥) बधाई तथा फिराई तथा आदमीको रोजगार मालरे पास सोवंजणीको मास ४ का उथा माल वंध जणेका थणी गोल तथा फेराईको संगडा तथा तमापू माजुमवगेरेके परचा मण २८॥) का प्रत मण १ लारे प्रत १॥)उघडा.

५९॥=) वलता श्री आफीमके परच पाते जमा पाना, ८१

---

१ अफीमकी गोटी दिसावरवालाकी वेची जिणको जमा-परच इसी तरेसे करणो,

५५०५।)॥ भाई वगसीराम मंगलचंदके लेपे मिती काती सुदी १ आफीमकी वटी मण २३।) १= परी प्रत ५९॥=) लेपे परासूं ताल वालाकी तुमानै दीनी

जिणका नामे मांडा हस्ते दलाल रुघजी कोठारी तथा नायलचंद वागडो पाना ७९.

५४१५॥) श्रीतालपाते भाई रामजी कालूराम-
का जमा तुमारे घरू मिती काती सुदी
१ आफीमकी बट्टी मण.
२३।) १= परेसो प्रत ५४) परासु तुमा-
री बेची सो तुमारा जमा की-
ना पाना उतार भंजो.
५४९३॥=॥) असल बट्टी-
मण २३।) १= .प्र-
त ५९ लेवे जणी
का पाना. ७७

७८=॥) बाद परचका.
२७॥≡॥) आडत रु. ५४९३॥=॥)की प्रत
॥) सत १
"१" ५॥।‒) दलाली का मण २३। प्रत‒)
धडी १ लेपे.
१।≡) धरमादाय प्रत ‒) मण १ लारे
२=।॥) आफीमको खरच परचुणमा-
। लवाला लेवालका तथा छोक-
राका प्रतना) मण १

३६॥ =॥)

४१।) हासलमण २० का प्र-
त १।=) लेपे थेलानग
५ प्रतथेला १ मण ६
७८=॥)

५४१५॥) बाकी खरा.

३९-॥)	श्री आडतखाते जमालेवाल पास वेचवाल पास.	
०।	१॥=)२७।≡॥)	पाना ८१)
५।॥)	श्रीदलालीखाते जमा.	पाना ८१
१।≡।)	श्रीधरमादापाते जमा.	पाना ८२
०।		
४१।)	श्रीहासलखाते जमा.	पाना ८२
०।		
२=।॥)	श्रीआफीमकेखरचखाते जमा.	पाना ८१

५५०५।)॥

। अमलको चीक दिशावरवालेको दो धणीनें वेचणो जि-णको जमाखरच इसतरह काढणो.

। मिती सावण सुदी ५ चीक मण ३४। तालवाला रामा-नी कालुरामको प्रत ४३॥। लेपे खरासूं बगसीराम मंगल चन्दनें तथा ठाकुरसी उदेरामनें वेचो हस्ते दलाल रुघजी तथा धरमचन्द.

२९८३॥) भाई ठाकुरसी उदेरामके लेपे चीकमण १७ प्रत ४३॥।=) लेपे परेसूं तुमानै दीनो छे जणीका सावण सुदी ५ प्रत ७९

३०२७।=़ भाई वगसीराम मंगलचंदके नामे सावण सुदी ५ चीकमण १७ प्रत ४३॥।=़ लेखे तुमाने दीनो जणीका पाना ८०

५९००।-॥ श्री तालखाते रामाजी कालूरामका जमा तुमारे घरू सावण सुदी ५ चीकरा थेला नग ६ तुमारा वेच्या जणको चीकमण ३४।़ पराप्रत ४३॥।़ लेखे वेच्यो जिणका जमाखरच कीना ऊपनाको पानो १ उतार भेज्यो. पाना ६५
५९९३॥।़अमल चीकरा

९३।=॥़वादपरचका
३़॥आडत रु. ५९४३॥।़ प्रत॥़ सत १
८॥-़ दलाली मण ३४। प्रत।़ ६
४९॥़ हासलमण ३६ का थेला प्रत १।=़ मण १
३।़ आफीमके खरच छोकराव माल खरीदनेवाला वगैरे मण १ प्रतदेढ—॥़
२=़ धरमादो मण ३४।़ का प्रत-़ मण १

९३।=॥़
५९००।-़ ॥वाकी परापरे

४७-॥) श्री आडतखाते जमा बेचवालपास लेवालपास
०। पाना ८१३०)॥ १७=)
४९॥) श्रीहासलखाते जमा पाना ८२
०।
८॥-) श्रीदलालीपाते जमा पाना ८१
०।
३।) श्रीअफीमके परचपाते जमा. पाना ८१
०।
२=) श्रीधरमादायपाते जमा. पाना ८२
०।

६०१०।॥=

१॥ विगत षातो पताणेकी को जो पातो इसमुजब इणी विगत सूं पतावे तो हिसाब देशावरने भेजै तथा और किसी दुकानदार हिसाब करे तो और वहां देपणेको काम पडे नही पातेसूं देषने सब काम होई जावे.

विगत रकम देशावरकी पतावे जिसकी.

१ हुंडी लेणी भेजां तथा लेणी आवे तथा वटाणी भेजां तथा वटाणी आवे जिणमें विगत इण भात करणी नकल होवे तो नकलको पानो करणो रोकड होवे तो रोकडको पानो करणो मिती करणी हुंडी भेजी तथा आई होवे तो करणी जणी उपरा होवे तो औ आसामीको. नाम लिपणो लिपी मिती होवे सो करणी तिथी दिन करणा भाव होवे तो करणो इणी भांत हुंडीको देशावर पातो पतावणो.

१ हुडी आपा करा तथा करावा तथा देशावरवालो करै तथा करावे जणकी नकलतथा रोकड होवे जणे को पाणो करणो

ती होवे सो करणी हुंडी उपर होवे सो करणी राषा
ा करणा मिती लषी करणी तथा दीन होवे सो करणो
व होवे तो करणो जितनी विगत नकलमें होवे सो सब
तामें करणी फकत धणीको नाम नही करणो सो नामपा-
में होवे जछे जणेसूं

और देशावर सूं माल मंगावा तथा भेजा तथा धणीको
वेचवा वास्ते आवे जणीकी विगत पातेमे इस तरे-
हसूं करणी

माल जिनस कपडो वगैरे मॅगाई जिसकी-
रु. का अंक और नकलको पानो मिती जो होवे सो
करणी रकम तुमा भेजी सो तुमारे लिपे मुजब जमा
किनी माल जिनस वगैरे देशावरवालोने आपणे पास परीद
मंगाई नकलको पानो रु. को आंक करणे मिती होवे सो
करणी रकम तुमाना भेजी जणीरो पानो एक उतार
तुमाना भेजो जणी मुजब नामे मांडकर इतनी विगत
करणी और माल अमल वगैरे चीज देशावरवालों या वेचनेकू
भेजे सो नकलमे तो जमापरच विगतवार होवेछे पण देशावरके
तेमे इसमुजब विगत करणी.

)नकल पाना मिती करणी कपडा तुमारो वेचो जण
ा उपनाको पानो तुमना उतार भेजो सो जमापरच
केना
)जमा करणो मिती होवे सो करणी अमलको चीक होवे

तो चीक करणो वट्टी होवे तो बट्टी करणी मग गत चेतावणीके माल मण इतनो तुमारो वेचो जणेको उह-नाको पानो एक उतारभेजो इतनी विगत पातेमें करणी। और बजारको पातो पताणो जिसमें फकत रुपीयाको अंक और नकल होवे तो नकलको पानो और रोकडा होवे तो रोकडको पानो मिती होवे सो करणी जमा जे रकम होवे तो जमा पासे पताणी लेपे होवे तो लेषवास्ते पताणी और नकल रोकडको पानो तथा रु. को अंक तथा मिती सुवाय बजारु पातेमे दूसरो दापलो कांई करणो नहीं फकत उपर लषो सो करणो.

। और माल जिनस वगैरे की रकम पताणी जिसकी विगत षा-तेमें इसतरे करणी.

। माल अमल जिनस घरु लेवे उस पातेमे विगत इतनी करणी नकल तथा रोकड होवे जिसको पानो और रु. को अंक माल जिनस मण होवे तो मण करणा और नग होवे तो नग करणा और कुछभी करणो नही और माल जिनस किसीकी पाती पाते लेवे उसकी विगत इसतरे पातेमे पताणीके रु. को अंक और नकल रोकडको पानो होवे सो और मिती होवे सो मण होवे तो मण करणा और नग होवे तो नग करणा सो पाते सो माल जिनसकी झडती मिलजावे और पाती दारको व्याजपण पातेपे जड जावे और वही देपणेको कामकरे नही सो इसतरेसे रकम पातेमें उपर लिपे मुजब पताणी

और परच का पाता व व्याज तथा वटा तथा दूसरा पे-रीच सट्टा वगैरे हुंडावणका पातेमें विगत इसतरेसे क-रणी के नकल तथा रोकडको पानो रु. को अंक और कांईबी करणो नही

और सीरकार वगैरे चागीरदार का पाता होवे तो इसतरेसे पातामे विगत करणी

विगत लेप पासे जो रकम होवे जणीकी नकल तथा रोकडको पानो होवे सो करणो रु. को अंक करणो मिती होवे सो करणी चिट्ठी १ आपकी आई जिसकी दिया जिसका नाम करणा तो पाते सो हिसाब होय जावे नही तो सब वहां देपणी पड़े

। विगत जमा पासे जो रकम होवे उसकी पातेमें इसमु-जब करणीके नकल तथा रोकडको पानो और रु. अंक मिती होवे सो करणी और जिसने रु. में भरे जिस ध-णीका नाम करणाके आपके बदल जिसने भरा होवे उसका नाम करणाके भरेसो जमा कीना पावती १ लिपदिनी.

मिसल तुमारे घरू

१॥ पातो १ श्री मम्बईपाते भाई गणेशदास ठाकुरदास सेती-
लेखो तुमारे घरुरुप्या.

०	०
१०००) नकलपान ५२ भादवा वदी १४ हुण्डी १ रतला	१०००) नकलपान ५० भादवा सुदी २ हुंडी १ ह्मा

मकी लेणी आई मगनी-
राम बभूतसिंघ उपर आ-
साढवदी८दीन५१ पीछे.
१२४५)नकलपान ५२ भादवा
वदी १३ हुंडी १रु१००० श्रीमंवईकी तुमारे खाते
तुमारे उपरा लपी डठा सूं
हमारी रापा मगनीराम
बभूतसिंघ पास भादवा
वदी १३थी दीन ४५ पीछे
१०००)नकलपान ५३ भादवा
सुदी६हुंडी १ रतलामकी
तुमारे खाते अजमेरसुं
हंसराजगंभीरचंद भेजी
धनरूपमल राजमल उ-
परा सावण सुदी १५ थी
दीन २१ पीछे.

३२४५

उपरालिखी तुमारी रापा
गणेशलाल सोभागमल-
पास आसाढ सुदी ११
थी दीन ५१ पीछे.
१२५६।)नकलपाना ५६ भाद-
वासुदी७हुंडी १रु १००)
श्रीमुम्बईकी तुमारे पा-
ते तुमाना भेजी गणेश-
लाल सोभागमल उपरा
भादवा सुदी ७ थी दीन
४५पीछे.
१२६५)नकलपान ५८ भादवा
सुदी७हुंडी१रु. १०००)
श्रीइंदोरकी तुमा हमा-
री नेसाणीकी किनी हं-
सराज मेघराज उपरा-
लिपी तुमारीरापा गणे-
शलाल सोभागमल
पास भादवासुदी ७ थी
दीन४५पीछे. प्रत २६।)
लेगया.

पातेर। धडमत ७५

३५२१।

मिसल हमारे घरु

१॥ पातो १ श्रीमम्बई पाते भाई गणेशदास ठाकुरदासको सेती लेपे हमारे घरु.

१०००) नकलपान ४१ मिती आसोज सुदी ९ हुंडी १ तुमारे उपर लिपी हमारी रापा गणेशदासकिसनाजीपास भादवा सुदी ९ थीदीन ४५ पीछे.

८००) नकलपान४४सावणवदी ९हुंडी १रु १०००) रतलाम की हमारे पाते लेणी भाई मगनीरामजी बभुतासिवजी उपर सावण वदी९थी दीन५१ पीछे.

७९६।) नकलपान४८सावणवदी १ हुंडी रु १०००) श्रीमंदसोरकी तुमा हमारे पाते भेजो गणेशदास पूनमचंद उपर सावणवदी १थी दीन ५१ पीछे

८००) नकलपान४२आपाढसुदी १५हुंडीरु १०००) रतलाम हमारी हमारे उपरा लिपी हमारेपाते तुमारी रापा गणेशलाल सोभागमल पास आसाढ सु० ५ थी दीन ५१पीछे प्रत ८०) लेपे चिट्ठी तुमारी आसाढ सुदी ७

१०००)नकलपान ४३ आसोजसुदी ९ हुंडी १ श्रीमुम्बईकी लेणी भेजी गणेशलाल सोभागमल उपर लपी मिती भादवा वदी ९ थी दिन ४५ पीछे

१०३५)नकलपान४५ सावणवदी१०हुंडी१ रु १०००) जेपुरकी तुमा हमारे पाते किनी गणेशदास ठा-

५००) नकलपान ५९ कार्ता वदी७ हुंडी १ रु. १०००) तुमारा उपरा लपी हमारी रापा गणेशदास किसनाजीपास भादवा सुदी ७ दीन ४५ पीछे जणमधे रु ५००) तुमागघरुं मांडा.

१०३२॥) नकलपान ४६ सावण सुदी १० हुंडी १ रु. १०००) की जेपुरकी तुमे हमारे पाते जेपुरना गणेशदास नारायणदासना भेजी सुपराम गंभीरमल उपर सावणसु० १० थी दीन५१ पीछे प्रत३।) कुरदास उपरां रापा नेणसुप मुलतानचंद पास सावणवदी १०थीदीन५१ पीछे प्रत १०३॥)

१०३५) नकल पान ४९ सावण सुदी१ हुंडी१ रु.१०००) जेपुरकी तुमाना वटाणी भेजी सुपराम गंभीरमल उपर लिपी सावण वदी१०थी दीन २१ पीछे प्रत १०३॥ तुम वटाई तीरा.

४००) नकलपान६१सावण सुदी १ हुंडी१रु.१०००) तुमारीलिपी सिकारी रापा गणेशदास सोभागमल पास सावण सुदी १ दीन ५१ पीछे जणमधे रु.५००) तुमारा घरु और रु.५००) हमारे घरु कराई सो प्रत ८० लेपे तुमारी चिट्ठी सावण सुदी १ सुं.

१॥ पातो १ श्री जेपुर पाते भाई गणेशदास नारायणदासका सेती लेपे हमारे घरु

०	०
१०००)नकलपान४९आसोज- वदी १ हुडी १ तुमारे उपरा हमारे पाते श्री मम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदासकी रापा नेण- सुप मुलतानचंद पास सावण वदी १ थी दीन ५१ पीछे.	१०००)नकलपान ४६ आसो) ज सुदी १ हुंडी १श्रीजैपु- रकी हमारे पाते मुम्ब- ईसूं गणेशदास ठाकुरदा- स भेजी सुपराम गंभीर मल उपरा लिपी मिती सावण सुदी १० थी दीन ५१ पीछे.

१॥ पातो १ मंदसोर पाते पेतसीदास गोविंदरामके सेती लेपे हमारे घरु

०	०
	१०००)नकलपान ४७ भादवा सुदी७हुंडी १ श्रीमंदसो- रकी लेणीभेजी गणेश दास पुनमचंद उपर सावण सुदी१थी दीन ५१ पीछे १०००)नकल पान ५६ भादवा सुदी१०हुंडी १ श्रीमंद- सोरकी लेणी भेजी गणे- शदास पुनमचंद भादवा वदी १ थी दीन५ पीछे.

१॥ पातो १ श्रीइंदोरषाते हंसराज मेघराजको सेती हमारे घरु.

०	०
१०००) नकल पान ५८ काती वदी ७ तुमार उपर लिपी हमारे पाते बम्बई सूं गणेशदास ठाकुरदासकी रापा गणेशलाल सोभागमल पास भादवा सुदी७थी दीन ४५ पीछे.	

मिसल देशावरु तुमारे घरु.

१॥ पातो १ श्रीमम्बईषाते भाई गणेशदास ठाकुरदास तुमारे घरु.

०	०
३२७५) घडी १जमाकोप्रत७१ सूलाया	३५२१।) घडी १लेपेके प्रत७१ सूलाया.
१२६५) नकल पान ५५भादवा सुदी७हुंडी रु. १०००) श्रीमम्बई री तुमारी पाते श्रीइदोरसूं हंसराज मेघराज भेजी सुरतरामरायभाण उपरा भादवा वदी १ थी दीन ५१ प्रत २६॥) गई मिती.	५००) नकलपान ६१ आसो वदी६हुंडी१रु. १०००) तुमारी लीपी सिकारी रापा गणेशलाल सोभागमल पास सावण सुदी १ दीन ५१ पीछे जण

१॥ पातो १ धनरुपमल गजमलको.

~	~
१०००) रोकड पान८३भादवा सुदी ७	१०००) नकल पान५३भादवा सुदी ६

१॥ पातो १ शिवलाल मोतीलालको सेती

~	~
१२६५॥=) रोकड पान८४भादवा सुदी ७	१२६५॥=) नकल पान५४भादवा सुदी ७

१॥ पातो १ गणेशदास किसनाजीको सेती लेपा.

~	~
३५०१।) रोकड पान८४भादवा	१२५०) नकल पान४०भादवा वदी)
२२५०)	
वदी ९ भादवा सुदी ७	१२५१।) नकल पान५१भादवा सुदी ७
१२५१।)	
	१०००) रोकड पान ८३ भादवा वदी १४

१॥ पातो १ वगसीराम मंगलचंदको सेती

~	~
८५३२॥=॥) रोकड पान ९०	५५०५।) नकल पान६९काती सुदी १
३०२७=) सावणसुदी १५	३०२७=) नकल पान६७सावण सुदी ५
५५०५।)॥ काती सुदी १	८५३२॥=॥)

१॥ षातो १ ठाकुरसी तेजपाल.

~	~
५००) नकल पान६२आसोज वदी ६	५००) रोकड पान८४आसोज वदी ६

१॥ पातो १ ठाकुरसी उदेरामको सेती लेषी.

~	~
२९८३॥)रोकड पान८९सावण सुदी १५	२९८३॥) नकल पान६६साव-ण सुदी ५

१॥ पातो १ नेमाजी पेमराजको सेती लेषो.

~	~
५००) नकल पान६२आसोज वदी ६	५००) रोकड पान८४आसोज वदी ६

मिसलषरच वगैरेके षाताकी

१॥ पातो १ श्री वीरध.

~	~
२॥) रोकडा पान ८९	१।) रोकड पान८६परच पातेर
	८६।)रोकडपान ८६ बीसीपरचका

१॥ पातो १ श्री हुडावण सेती.

~	~
नकल पान मेळ दीन १९ को	नकल मेल दीन १९ को
२५०) नकल पान ४१	२००) नकल पान ४२
२००) नकल पान ४४	२५०) नकल पान ४३
३५) नकल पान ५४	३२।) नकल पान ४७
२०३॥।) नकल पान ४८	
१।) नकल पान ५२	

॥=)नकल पान ५५	२६५)नकल पान ४९
३॥।)गकल पान ५६	१००)नकल पान ६२
१।)नकल पान ५७	८४७॥)
२६५)नकल पान ५८	
१२६।)नकल पान ६०	
३५)नकल पान ४९	
१०८६॥।=	
१) रोकड पान ८६	

१॥ पातो १ आफीमको परच.

~	~
५९॥=)नकल पान ६४	३७।) रोकड पान ८४
२=॥।) नकल पान ६६	
३।) नकल पान ६८	
६५)॥।	

१॥ पातो १ श्रीआडत सेती

~	~
३९-॥) नकल पान ६६	
४७-॥) नकल पान ६८	

१॥ पातो १ श्रीदलाली सेती

~	~
५॥।) नकल पान ६६	
८॥-) नकल पान ६८	

१॥ षातो १ श्रीहासल सेती

०	०
४१।) नकल पान ६६	६८॥।) रोकड पान ८५
४९॥) नकल पान ६८	
९०॥।)	

१॥ षातो १ श्रीधरमादायसेती

०	०
१।=।) नकल पान ६६	
२=) नकल पान ६८	१) रोकड पान ८६

१ षाता १ श्रीसकराई परपाईसेती.

०	०

१॥ विगत कच्ची रोकड उतारणी जणोकी.

पेलां तो श्रीपरमेसरजीको नाम देणो पीछे मेलजणी मितीसू सुरू करणो और जहांतक मेल होवे वो करणो जितरा दीनाको मेल होवे सो करणो.

श्रीपरमेसरजी.

श्रीमहालक्ष्मीजी साहेछे संमत १९२९ मिती भादवा सुदी १ मूं लगाईने मिती भादवा सुदी १५ सूधो मेल दीन १५ को कच्ची रोकडको छ लाभ सुप घणो होईजो.

०	०
१। श्रीमहालक्ष्मीजी भंडारभरपूरहो.	१३००)भाईमगनीरामजी बभूतसिंघजीके लेपे सा-

२११०१) श्रीपोतेबाकी
१२४६।) भाई मगनीरामजी वभुतसिंघजीका जमा मिती भादवा वदी १३ रोकडा आया सो जमा किना पाना ७८
१२४६। रोकडा हस्ते रामरुप.
१०००) भाई मगनीरामजी भवुतसिघजीका जमाभादवा वदी १४ रोकडा परपरा गणेशदास किसनाजीना परपाया सो तुमारा जमा कीना पाना ७८
१०००) परप गणेशदास किसनाजीके लेपे.
२२५०) भाई गणेशदास किसनाजीका जमा भादवा वदी ९ रोकडा आया सो जमा कीनां हस्ते नयालजी- पाना.७९
२२५०) रोकडा परपरा
१०००) धनरूपमलराजमलका जमा भादवा सुदी ७ रोकडा वण वदी १० रोकडा दीना सो मांडा पाना ७८

१३००) रोकडा हस्ते रामरुप.
१२५०) भाई मगनीरामजी वभुतसिंघजीके लेपे मिती भादवा वदी ९ रोकडा दीना सो मांडा पाना ७८
१२५०) रोकडा परपरा तुमारेवती सीवलाल मोतीलाल परपाया हस्ते रामरुप.
१०००) भाई गणेशदास किसनाजीके लेपे भादवा वदी १४ परपरा मगनीराम वभुतसिंघपासे दररीस मांडा पाना ७९
१०००) परपरा मगनीरामवभुतसिघजीकाजमा.
१०००) भाई मगनीरामजीवभुतसिघके लेपे भादवा वदी ११ रोकडा दीना सो मांडा पाना ७८
१०००) रोकडाहस्ते रामरुप

कडा आया सो जमा की
ना, पाना ७९
१०००) रोकडा परपरा.
१२६५॥=) सिवलाल मोती-
लालका जमा भादवासुदी
७ रोकडा आया सो जमा
कीना पाना ७९
१२६५) रोकडा तुमारे-
वती ठाकुरसी
उदेराम पर-
पाया.
॥=) रोकडा
हस्तेनरसिग.
१०००)भाई मगनीरामजी बभु-
तसिघजीका जमा भादवा
सुदी १५ रोकडा आया
सो जमा कीना.
१०००) रोकडा परपरा
हस्ते रामरप पाना ७८
१२५१।) गणेशदास क्रिसना
जीका जमा भादवा सुदी
७ रोकडा आया सो
जमा कीना हस्ते दलसु
पजी पाना ७९
१२५१।)रोकडा परपरा

५००)ठाकुरसी तेजपालके
० लेपे मिती आसोज वदी६
रोकडा दिना सो मांडा
पाना ८०.
५००) रोकडा हस्ते
लछाराम.
१०००) मगनीरामबभुतासिंघ-
जीके लेपे भादवासुदी७रो
कडा दीना सो मांडा
पाना ७८.
१०००)रोकडाहस्ते लछीराम-
५००)नेमाजी खेमराजके लेपे
०। आसोज वदी ६ रोकडा
दीना सो मांडा हस्ते पुद
पाना ८०)
५००)रोकडा सोनारकी
परपरा दीना.
१२५५)मगनीरामजी बभुतसिं-
घजीके लेपे भादवा
सुदी ७ रोकडा दीना सो
मांडा पाना. ७८)
१२५५) रोकडा हस्ते
रामरप.
३७।) श्री आफीमकी परचपाते
लेपे भादवा वदी १ रोकडादी-

३०२७।=)व्रगसीराम मंगलचंद
का जमा सावण सुदी १९
रोकडा आया सो जमा-
कीना हस्ते हिरासरावगी.
पाना ७९
२९८३॥) ठाकुरसी उदेरामका
०। जमा सावण सुदी १९
रोकडा आया सो जमा
कीना हस्ते पुनाजी. पा.
ना ८०
२९८३॥० रोकडासोना-
रकी परपरा
५५०५।)व्रगसीराममंगलचंदका
०। जमा काती सुदी १
रोकडा आया सो जमा
कीना पाना ७९
५५०५।)॥रोकडा था
सोनारकी पर
परा हस्ते
हिरासरावगी
२॥)श्रीवटेपाते जमा भादवाव-
०। दी५रु २००)व्रजार चलण
लाया सो परपरा दीना
जणेका वटे रापा पाना८०
१००)श्रीतालपाते भाई रामा-
जी काळूरामका जमा ह-
ना हस्ते हमाल वासी
पाना ८१
६ तेलमण, १ असलका प्रत ६
१।) पालीपीसी मण१प्रत १९
५ पाल आषी माणी १
२५ बंधाई तथा केराई तथा
परचुरण मजुरी तथा थेलाउ-
तराईका चुकता भादवावदी
१४ हस्ते हमाल वासी.

३७।)

६८॥)श्रीहासलपाते लेषे साव-
ण सुदी ११चीकमण५९
का हमालका थेला ११
का मग्कारमधे दीना प्रत
।१।) मण १ पाना ८२
६८॥) रोकडा हस्ते
भागीरथ.
१००००)श्री तालपाते गमाजी
काळूरामके लेषे तुमा-
रे वरु भादवासुदी ११
हुडी १ हमारे उपग
लषी तुमारी रापा पुन-
मचंद दीपचंदपास भा-
दवा वदी १ मं दीन ११
पीछे माहायोग रु. हुं-

मारे घरु सावणसुदी १५ चिट्ठी १तुमारा उपर कीनी जणीका सोनार जसराज नादेवाया सो तुमारा जमा कीना पान ७८ लपीसावणसुदी १४.

१०१)रोकडाराषावाला धणीका आया.

----

१)बाद श्री हुंडावणषाते

१००)बाकी परा

१) श्रीहुंडावणषाते जमासावणसुदी १५चिट्ठीरु.१००)ता लकीकीनी जणीकाजमा-कीनी पान ८१.

२९०००)२३००) ३००)३१)२॥।)

४१६३३॥।)॥

४१६३३॥।)॥।

डी चलणका रोकडा दीना सो मांडा.

१०००)रोकडा मगनीरामजी बखुतसिंघजीनादे वाया सो जमा मांडा हस्ते रामरष.

१)श्रीधरमादेपातेलिषीमितीभादवासुदी १ना दीना.पाना८२

१। श्रीषरचषाते लेषे भादवासुदी २ साईको मसालो तथा काजल आई जणकी दीना हस्ते भगरा. पान ८०

१) रोकडा दीना.

८६।)श्रीवीसीपरचषातेलेषे भादवासुदी २ पान ८०

२१) गंहु मणी १)

२१)घीरत मण १)

२१मुंग तथा चावल.

५)मिरच मसाला वगैरे परचुण.

२।) गाडा लकडको.

५ गुड मण १)

११)षांड मण १)

१६०००)१७००) २७०) ८)१॥

१०९७९

	२३६३४।)॥ श्रीपातेबाकी.
	२२०००) रोकडतोडा नग ११
	१६३०) रोकडी थेली १
	४।)॥ रोकडाटका.
	२३६३४।)॥
	४१२२३॥)॥
	४१६२३॥)॥

श्रीः ।

१॥ विगत पकी रोकड उतारणी जणी कीके कची रोकडमे जुमले लगावे जूं पकीमे पण लगादेणो ओर लेपे एक पान उपर कची रोकडकी पतानी करलेणी एक धणीकी दो कलमआवे तो एक पेटमें उतारणी न्यारी न्यारी नही उतारणी फेर जोड लगाके मेल कची पकी रोकडको वरप मिलाय देणो ओर देसावर तथा वजारकी रकम पेला उतारणी षरच की रकम सवके नीचे उतारणी

॥ श्रीपरमेसरजी ॥

१॥ श्रीमहालक्ष्मीजीको भांडारभरपुर होईजो सम्वत १९२१ भादवा सुदी १ सूं सुदी १५ सुधोमेल पकी रोकडको दीन १५ को छै लाभ सुप धणो होईजो.

२१००१) श्रीपातेवाकी
३२४६।)मगनीरामजीबभुतसिं-
० घजीका जमा पाना ७८
१२१६।) रोकड पान ८३
भादवा वदी १३
१२४६।) रोकडहस्ते
रामरप.
२०००) रोकडपान ८३
भादवा वदी १४
रोकड तुमारे ब-
दले गणेशदा-
स कीसनाजी प-
रपाया सो जमा
कीना.
१०००) परपा-
यागणेशदा-
स कीसनाजी
रालेपा
१०००) रोकड
पान ८४ भा-

५८०५) मगनीरामजी बभुतसिं-
घजीके लेपे रोकडा दीना
सो नांवे मांडा हस्ते रा-
मरप. पाना ७८
२५५०) रोकडपान८२
१३००) सावण सुदी १०
१२५०) भादवा वदी ९
रोकडपान ८३
२५५०
१०००) भादवावदी ११
१०००) भादवा सुदी २
१२५५) रोकड पान ८४
भादवा सुदी ७
१०००)गणेशदास किसनाजीके
लेपे रोकड पाना ८३ मि
ती पाना भदवा वदी १४
रोकड तुमारे बदलेमगनी
राम बभुतसिघना दीना
सो मांडा
१०००)परपाया मगना

दवा सुदी १५ रोकडा आया सो.

१०००) रोकडहस्ते रामरष

३२४६ ।)

३५०१ ।)गणेशदासकिसनाजी का जमा रोकड आया सो जमा कीना पाना ७९.

२२५०) रोकडपान ८३ भादवा वदी ९ रोकडा हस्ते नवलजी.

२२५०)रोकडा

१२५१)रोकडा पान ८४ भादवा सुदी ७ रोकड आया सो हस्ते दलसुपजी.

१२५१।)रोकडा

३५०१।)

१०००)धनरूपमल राजमलको जमापान७९रोकड पाना ६६भादवासुदी ६रोकडा आया सो जमा कीना

१०००)रोकडा परपरा

१२६५॥=) सिवलाल मोतीला ०। लका जमा रोकड पा-

रामजी वखुतसिंघजीके जमा.

५०००)ठाकुरसीतेजपालके लेपे रोकडपान ८४ आसोज वदी ६ रोकड दीना सो मांडा.

५००) रोकड हस्ते लछीराम.

५००) नेमाजी पेमराजके लेपे ० रोकडपान८४ आसोज वदी ६ रोकडा दीना सो मांडा हस्ते पुद्द

५००) रोकडा परपरा

१००००) श्रीतालपाते रामाजी कालूरामके लेपे तुमारे घरु रोकड पाना ८५ हुंडी १ हमारे उपरा लपी तुमारी रापा पुनमचंदपास भादवा वदी १ थी ११ पीछे साहजोग रु. हुडी चलणका„पान ७७

१००००)रोकड मगनीरामजी वभूतसिंघजीना दीना सो तुमारे

ना ७९ भादवा सुदी ७ रोकडा आया सो जमा कीना हस्ते नरसिंग.

१२६९॥=)रोकडातुमारावतीठाकुरसी उदोराम परपाया१२६९॥=)रोकड

१२६९॥=)

८९३२॥=॥)वगसीराममंगलचंदके लेपा रोकडपान ७९ रोकडा आया सो जमा कीना हस्ते हीरासरावगी पाना ७९

३०२७।=)सावणसुदी १९ रोकड पान ८९

५९०५)॥ कार्ती सु- १ रोकडा पान ८९

८९३२॥=॥)

२९८३॥)ठाकुरसी उदेरामकाजमा रोकडपाना८९ सावण सुदी १९ रोकडा आया सो जमा कीना हस्ते पुनो प्रत १२७

२९८३॥)रोकडापरपरा

१००) श्रीतालपातेरामजी कालू

नाव मांडा ह
रामरप कोठा

३७॥)श्रीआफीमके परच प
लेषे नकल पान ८१ भ
वा सुदी१०रोकडा रव
आई जणीकाहस्ते हम
पासी

६।) तेल असलको मण
१।) पालीपासी मण १
५) पाली आपी माणी
२५)हमालीके वंधाई फे
तथा परचुरण हमाल
दानगीयाका.

३७=)

६८॥।)श्रीहासलपातेलेपेरोक
०। पान ८९सावण सुदी १
चीक मण५९के हास
का सरकार पाना८२
चव्रुतरेवालाना दीना
स्ते भागीरथजी

१।)श्रीपरचपाते लेपे रोक
०। पाना८६भादवा सुदी
साहीको मसालो आय
तथा काजल आयो ज
णीका दीन सो मांडा ह
स्ते भगीरथ.

रामकाजमाहमारे घरु रोकड पान८९सावणसुदी १५चिट्ठी तमारे उपरा लपी हमारी राषा सोनारजसराज पास चिट्ठीलपी सावणसुदी १४ थी दीन१पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणराषा पान ७८ १०१) रोकडा राषावाला धणी पासे आया.

---

१) बादश्रीहुंडावणपातेजमा
१००) बाकी सरे
२॥)श्रीबटाव पाते जमा रोकड पान ८० भादवा वदी ५ रु. २००)बजार चलणी नाजणी का वटेकामत १।) लेपे पानो ८०
१) श्रीहुंडावणखाते जमा रोकडपान ८६ सावण सुदी १५ हुंडी रु १००)श्रीनकलकी कीनी जणीकी हुंडावणका
३९०००) २४००) २१०)

---

२१)२॥।) ॥

४१६२३॥।)॥

४१६२३॥।)॥

८६।) श्रीवीसापरचपाते लेषे. रोकडपाना ८६ भादवा सुदी २
४२) गेहूं माणी १) २१
वीरतमण १) २१
२१) मुंग तथा चावल ॥) ॥)
१०) वेसवार सरब ५)
गुड मण १) ५)
११ पांड मण १
२। लकडीकी गाडी १

८६।)
१ श्रीधरमादेपातेलपे रोकडपान
।० ८६ भादवा सुदी १

१६०००) १८००) १७०)
२८) १॥)

१७९९९॥)
१२६२४।)॥ श्रीपोते बाकी

४१६२३॥।)॥

४१६२३॥।)॥

विगत हिसाब देशावरना तुमारे घरु भेजा जणीमें हिसाब षरच लगावणो जणीकी विगत.



आडत जणेकी लगाणीके जमा चात्र लेपेके जोडा पाताकी होवे जणी माहे षणी जोड होवे उणीका प्रत=) सेकडा १ लारे लगाणो और जुनी बाकीकी रकम उण जोडकी आडत लगाणी जणी माहे सूं बाद करणी. बाकी आडत लगाणी और कोई जिनसकी रकमबी जोडमाह आवे तो आडत लगाणी नहीं; कारण के उणी रकम माहे तोबी किवा परीदे उणी वपत प्रत ॥) सेकडेकी लग जावे छे. सो पण जोडमे बाद करणी बाकी रहे उसीकी लगाणी.

सकराई प्रत।-) हजारकी लारे लगाणीके जो हुंडी देशावरकी लपी सिकारा जणीकी हिसाबमाह लगाणी.

परपाई प्रत=॥) हजार एक लारे लगाणा जमा पासेकी जोड आवे उणाकी लगाणी जुनी बाकी जमाकी जोडमें आय जावे तो बाद कर बाकी जमा रु होवे उणीकी लगाणी

दलाली प्रत।-) हजार १ लेपे लगाणीके ईस रकमकी लगाणीके हुंडी परीद भेजा तथा उणीके पाते करा जणीकी.

चिट्ठीकी सुषडी साल भरके पातेमें काम पडा होवे सो

ेषकर अंदाजसे लगाणी इसका सुमार छे नही काम मुजब लगाणी.

और व्याज ज्यो व्याज बहीमें आंक आवे उणाको प्रत ॥ ॥ सेकडा एकलारे लेणो वादेणा साहुकारी बाकी बोलतावणे णमुजब जोडनो.

इस तरेहसे देशावरना हिसाब भेजणो जणीको परच इस तरेहसे लगाणो और इस तरेहसे देशावरवाले हिसाब भेजे सो कापणो पातेमे मीलालेणो परच पण इस तरेहसे मिलायके जो उपर लिखी जीसी तरेहसे जाच लेणो भूलसे जादा लगा- यलीनो होवे तो भूललिपणी और देसांवरवालो जितनी रकम पातेमें भरेने बाकी काटनेमे ले उणी मुजब काटणी जोके नवे सालमें मुजरे लेवे तो आपणे पातेमे रेत काटणी जितनी बाकी देशावरवालो काटे उणे मुजब आपापण काटलेणी

कायदो सराफकीजन कोईणे मुजब.

साहुकार लोक आडता देशावराकी करे जणे कोईणी मुजब छे. सो साहुकार कोई सयेलके माफक चलना चाहिये.

१ आडतीयेको माल बंधावे जणेमें जल जोपाम आस मानी पेमाली माल बंधावणवाले आडतीयेकी छे. साहुकार सुदावो नहीं जो आडतीयो दावो करे तो झुटा छे.

२ आडतीयेके पाते हुंडी परीद कर भेजे जणीमे गपा आडतीये का कराणा मारफत आपणी कराणी कदास सीधो पुरजो मोल लेके भेजे तो बेचाण आडतीयेके नामकी कराणी. मारफत याके साहुकार परीदणेवालेकी कराणी नहीं. करावे तो आसामी कचींपकीकी जोपमे आपणी रहगा.

३ हुंडी साहाजोग सिकारणीके जो पेठपर पेठ और सनं दाको जबाब देवे जणे जोगसिकारणी और कची आसा मी जोग सिकारणी नहीं.

४ कोई जालसाद हुंडी लावे तो विना साहाजोग सिकारणी नहीं. आसामी येसी देपणीके जिसके घरमें रु. १०००) की ऐवज होवे उसधणी जोग हुंडी रु. १००) की सिका- रणी जादा सिकारणी नही.

५ देशावरना हिसाव तुमारे घरु काती सुदी १ संमत १९२९ सुधो उतार भेजणो जणेकेपुटे उपर आडी आल पेचके इणी मुजब विगत करणीके हिसाब तुमारे घरु जिस मि- तीतक होवे उसीतकका करणो फेरसार लेणा तपासने जमा परच कीनो लष जो रुप्या हमारा लेणा छे सो तुमा षण देणा काटलीजो.

और हुंडी कोये नईण मुजब साहुकार- कू चाहिये:

१ हुडी या मोललेके देशावरना भेजी विचमें डाक माहे

सूं जालसाजने हुंडी चोरके देशावरमधे धोका देके सिकरावलिनी तो हुंडी बेचनेवाला धणीके तो साह जोगकी भरपाई बतावे नही तो पेठपर पेठ वहृ सनद देवे वो सनद नही मिकारे तो फेर बेचनेवालो रुप्या देवे

और हुँडी पिछी आवे जणेको सरस्तो सबसेरांमे साहुकारके इणे मुजब छ.

१ व्याज प्रत ॥। सेकडाको लेणो.

२ हुंडी जिस दीन पीछी आवे उणी वपतको भावसरे आसामीको होवे सो लेणा और जिस भावमें ली उसे कमी भाव बजारमें होवे तो जिस भाव ली उणमुजब रुप्या लेणा.

३ नकराई सिकराई इणी मुजब लेणेके जो हुडीकी मुदत दीन २ सूं दीन २१ तक तो रु. १) सेकडा लार लगाणो और ईकिसदीन सूं मुदत जादा होवे तो रु. २) लगाणा

४ और आगे सरकारी टपा नहीथा जब हुंडी पिछी आती जब बेचनेवालेसे कासीदीका जितना लगता जितनी लिया जाता वो अब सरकारी डाक होनेसे टपेका महसुल देपकर लेना अंदाजसे ये सिरस्ता कासीदीका है.

। विगत रोजनामो उतारणे कीके पेलां तो रोजनामाको मेल लगाणो जणेके उपर श्रीपरमेश्वरजीको नामो देणो वो मेल जितना दीनाको नकलमें होवे उतना दीनाको करणो रोजनामो उतारणो जदी नकल तथा कचो पातो कने रापणो और पेसतर पातेमें रमक देपलेणीके इसमेलमें इणी धणीकी रकम प्रत इतनेसे लगाईने इतनेतक जिस धणीकी रकम होवे सो एक पेठे उतारणी और उपर चाव जमा चावे लेपो उतारो जठे सारी विगत नकल मुजब करणी और पेटेमें जमा चावे लेपे बलतामांडणा जठे कुछ विगत करणी नही. देशावरका पेटमे जमा लेपो होवे तो फकत तुमारे तथा हमारे घरु करणा और कुछ करणा नही. पेला पेल चावं देशावर तथा बजारकी रकम उतारणी पीछे परच वगेरेकी रकम उतारणी पीछे रोजनामेकी जोडा लगाणी फकत हुंडावण जोडो लगायने मेल मिलाया पीछे उतारणी. जोडा जमा चावे लेपेकी लगाय उणीको नीचे हुंडावण उतारणा. फेर बरावर जोड लगाय मेल रोजनामेको मिलाय देणी इसीतरेसे नकलको मेल रोजनामेमें उतारणो फेर उणी मेलका दांडा देने उणीके नीचे करको मेल उतारणो पक्की रोकड मुजब पातो पण पास रापणो सो पातेवालेकी तथा नकल रोकड़ वालेकी भूल होवे तो निकल जावे.

श्रीपरमेश्वरजी.



१॥ श्रीगणेशजी साहेछे श्रीमहालक्ष्मीजीको भंडारभरपूर हो. ईजो संमत् १९२९ मिती भादवा सुदी १ सुं लगायेने मिती भादवा सुदी १५ सुधोमेल·नकल जमा परच रोकडको छे लाभ सुप घणो होईजो.

~

४१२८॥।) श्रीमम्बईपाते भाई गणेशदास ठाकुरदासका जमा हमारे घरु साहा जोग रु. हुंडी चलणका.

१०००) नकल पाना४० आसौज सुदी ९ हुंडी १ तुमारे उपरलीपी ईठासूं हमारी रापा गणेशदास किसानजीपास भादवा वदी ९ थी दीन ४५ पींछे

१०००) गणेशदास किसनाजीके लेपे.

८००) नकलपाना ४४ सावण वदी९हुंडी१ रु १०००) श्रीरतलामकी हमारे पाते तुमा भेजी मगनीरामजी वभुतासिंहजी

~

२५०१। भाईगणेशदास किसनाजीके लेपेहुंडीरु.२०००) श्रीमम्बईकी तुमाना दीनी गणेशदास ठाकुरदास उपरलिपी इठासुं हमा रापा तुमारे पासथी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका.

१२५०) नकलपान४०भादवा वदी ९ प्रत २५

१०००) श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा हमारे घरु.

२५०)श्री हुंडावणपातेजमा.

उपरा लपी श्रीमम्बइंसूं गणेशलाल सोभागमलकी रापा हमारे पास मारफत तुमारी सावण वदी ९थी दीन ५१ पीछे प्रत ८०॥ लेपे चिठ्ठी तुमारी सावणवदी १० सूं
८०० ॥ मगनीरामजी वभुतासिंवजीके लेषे.

१०३२॥॥नकलपान४६सावण सुदी१०हुंडी१रु.१००० श्रीजैपूरकी तुमा हमारे पाते श्रीजेपूरना गणेशदास नारायणदास ना भेजी सुपरामगंभीरमल उपर लिपी श्रीमम्बईसूं गणेशलाल सोभागमलकी रापा तुमारे पास सावणसुदी१० थी दीन ५१ पीछे प्रत ३। लेपे चिठ्ठी तुमारी सावण सुदी ११
१०००॥श्री जेपूर पाते भाई गणेशदा-

१२५१॥॥नकलपान५९भादवा सुदी७हुंडी १लीपी मिती भादवासुदी ७प्रत२५=॥
५००॥ श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासके जमा हमारे घरु.
६२५॥ श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा हमारे घरु.
१२६।॥ श्रीहुंडावणपाते जमा.
२५०१।

४२७०॥श्रीमम्बईपाते भाईगणेशदास ठाकुरदासके लेपे हमारे घरु साहाजोग रु. हुंडी चलणका.
८००॥ नकलपान ४२ आषाढ सुदी१५ हुंडी१रु१०००॥ श्रीरतलामकी हमारे उपरा लपी हमारे पाते श्रीमम्बईसूं तुमारी ग-

स नारायणदास
के लेपे हमारे
घरु
३२॥) श्रीहुंडावण पाते
लेपे.
७९६।) नकलपाना४७
सावण. सुदी १
हुंडी १रु.१०००)
श्रीमन्दसोरकी ह
मारे पाते तुमाभे-
जी गणेशदास पु-
नमचंद उपर लि-
पी श्रीमम्बईसूं
गणेशलाल सो
भागमलकी रापा
हमारे पास मा-
रफत तमारी सा-
वणवदी १ दीन
६१ पीछे साहा
जोग रु हुडी
चलणका प्रत
७९॥=) चिट्ठी
तुमारी सावणव-
दी २ सू
७९६।) श्रीमदसोरपाते

पा गणेशलाल
सोभागमल पास
आसाढ सुदी ९थी
दीन ६१ पीछे प्र-
त ८० लेपे.
८००) मगनीराम
जी वभुत-
सिंवजी-
का जमा.
१०००)नकल पाना४३
आसोज सुदी९हुं-
डी १श्रीमुम्बईकी
लेणी भेजी गणेश-
लाल सोभागमल
उपरलिपी ईठासूं
मगनीराम वभुत-
सिंवजी रापा ह-
मारे पास भादवा
सुदी९थी दीन४९
पीछे
१०००)मगनीरा-
मजी वभु-
तसिंवजी-
का जमा-
१०२९)नकलपान ४९ सा

पेतसीदास गोविंदरामके लेपे हमारे घरु.

५००) नकल पाना ५९ काती वदी७हुंडी १ तुमारे उपराल पी ईठासूं हमारी रापा गणेशदास किसनाजी पास भादवा सुदी७थी दीन ४५ पीछे जीमे हुंडी १ रु. १०००)मधे रु. ५००) तुमारे घरु मांडा.

५००) गणेशदास किसनाजीके लेपे

४१२८॥)

५८०५)भाई मगनीरामजी बषुतसिंघजीका जमा साहाजोग रु. हुंडी चलणका १०००) नकलपान ४१ भादवा वदी ११ हुंडी १ हमारे उप

वणसुदी १०हुंडी १ रु. १०००) जेपूरकी गणेशदास नारायणदास उपरा लपी हमारे पाते तुमारा रापा नेणसुप मुलतानचंद पास सावण वदी १० थी दीन २१ पीछे प्रत१०३॥) लेपे चिट्ठी तुमारी सावण वदी ११ सूं १०००)श्रीजैपुर पाते भाई गणेशदास नारायणदासका जमा हमारे घरु.

२५)श्रीहुंडावणपातेजमा.

१०२५) नकलपान४६सा-

रा लिषी श्रीसु-
म्बईसूं गणेश-
दास ठाकुरदास
की रापा गणेश-
लाल सोभागमल
पास आसाढ
सुदी १५ थी
दीन ५१ पीछे.
८००) श्रीसुम्बई पाते
गणेशदास ठाकुर
दासके लेपे हमारे
घरू
२००) श्री हुंडावण पाते
लेपे
१२५०) नकल पान ४२
भादवावदी ९ हुंडी
१ रु १०००) श्री
सुम्बईकी तुमारी
लीनी गणेशलाल
सोभागमल उप-
रालिपी ईठासूं
तुमारी रापा हमा-
रे पास भादवा
वदी ९ थी दीन
४५ पीछे प्रत
२५) लेपे

वणसुदी १ हुंडी
१ रु. १०००)
श्रीजेपुरकी वटाणी
भेजी सुपराम
गंभीरमल उपरा-
लपी ईठासूं मगनी-
रामजी वभुतसिं-
घजीकी रापा
हमारे पास सावण
वदी १० थी दीन
२१ पीछे प्रत ३ ॥
लेपे तुमारी चिट्ठी
सावण सुदी १
सूं नावे मांडा
१०३५) भाई मगनीराम-
जी वभुतसिंघ
जीका जमा.
४००) नकलपाना ६१ सावण
सुदी १ हुंडी १ रु.
१०००) श्रीरत-
लामकी हमारे
उपरालिपी तुमारी
रापा गणेशलाल
सोभागमल पास
सावण सुदी १ थी
दीन ५१ पीछे जणे

१०००) श्रीमुम्बईपाते गणेशदास ठाकुरदास के लेपे हमारे घरु.
२५०) श्रीहुंडावणपाते लेपे
१३००) नकलपाना४८ श्रावण वदी १० हुंडी १ रु. १०००) जेपूरकीतुमारी लिषी ईठासुं तुमारी रापा हमारे पास सावण वदी १० थी दीन २१ छे प्रत ३०) लेपे.
१०२५) श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासके लेपे. हमारे घरु.
२६५) श्रीहुंडावणखाते लेपे-
१०००) नकलपान ५० भादवासुदी २ हुंडी १ हमारे उपरा लीपी श्रीमम्बईसूं

मधे हुंडी रु. ५००), हमारे घरु प्रत ८० लेपे तुमारे कीनी सो चिट्ठी तुमारी सावण सुदी १ सूं जमापरच कीना.
४००) ठाकुरसी तेजपालका जमा.

४२७०
३२४६।) भाई मगनीरामजी बभुतसिंघजीके लेपे साहाजोग रु हुंडी चलणका.
१०००) नकलपाना ४३ भादवा सुदी १५ हुंडी १ तुमारे उपरा लिपी श्री मम्बईसूं गणेशलाल सोभागमलकी रापा हमारे पास मारफत गणेशदास ठाकुरदासकी साव-

गणेशदास ठाकु-
रदासकी रापा ग-
णेशलाल सोभा-
गमल पास आ-
षाढसुदी १५ थी
दीन ५१ पीछे.
१०००) श्रीमम्बई पाते गणेश-
दास ठाकुरदा-
सके लेपे तुमारे
घरु
१२५५) नकलपान५६ भादवा
सुदी७ हुंडी१रु १०००
मम्बईकी तुमारी लीनी
गणेशलाल सोभागमल
उपरा लिपी ईठासूंतुमारी
रापा हमारे पास मिती
भादवासुदी७ थी दीन४५
पीछे प्रत २५॥ लेपे
१२५५श्रीमम्बईपाते ग-
णेशदासठाकुरदा-
सके लेपेतुमारेघरु

५८०५)
५१३५) श्रीमम्बईपाते भाईगणे-
शदास ठाकुरदासका ज-
मा तुमारे घरु साह्राजो-

ण वदी ९ दीन
५१ पीछे
८००) श्रीमु-
म्बई पा-
ते गणे-
शदासठा-
कुरदास-
का जमा
हमारे
घरु.
२००) श्रीहुंडा-
वणपाते जमा.
१२४६।) नकलपाना५१ भादवा
वदी१३हुंडी१रु.१०००)
श्रीमुम्बईकी तुमाना
दीनी गणेशदास ठाकुर-
दास उपरा लिपा ईठा-
सू हमारी रापा तुमा
पास भादवा वदी १३
थी दीन४५पीछे. प्रत
२४॥=) लेपे.
१२४५) श्रीमम्बई पाते
गणेशदास ठा-
कुरदासका जमा
तुमारे घरु.

ग रु. हुंडी चलणका.

१०००) नकलपाना ५२ भादवा वदी १४ हुंडी १ श्रीरतलाम कीलेणीआई मगनीराम बभुतसिंघ उपरालिपी श्रीबम्बईसूं गणेशलाल सोभागमलकी रापा तुमारे पास आसाढवदी ८ थी दीन ५१) पीछे.

१०००) मगनीराम बभुतसिंघजीके लेपे

२४५) नकलपाना ५१ भादवा वदी १२ हुंडी १ रु. १००० मम्बईकी तुमारे पाते तुमारे उपर लिपी ईठासूं हमारी रापा मगनीराम बभुतासिंघ पास भादवा-वदी १२ थी दीन ४५ पीछे प्रत २४॥) लेपे.

१२४५) मगनीरामबभुतसिंघजीके लेपे

१०००) नकलपाना ५२ भादवा-सुदी ६ हुंडी १ श्रीरतलामकी तुमारे पाते श्रीअजमेरसूं हंसराज गंभीरचंद भजी धनरुपमल वागमलउप

११) श्री हुंडावणपाते जमा.

१०००) नकलपान ५२ भादवा वदी १४ हुंडी १ तुमारे उपरा लीपी श्री मुम्बईसूं गणेशलाल सोभागमल की रापा गणेशदास ठाकुरदास पास आषाढ वदी ८ थी दीन ५१ पीछे

१०००) श्रीमम्बईपाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा तुमारे घरु.

३२४६।)

१०००।) श्री जैपुरपाते भाईगणेशदास नारायणदासके लेपे हमारे घरु नकलपाना ४६ असोज सुदी १ हुंडी १ श्री जैपुरकी हमारे पा

रा लिपी श्रीअजमेरसूं धनरूपमल वागमलकी रापा तुमारेपास मारफत हंसराज मेघराजकी मिति सावणसुदी १९ थी दीन २१ पीछे.

१०००) धनरूपमल राजमलके लेपे.

१२६९) नकलपाना ९४ भादवा सुदी ७ हुंडी १रु. १००० श्रीमम्बईकी तुमारे पाते इदोरसूं हंसराज मेघराज भेजी सुरतराम रायभान उपरा लिपी श्रीजेपूरसू लछमणदाससिवादासकी रापा सवाईराम हिंमतराम पास मारफत पदमसीतेजसीकी भादवा वदी १ थी दीन ९१ पीछे प्रत २६॥–) गया मितीईसुदी वटाई सो तुमारी जमा किनी

१२६९) सिवलाल मोतीलालके लेपे

६२५) नकलपाना ५९ भादवासुदी ७ हुंते मम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदास भेजी सुपराम गंभीरमल उपरा लिपी श्रीमम्बईसूं गणेशदास सोभागमलकी रापा गणेशदास ठाकुरदास पास मावण वदी १० थी दीन ९१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका-

१०००) श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा हमारे घरु.

२०००) श्रीमंदसोर पाते पेतसीदास गोविंदरामके लेपे हमारे घरु हुंडी २ श्री मंदसोरकी लेणी भेजी गणेशदास पुनमचंद उपरा साहाजोग रु हुडी चलणका

१०००) नकलपाना ४७ भादवा सुदी ७ हुंडी १लिपी श्रीमम्बइसू गणेशलाल सोभागमलकी रापा हमारे पास मार-

ड़ी १रु.१०००) तुमारे उपर लीपी इठासूं हमारी राषा गणेशदास किसनाजी मगनीराम वखुतसिघ पास भादवा सुदी ७ थी दिन ४५ पीछे तीके मधे हुंडी रु० ५००) हमारे घरु मांडी प्रत २५ लेपे.

६२५) गणेशदास किसनाजी के लेपे.

५१२५

१०००)श्रीजेपुरपाते गणेशदास नारायणदासका जमा हमारे घरु नकल पाना४५ आसोज वदी १ हुंडी १ तुमारे उपरा लिपी हमारे पाते श्री मुम्बई ग-फत गणेशदास ठाकुरदास मम्बई पातेकी सावण वदी १ थी दीन ५१ पीछ.

७९६।) श्रीमम्बई पाते गणेशद"स ठाकुर दासका जमा हमारे घरु

२०३॥।) श्री-हुंडावण पाते जमा.

१०००)नकलपाना५६ भादवा सुदी १० हुंडी १ लिपी श्रीइंदोरसूं फतेचंद सेवगकी राषा हंसराज मेघराज श्री इंदोरवाले पास भादवा वदी १ थी दीन ५ पीछे.

९९६।)श्री इंदोरपाते हंसराज मेघराजका जमा तुमारे

३॥।)श्री हुंडावणपाते जमा.

२०००)

गणेशदास ठाकुरदासकी रापा नेणसुप· मुलतानचदपास सावण वदी १० थी दीन ५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका.

१०००) श्रीमुम्बई पाते गणशदास ठाकुरदासके लेपे हमारे घरु.

००) श्रीइंदोर पाते भाई हंसराज मेघराजका जमा हमारे घरु नकलपाना५८ मिती काती वदी ७ हुंडी तुमारे उपर लिपी हमारे पाते श्रीमुम्बईसुं गणेशदास ठाकुरदासकी रापा गणेशलाल सोभागमल पास मिती भादवा सुदी ७ थी दीन ४५ पीछे साहाजोग रु हुंडी चलणका

१०००) श्रीमुम्बई पाते गणेशदास ठाकुन्दासके लेपे तुमारे घरु.

४०२१) श्री मुम्बईपाते भाई गणेशदास ठाकुरदासके लेपे तुमारे घरु साहाजोग रु. हुंडीचलणका.

१०००) नकलपाना५० भादवा सुदी २ हुंडी १ हमारे उपरा लिपी तुमारी रापा गणेशलाल सोभागमल पास आषाढ सुदी ११ थी दीन ५१ पीछे.

१०००) मगनीरामवभुतसिंघका जमा.

१२६५) नकलपाना५८ भादवासुदी ७ हुंडी१रु. १०००) श्री इंदोरकी तुमा हमारी नेसाणीकी कीनी हंसराज मेघराज उपरा लिपी तुमारी

५००) ठाकुरसी तेजपालका ज-
मा नकलपाना ६२ मिती
आसोज वदी ६ हुंडी १
हमारे उपरा लिपी श्रीमु-
म्बईसूं गणेशदास ठाकुर-
दासकी रापा गणेशलाल
सोभागमलपास सावण
सुदी १ थी दीन ५१ पीछे
साहाजोग रु. हुंडीचलण
का जीमेंहुंडी १ रु १०००
मधे रु. ५००) नेमाजी
पेमराज जोग सीकारी.
५००) श्रीमम्बईपाते ग-
णेशदास ठाकुरदास-
के लेपे तुमारे वरू-
५००) नेमाजी खेमराजका जमा
नकलपाना ६२ मिती आ-
सोज वदी ६ हुंडी १ हमारे
उपर लिपी श्रीमम्बईसूं
गणेशदास ठाकुरदासकी
रापा गणेशलालसोभाग-
मलपास सावण सुदी १ थी
दीन ५१ पीछेसाहाजोगरु
हुंडी चलणकाजुमले हुंडी
रु. १०००) मधेरु ५००

रापा गणेशलाल
सोभागमलपास
भादवा सुदी ७
थी दीन ४५ पीछे.
१०००) श्रीइंदो-
र पाते हंसराज
मेघराजका ज-
मा हमारे वरु
२६५) श्री हुंडावणपाते
जमा
१२६६) नकलपाना ५६
भादवा सुदी ७ हुं-
डी १ रु. १०००)
श्रीमम्बईकी तु-
मारे पाते तुम-
ना भेजी गणेश-
लाल सोभागम-
ल उपरालिपी इ-
ठासूं मगनीराम
वमुतसिंघजीका
रापा तुमारे पास
मारफत हमारी
मिती भादवासु-
दी ७ थी दीन ४५
पीछे भाव मत
२५॥=) लेपे.

कीठाकुरसी तेजपाल
जोग सिकारी.
४००)श्री मम्बईपाते ग-
णेशदास ठाकुरदास
के लेपे हमारे घरु
१००)श्री हुंडावण पाते
लेपे.
९९६)श्रीइंदोरपाते हंसराज मे-
घराजका तुमारे घरु नकल
पाना ५९ भादवा सुदी ७
हुंडी १ रु. १०००)श्रीमं-
दसोरकी तुमा वटाणी भेजी
गणेशदास पुनमचंद उपरा
लिपी श्रीइंदोरसूं फत्त-
चंद सेवगकी रापा तुमारे
पास भादवा वदी १ थी
दीन ५ पीछे साहाजोग
रु हुंडी चलणका प्रत
रु. ९९॥=) लेपे वटाईगई
मितीसुधी.
९९६)श्रीमंदसोरपाते पे
तसीदास गोविंदरा-
मके लेपे हमारे घरु
११२१५॥।-॥) श्रीतालपाते-
भाईरामजी कालु-
रामका जमा तुमारे

१२५५)भाई म-
गनीराम
बभुतासिं-
घजीका
जमा
१)श्री-
हुंडावण
पाते
५००)नकलपाना ६१
आसोज वदी ६
हुंडी १ हमारे उ-
परा लिपी तुमारे
रापा गणेशलाल
ठाकुरदास पास
सावणसुदी १ थी
दीन५१पीछे हुंडी
रु.१०००)जणी
मधे रु. ५००)
निसाणी हमारे
घरु मांडी.
५००)नेमाजी पे-
मराजका जमा.

४०२१)
५९॥=श्रीतालपाते भाई रामा
जी कालूरामके लेपे तु-

घरु आफीमकी वटी तथा चीक तुमारो वेचो जणीका जमा परच कीना उपनाका पाना २ तुमाना उतार भेजा जणे मजब.

८५४१५॥) नकलपाना ६५ कातीसुदी १ आफीमकी वटी मण. २३।) १=)भरप री प्रत ५९ लेपे परासूं तुमारी वेची.

८५४९३॥=॥) असल वटी- मण २३।१=) प्रत ५९

७८=)॥वाद परचका

२७।=।)आडतरु ८५४९३॥=॥ ५॥।-)दलाली मण २३। प्रत.।

१।=।धरमादाय प्रत-)मण

२=)॥। परचुरणपरच मण प्रत देड आना

मारे घरु नकल पाना६४ मिती सावण सुदी ५ जीकरा थेला- मण५ तुमारे बंधाया जणेका मण२८॥ जीकरा बंधाई परचका प्रत २-॥)मण १ लेपे ५९॥=) श्री आफीमके परचपाते जमा.

८५३२॥=।)बगसीराम मंगलचंदके लेपे.

८५०५)॥।नकलपाना६५काती सुदी १ आफीम की वटी मण २३।१=) परा प्रत ५९) लेपे परासूं तमाना दीना १ जणेका नावे मांडा हस्ते दलाल रघजी कोठारी तथा नाहालचद.

८५४१५॥) श्रीतालपाते भाई रामजी कालूराम का जमा तुमारे घरु.

२९-॥ श्रीआडतपाते जमा.

४१।) हासल मण ३० का
प्रत १।=)

८=॥)
५४१५॥) वाकी परा वगसी-
राम मंगलचंदके
लेपे.
५९००॥-) नकलपाना ६७
सावण सुदी५जीकरा
थेला मण ६ तुमारा
वेचा जणेको चीक
मण ३४।) परा प्रत
४३॥।) लेपे बेचा तीरा
५९९३॥।) असलचीक
मण३४।
प्र० ४३॥।

९३।=॥) वादपरचा घाट
३०)॥आडत रु ५९९२॥।)
प्रत ॥)
८॥-) दलालीका प्रत ।)
मण १
४९॥) हासलमण ३६ प्रत
१।=) मण १
३।) परचुरण परच प्रत-॥)
२=) धरमादाय प्रत-)

५॥।) श्री दलाली
पाते जमा.
१।=) श्रीधरमादायपा-
ते जमा.
४१।) श्रीहासलपाते
जमा.
२-॥।) श्रीआफीमके
परचपाते जमा
५५०५।) ॥

३०२७।=)नकलपान६।७सावन
सुदी५चीक मण१ ७।
प्रत ४३॥।=) लेपे
तुमाना दीनाजणेका
जमापरच कीना.
२९७३।=) श्रीताल
पाते राम
जी काल्ह-
रामका
जमा तुमारे
घरु.
२३।=) श्रीआडत)
पाते जमा
४।-) श्री दलाली-
पाते जमा

मण १

९३।=॥)

५९००।-॥) बाकी परा

२९२७॥=) ठाकुरसी उदेरामके लेपे.

२९७३।=) बगसीराम मंगलचंदके लेपे.

५९००।-॥)

११३१९॥।-॥)

९०॥।)श्रीहासलखातेजमा मिती सावण सुदी ५ जीकराथे लानग ११ श्रीतालका आयाजणीके हासल मण ६६ को प्रत १।=) लेपे ४१।) नकलपान ६६ मण ३० ४९॥) नकलपाना ६८ चीकमण ३६

९०॥।

६४॥=) बगसीराम मंगलचंदके लेषे ४१।) २३।=)

२६=) ठाकुरसीदास उदेरामके लेषे.

१॥।=॥) श्रीआफीम परच प

जमा.

१-) श्री धरमाद पाते जमा.

३०२७।=)

८५३२॥=)॥

२९८३॥) भाई ठाकुरसी उदेर मके लेपे नकलपा ६६मिती सावण सु ५चीक मण १७)प्र

४३॥।=)लेपेपरासूं माना दीनो जणीक नावे मांडा.

२९२६॥।≡॥।) श्रीता पाते रामज कालूरामका जमा तुमा

परु.

२३।≡॥) श्रीआडतपा ते जमा)

२६=) श्रीहासलपा तेजमा

४।) श्रीदलालीपा ते जमा)

८६≡) श्रीआडत पाते जमा
बटी तथा चीक तालवाला
रामाजी कालूरामको बेचो
तकर आडतका प्रत ॥)
सत १ लेपे.
४७–॥)नकलपाना ६८ सावण
सुदी ५ चीक मण ३४.
३०॥=) वेचवालपासे रु.

५०९३॥।)
१७=)लेवालपासे प्रत=)धडी१

४७=॥)

९
२३।=॥) ठाकुरसीदासउदेराम
के लेप.
२३॥=) बगसीराम मंगलचंदके
लेपे.
३९–॥) नकल पाना६६काती
सुदी १ वटी२३।१= की
२७।≡॥।) वेचवालपास रु.
५४९३॥=॥ प्रत –॥.
११॥=)लेवालपास
प्रत ॥) मण १

३९–॥)बगसीराम मं-
गलचंदके लेपे.

८६≡)

१॥=)श्रीअफीमका
पर्चपातेजमा.
१।–) श्रीधर्मादाय-
पातेजमा.

२९८३॥।)
१०००)धनरूपमल राजमलके
लेपे नकलपाना५३भाद-
वा सुदी ६हुंडी तुमारे
उपरा लिपी श्रीअजमेरसूं
धनरूपमल वागमलकी
रापागणेशदास ठाकुरदा-
सका मम्बईवाले पासेमा-
रफत हंसराज गंभीरचंद-
की सावण सुदी १५ थी
दीन२१ पीछे साहाजोग
रुप्या हुडी चलणका
१०००) श्रीमम्बईपाते
भाई गणेशदास
ठाकुरदासका ज-
मा तुमारे घरु.
१२६५॥=)सिवलालमोतीलाल
के लेपेनकलपाना ५४
मिती भादवा सुदी ७
हुंडी १रु.१०००) श्री
मम्बईकी तुमाना दी-

१४।=)श्रीदलालीपातेजमाआफीमकी बट्टी तथा चीक तालवालाको बेचो जणी का दलाली रा.
५।।।-) नकलपाना ६६ कातीसुदी १ बटी मण २३।।=)
५।।।-) बगसीराम मंगलचंद के लेपे.
८।।-) नकलपाना ६८ सावण सुदी ५ चीकमण ३४। प्रत।
४।) ठाकुरसीदास उदेरामके लेपे.
४।) बगसीराम मंगलचंदके लेपे

१४।=

६५)।।।श्रीआफीमकेपरच पाते जमा.
५९।।=)नकलपाना६४ सावण सुदी५ची कमण २८।। रामाजी कालूराम की बधी जणीका

नी सुरतरामराय भाण उपरा लिपी श्रीसवाई जेपूरसूं लछमणदास सिवदासकी रापा सवाईराम हिंमतराम पास मारफत पदमसी तेजसीकी भादवावदी १ थी दीन५१ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका प्रत २६।।-)लेपे मितीया को व्याजभावमेलिनो.
१२६५) श्रीमम्बई पाते गणेशदास ठाकुरदासका जमा तुमारे घरु
।।=)श्रीहुंडावण पाते जमा.

२८०००)२९००)३९०)२७)३=।।।

३०८८०=।।।)

८४७।।) श्रीहुंडावणपाते लेपे.
२००) नकलपाना४१मिती आपाढ सुदी५ हुंडी १ रु. १०००) श्रीरतलामकी हमारे पाते

सावणवदी ९ हुं-
डी १ रु १०००)
रतलामकी हमारे
पाते बम्बईसूं
आई जणीका प्र-
त ८०) लेपे.
२००)मगनीराम बभुत-
सिंघके लेपे.
२०३॥)नकलपाना४८सावण
वदी१हुंडीरु.१०००)
श्रीमंदसोरकी हमारे
पाते मम्बईसूं आई प्रत
७९॥=) लेपे.
२०३०॥ श्रीमंदसोरपा-
ते पेतसीदास गोविंद-
रामके लेपे हमारे
२)नकलपाना५२भादवावदी१३
हुंडी१रु १०००)मम्बईकी
मगनीरामबभुतसिघने दीनी
मम्बईवाले गणेशदास ठाकु-
रदासके पाते कीनी तीरीहक
साहीरा प्रत=)
११) भाई मगनीराम बभुत-
सिघके लेपे.
॥=)नकलपाना५५ भादवा

५००)उणाको घरु मं-
डाई बाकी रु ५००)
हमारे घरु मंडाई
जणी की हुंडावण
का प्रत ८०) लेपे ल-
गासो नावे मांडा.
१००) मम्बईपाते भाईगणेश.
दास ठाकुरदासका जमा-
हमारे घरु.

८४७॥)

३१७२७॥=॥

३१७२७॥=)॥
५८०५भाईमगनीरामजी बभुत-
सिघजीके लेपे रोकड
पाना८८ रोकडादीनासो
नावें मांडा इस्तेरामरप.
१३००) सावणसुदी१०
१२५० भादवावदी ९
१०००)भादवा वदी११
१०००) भादवा सुदी २
१२५५)भादवा सुदी ७

५८०५)
१०००)गणेशदासकिसनाजीके
लेपेरोकडपाना ८८भा-

मम्बईवाले गणेशदास ठाकुरदासके पाते वटाईंतीरा ॥=) सिवलाल मोतीलालके लेपे.

३॥।नकलपाना ९९ भादवा सुदी७हुंडी १ रु. १०००) मंदसोरकी इंदोरसूं हंसराज मेघराज वटाणी भेजी तीका प्रत. ९९॥=)

३॥।) श्रीमंदसोरपातेपेतसीदास गोविंदरामके लेपे हमारे वरु.

१।) नकलपाना९७भादवासुदी ७हुं० १रु. १०००)मम्बईकीमगनीराम वभुतसिंघकी लीपी मम्बईने भेजी तीका.

१।) श्रीमम्बईपाते गणेशदास ठाकुरदासके लेपे तुमारे घरु.

२६९)नकलपाना९८ भादवा सुदी७हुंडीरु. १०००)इंदोरकी हमारे नीसाणीकीश्रीमम्बईसूं गणेशदास ठाकुरदास कीनी ती काई हुंडावणका प्रत२६॥

२६९) श्रीमम्बईपाते गणेशदास ठाकुरदासके लेपे तुमारे घरु.

दवा वदी १४रोकडा तुमारे वदले मगनीराम वभुतसिंघना दीना सो नावें मांडा १०००) तथा मगनीराम वभुतसिंघका जमा.

५००)ठाकुरसी तेजपालके लेपे आसोजवदी ६ रोकडादीना सो नावें मांडापाना८९ ५००) रोकडा

५००)नेमाजी पेमराजके लेपे रोकडा पाना८९ आसोजवदी ६ रोकडा दीना सो मांडा.

५००) रोकडा

१००००) श्रीतालपाते भाईरामाजी काळूरामके लेपे तुमारे घरु रोकडपाना ८९ हुंडी १ हमारे उपरा लिपी तुमारी रापा पुनमचंद दीपचंदपास भादवा वदी १ थी दीन ११ पीछे साहाजोग रु. हुंडी चलणका.

१००००)रोकडा परपरा मगनीरामजी वभुत सिघजीना दीना

॥२६।)भादवा सुदी ७ हुंडी रु ५००)मम्बईकी गणेशदास किसनाजीना दिनी जणीका प्रत २५=) लेपे जमा रु. १०००)मधे रु.१०००) तुमारे घरु मांडा प्रत २५) लेपे तीकेरी हक साईरासुदा नकल पाना ५९

१२६।)गणेशदास-किसनाजीके लेपे.

२५) नकल पान ४८ सावण वदी १० हुंडी १ रु. १०००) जैपुरकी हमारे पाते मम्बइसूं कीनी तीकाइ हुंडावणका प्रत २॥)

२५)श्रीमम्बईपाते गणेशदास ठाकुरदासके लेपे हमारे घरु

१०८६॥=)

३१७२७॥=॥)

३१७२७॥=॥)

१।) श्रीमहालक्ष्मीजीको भंडारसरपुर होई जो

२७।)श्रीआफीमकेपरचपातेलेपे रोकडपाना८४ भादवावदी१ रोकडा रकम आई जणीका दीना हस्ते घासी हमाल.

६) तेल आलसको मण १

११)पालीपीसी मण १

५) पाली आपी मणी १

२५)हमालीका तथा बंधाईका परचुरणका चुकतादीना.

३७।)

६८॥।)श्रीहासलपातेलेपेरोकडा पाना ८५ सावणसुदी ११ जीकरा थेला नग ११ ताल का आया जणीके हासलका सायर चबुतरे दीना.

६८॥।)रोकडा हस्ते भागीरथजी

१।) श्रीपरचपाते लेपे रोकड पाना ८६ भादवासुदी २ साहीको मसालो आयो तीका दीना.

८६।)श्रीचीसी परचपाते लेपे रोकडपाना ८६ भादवासुदी २ रकम आई तीका रोकडा दीना.

२१००१) श्रीपोते बाकी.
२२४६।)मगनीराम नमुतसिघ का जमा रोकड पाना८८ रोकडा आया सो जमा कीना.
१२४६।) भादवासुदी १२ हस्ते रामरुप.
१०००)भादवावदी १४ तुमारेबदले गणेशदास किस नाजीसूं पटा.
१०००) गणेश दास किस-नाजी केलेपे.
१०००)भादवासुदी १५ हस्ते रामरुप.

३२४६।

३५०१।भाईगणेशदास किसनाजीका जमा रोकड पाना ८९ रोकडा आया सो जमा कीना.
२२५०)भादवावदी ९ हस्ते नालाजी.

६३)गेहूँ मणी १
२१) वंरित मण १
१०॥)मूग मण.
१०॥) चणा.
५) वेसावर परच.
५) गुड मण १
११) पांड मण १
२) लकडीको गाडो १
१श्रीधरमादाय पाते लेपे रोकड पाना ८६ भादवा सुदी १

१६०००)१८००)१७०)२८) ११॥)१७९९९॥

२३६३४।)॥पाते बाकी.

४१६३३॥।)॥

१॥ श्रीपरमेसरजी ।

१॥ व्याजको फेलानेकी रीत सादेकी रकम बरावर.

१०००) माह सुदी ४	१०००) काती सुदी १
११०१) चेत सुदी ९	११०१) पोह वदी ५
१०००) सावण सुदी १५	१०००) फागुन सुदी १५
३१०१)	३१०१)
५८॥-॥। बाकीलेणासं० १९२० सावण सुदी १५ सुदी	५८॥-॥।) व्याजका सावण सुदी १५ संमत १९२० सधा आंक
३१५९॥-॥।)	१२१००) प्रत।=॥।) लेपे
३१५९॥-॥।	३१५९॥-॥।)
१॥ व्याजकी फेलावट	३१५९॥-॥।)
	५८॥-॥।) वा० ले० सा० सु० १५
रु० १०००) माह सुदी ४	३१०० रु. १०००) काती सुदी १ म ३) ३ दीन
रु० ११०१) चेतसुदी ९	४००० रु. ११०१ पोहवदी ५ म. ३॥) ४ दीन
रु० १०००) सावण सुदी १५	५००० रु १००० फागुनसुदी १५ ५)
	१२१००)
	६०॥) व्याजका प्रत॥) सेकडा
	१॥।=।) वाद छुटका प्रत)॥
	५८॥-)॥। वाकी परा

और व्याजको फेलानो जेठे महिना का तो अंक जितना रुप्या जितना आंक एक महिनेका और दीनोंमें पण जितना रुप्या होवे उतरा आंक एकदीनका काचा होवेछे सो आंक ३० को आंक १ लेपणो और दीन दीनका आंक करणा जितना रुप्या होवे उतरा आंक माहे सो एक आंक दबा देणो जो आंक दबे उणीनो तीन गुणा देने फेर तीसके एकके हिसासें होवे तो अंक दबने बाकीरहे जिसमें मिलायदेणा और बिंदी देवे तो जितना आंक होवे उतना आंक दीन २ का करणा इसतरहसे व्याजका कचा टुकडा करणा और कचाटु-कडाका रुप्या करणाके जितरा आंक व्याजका होवे उणामा सुदो आंक दाबदेणा और दो आंक दबे जणेका जीस भावसे व्याज होवे सो प्रत १ सेंकडासे करके दो आंक दबे फेर बाकी रहे जीमे मिलादेणा. सो व्याज प्रत १ लेपे तो इतरा होवे छे और आठ आणाको व्याज होवे तो आधा करणा और प्रत ॥।' को व्याज होवे तो पुणा करणा दो आंक दाबणा जणेका बाकी रहे जणेना'

१॥ हिसाब १ भाई गणेशदास किसनाजीको

॰	॰
७००) संमत् १९२७ कातीसुदी १	५००) संमत १९२६ जेठसुदी १
२०००) सं० १९२८ चेतवदी १	११००) सं० १९२७ माह सुदी ३
२१५१ सं० १९२९ चेतवदी २	१५००) सं० १९२८ जेठ वदी ५
१०००) सं० १९३० जेठसुदी १५	२५००) सं० १९२९ चेत सुदी ३
५८५१)	५६००)

१२३२॥) बाकी लेणा संमत् १९३० कातीसुदी १ सुधा.	४३२॥व्याजका अंक८९१८६॥ प्रत.।=॥कातीसु० १ लेपे सं १९३०
७०८३॥	७०८३॥
७०८३॥)	७०८३॥
	१२३२॥ बाकीलेणा कातीसुदी १ संमत् १९३० सुधा.

१॥ व्याजकी फेलावट छे.

६१३।)रु. ७००संमत् १९२७ कातीसुदी १	८५०० रु.५००संमत् १९१६ जेठ सुदी १
रु. ५००)	१२०९० रु.११००सं०१९२७
६१३। रु. २००) ३)=	माहसुदी ३रु २००)
रु. २०००० संमत १०२८ चेत वदी १	१२०९०रु.९००)१३॥ दी२धा
रु ९००)	१९६२६॥ रु.१५००सं१९२८
रु. ११००)	जेठ वदी ५१०८५३।
रु २१५१) सं १९२९ चेत वदी २	रु. ११००)१०)४धा०
	८७७३।) रु. ४००)
रु ४००)	२२) २धा०
रु. १७५१)	४९६८३।)रु ३५५१स १९२९
रु. १०००) संमत् १९३० जेठ सुदी१५	चेतसुदी२रु. १७५१)
	११॥ १४४००)रु.
	१०००)१४॥)२धा०

रु.८००) वाकीलेणा संमत १९३० काती सुदी १ सुधा.	१५१९६॥ रु. ८००) १९) २ घा०
६१३।)	८९८९९॥
	६१३।) वाद तुमारा
	८९२८६॥) वाकी हमारा.
	४४६।=)व्याजकाप्रत॥सेकडा
	१३॥।=)वात छुटका प्रतना.
	४३२॥) वाकी छुटता परा.

१॥ व्याज एकंदर फलाणो जणेरी केफियत इसमुजव है. जिस धणीका हिसाब होवे उसका लेपाकरना होवे तो जदे जिस मिती सुधी लेपा करे जिस मिती सुधी दोनो रकम देपलेणी. व्याज जमाका होवै तो रकम जमाकीपेली लेणी लेपकी व्याज होवे तो पेली लेपके रकम लेणी जिस मिती सुधो व्याज जोडे जणे मिती सुधी रकम व्याजकी जोडणे रुपिया वरनामे मांडदेणा. जणीरी विगत पछा आगाडी दोय नामे लरी हे.

१॥ लेपो भाई पदमसीजी तेजसीशी श्रीजेपूरवालेको तुमारे घरु संमत १९२९ कातीसुदी १ से लगाई संमत १९३० काती सुदी १

७०००)मितीकातीसुदी१ वाकी	५०००) मिती मागसरवदी
५०००) मितीमागसरवदी १२	१०००) मिती मागसरसुदी

४०००)मिती माह वदी ३
८०००)मिती फागण वदी १
४५००)मितीचैत सुदी १
५०००)मिती जेठ सुदी १
९०००)मिती आपाढ वदी २
२०००)मिती सावण सुदी १
३०००)मिती आसोज नदी२
२०००)मिती काती वदी ७

४९५००
२९३५॥=ब्या०ले०सं०१९३०
काती सुदी १
५२४३५॥=

५२४३५॥=

५०००)मिती पो वदी
२५००)मितीह माहसुदी
१५०००)मिती चेत वदी
१०००मिती चेत सुदी
२०००) मिती वेशाप सुदी
१०००) मिती आपाढ वदी
१५००) मिती आसोज वदी

५२०००
४३५॥=)व्याजकासंमत१९३०
काती सुदी १ सुधा अंक
८९९३३।प्रत।=॥।वाट

५२४३५॥=)
२९३५॥=) बाकी लेणा संमत
१९३० काती सुदी १

१॥ व्याजकी फेलावट भाई पदमसीजी तेजसीजी श्रीजैपुरवालेकी संमत् १९३० काती सुदी १ सुधा.

४३५॥=) व्याजका काती सुदी१ सं. १९३० सुधा अंक
८९९३३ ।प्रत ॥' त वाट
४४२८६६॥ रकम लेपे पासेकी
५७५०० रु. ५०००)मागसर वदी १ मास ११॥
११०००० रु १००००)मागसर सुदी १ मास ११
५२५०० रु ५०००) पोहवदी १ मास १०॥

रु.८००) वाकीलेणा संमत् १९३० काती सुदी १ सुधा.	१५१४६॥। रु. ८००)
	१९) २धा०
६१३।)	८९८९९॥।
	६१३।) वाद तुमारा
	८९२८६॥) वाकी हमारा.
	४४६।=)व्याजकाप्रत॥सेकडा
	१३॥।=)वात छुटका प्रतना.
	४३२॥) वाकी छुटता परा.

१॥ व्याज एकंदर फलाणो जणेरी केफियत इसमुजव है. जिस धणीका हिसाव होवे उसका लेपाकरना होवे तो जदे जिस मिती सुधा लेपा करे जिस मिती सुधी दोनो रकम देपलेणी. व्याज जमाका होवे तो रकम जमाकीपेली लेणी लेपकी व्याज होवे तो पेली लेपके रकम लेणी जिस मिती सुधी व्याज जोडे जणे मिती सुधी रकम व्याजकी जोडणे रुपिया वरनामे मांडदेणा. जणीरी विगत पछा आगाडी दोय नामे लषी हे.

१॥ लेपो भाई पदमसीजी तेजसीशी श्रीजेपूरवालेको तुमारे घरु संमत १९२९ कातीसुदी १ से लगाई संमत १९३० काती सुदी १

७०००)मितीकातीसुदी१ वाकी	५०००) मिती मागसरवदी
५०००) मितीमागसरवदी १२	१०००) मिती मागसरसुदी

३०००) मिती माह वदी ३	५०००) मिती पो वदी
८०००) मिती फागण वदी १	२५००) मितीह माहसुदी
३५००) मितीचैत सुदी १	१५०००) मिती चेत वदी
५०००) मिती जेठ सुदी १	१०००मिती चेत सुदी
५०००) मिती आपाढ वदी २	२०००) मिती वैशाप सुदी
१०००) मिती सावण सुदी १	१०००) मिती आपाढ वदी
३०००) मिती आसोज वदी२	१५००) मिती आसोज वदी
१०००) मिती काती वदी ७	
४१५००	५२०००
१९३५॥=बा ०ले०सं० १९३० काती सुदी १	४३५॥=)व्याजकासंमत१९३० काती सुदी १ सुधा अंक ८९९३३।प्रत.।=।।।घाट
५२४३५॥=	५२४३५॥=)
५२४३५॥=	२९३५॥=) वाकी लेणा संमत १९३० काती सुदी १

१॥ व्याजकी फेलावट भाई पदमसीजी तेजसीजी श्रीजैपुरवा-लेकी संमत् १९२० काती सुदी १ सुधा

४३५॥=) व्याजका काती सुदी१ सं. १९३० सुधा अंक

८९९३३ ।प्रत ॥' त घाट

४४२८६६॥ रकम लेपे पासेकी

५७५०० रु. ५०००) मागसर वदी १ मास ११॥

११०००० रु १००००) मागसर सुदी १ मास११

५२५०० रु ५०००) पोह वदी १ मास १०॥

२२५०० रु. २५००) माह वदी १ मास ९
११२५०० रु. १५०००) चेत वदी १ मास ७॥
७०००० रु. १००००) चेत सुदी १ मास
११९३३।रु.२०००) वैशाप सुदी २ मास६।१घाट
४४३३।रु.१०००)आसाढवदी ३ मास४॥।२ घाट
१५०० रु. १५००) आसोज सुदी १।१ घाट

४४२८६६॥

३५२९३३। बाद रकम जमा पासेरी
८४०००रु. ७०००)कातीसुदी १ मास १२
५५०० रु.५०००)मगसरवदी १३ मास१।३उपर
३७७३३।रु.४०००)माहव दी३ मास ९. ।२दी.घा.
६८००० रु. ८०००) फागण वदी १ मास८।
३१५००रु. ४५०००) चेत सुदी १ मास ७
२५००० रु. ५०००) जेठ सुदी १ मास
४०२००)रु. ९०००)आपाढवदी२ मास ४॥घाट
६०००) रु.२०००) सावण सुदी १ मास ३
४४००रु.३००० आसोज वदी२मास ,१॥.१घाट
६०० रु. २०००) काती वदी ७ दीन ९

३५२९३३
८९९३३। बाकीरहा.

४४९॥) =॥ प्रत) लेषे.

१४)॥।बाद छूटका
४३५॥=)बाकी परा सिरे

लेपा जो रकम सरांसे बिके जिसका.

। रुपया १ की सेर ५ जदी मणका करणा सो रुपे एक की जितरा सेर होवे उतरा मणका रु. ४०)लेपणा और जिता आना भरको आनो एक काटणो. और रुपे एक की जिता आना भर होवे तो उतरा सेरां का रुप्या १६ हुवा और जितरा मणका रु.६४०)हुवा इसीतरे से जितरा मणाको लेपो घालो उतराको हिसाब जोडदेणा.

४०८)रुप्या १) की ऽ५ जदी मण ५१) का मण ५ का रु. ४०) हुवा.

२४०) रुप्या १) कीऽ२।=जदी मण २०) का कतरा मण२) ।ऽ५ का रु. ४० हुवा.

११२) रुप्या १)की ऽ।=) भर जदी मण १ सेर २ का कितरा सेर ६ का रु. १६ हुवा. भर हुई.

ऽ॥≡) रुप्या १ की ऽ५॥) जदी रु. =) कि कितरी.

३८५६॥)रुप्या १)की ऽ।=॥ भर जद मण ३१ऽ६॥ का कितरा हुवा मण ६॥ का रुप्या ६४०)हुवा.

भर ऽ१४—रुप्या १ की ऽ३॥।)जदी रुप्या ३॥।)की कितरीसो जितानाजिता गुणा देने उणाको अध घटायने रु.–) बधाय देणो.

मण भर ८–) रु १, कीऽ४।)जदी रु, ४।)की कितरी सपो-

ण इणे मुजब गुणाकार देने आधा बधाने रु.−) फेर बधाय देणा.

मण॥)ऽ।रु. १ कीऽ४॥)जदी रु, ४॥)की कितरी होई सो रुपे की जता सेर घालने उता रुप्याकी पूछे तो उतागुण देनें साठमें उताई बधाय देणा. फेर रु. ।) बंधावणो.

मण ।।३.।।।)।रुप्या १ की ४।।।=) जदी ४।।।=)की कितरी हुई पांच गुण देने चोथी पाती घटायने न बधाई देणा,

---

१॥हिसाब धान वगैरेका जो रकम माणीयासूं विके जणीका लिषते.

। जितने रुपे माणी होवे ने मण एकका पूछे तो जिते रुपे माणी जिता अंक मण एकरा लेपणा और रुपे एकका अंक १२ काटणा. जो माणी मण १२ की होवे तो कदास माणीमें मण ओछाहोवे तो रुपे १ का अंक माणीमे जितना मण होवे उतरा काटणा और सेर १ को पूछे तो पण जिते रुपे माणी होवे उतरा अंक सेर १ का लेपणा. और रु.−) का अंक जिता मणाकी माणी . होवे उणीसूं अढाई गुणा करणे. उतरा आकारो आनो १ का काटणो और रु. १ को लेपो. पूछे तो रु. १ का अंक माणी मण १२ की होवे तो अंक ४८०) लेपणा और जो माणीमें मण कमजादा होवे तो उतरा मणँका सेर होवे उतरा अंक रुप्या १) का लेपणा और जिते रुपे माणी घाले उतरा आकारोऽ१ लेपणो और इणीसुवी जलंदी किया चोवतो रु. १ का अंक जिते मणाकी माणी

होवे उणीसूं अढाया करणा और जिते रुपे माणी उत्ता आ-
नाका अंक सेर लेपणो. और रु. -) को घाले तो पण मणीमें
मण१२) के होवे जदी तो आने एकका अंक ३० लेपणा.
सेर एक भरका अंक जिते रुपे माणी उतारा लेपणा. फेर जि-
ता मणकी माणी होवे उणीसूं आढाया अंक रु १ का पण
लेपणा और रु.-) का पण लेपणा रुप्याको लावणो जदी तो
जिता रुपे माणी उता आणा अंको सेर १ काटणो और
आनेको लावणो जदी जिते रुपे माणीउता अंकरोऽ१ गुणनो.
१॥-) रु. २१॥) को माणी १) जदी मण एकको कांई होवे
के मण १ का अंक २१॥) रु. १) का अंक १२ काटणा.

७॥२ रु २७।=) माणी १) जदी सेर १ को कांई हुवो सो
सेर १ का अंक २७।=) आने एकरा ३० काटणा
आने एककी अंगरेजी पाया १२ होवे सो अंक २॥
पाई १ का काटणा सो आनो पूणने पाई २ हुई

मण ५। रु. ३१॥)को माणी १) जदी रु. १) को कतरो हुवो
माणी १२ की जदी अंक ३० हुवाऽ१ भरका अंक
१॥≡)॥काटणा जदी मण ५ हुई.

भरऽ॥≡। रुप्या ३१) को माणी १ जदी रु -) को कितरो
हुवो अने एकरा अंक ३० हुआ सेर १ भरका अंक
३१।) काटणा सो सेर॥≡। भरहुवो

लेषो मणासूं रकम विके जणिका लिषते.

जिते रुपे मण १ जदी रु. १) को पूछे तो अंक ४० गुणता

और जिते रुपे मण उता अंकरो ऽ१ काटणो और आने-) को पूछे तो मण अंक ४० लेपणा. जणे भाव होवे उतरा अं-कारो आने एक भरका करणा और जिते रुपे मण १ होवे तो उतरा आनाकीऽ२॥ लेपणो और जिते रुपे मण होवे ने सेर एकरो लेपो पूछे तो सेर एकरा आंक उतराई लेपणा और आने एकरा आंक २॥ काटणा और आने एक भरको लेपो पूछे तो पण आनिते रुपे मण होवे उतरा लेपणा अने-) का अंक ४०) काटणा इणतरेहसुं लेपा पुछे जणेको जवाब देणो

ऽ१॥-) मण १ का रु० २५॥) जदी रु० १ की कीतरी होई
आंक ४० लेपणाऽ१) भरका अंक २५॥ काटणा.

ऽ-)॥। मण १ का रु २२॥) जदी रु-) की कितरी आंक ४०
हुवा अने-) भरका अंक २२॥) काटणा.

॥=) मण १ का रु २५॥) जदीऽ१ को कांई हुवो सेर एकरा
अंक २५॥ हुवा प्रत -) का अंक २॥)

-) दमंडी ४।) मण १ का रु. ४५॥) जदी आना-)भरको
अंक ४५॥) हुवा आनेका अंक ४०)

हिसाब मोतियांका.

जतना रतीको दाणो केवे तो उतराना उतरा गुण देणा फेर ८० आंकना आंक एकको रु. ॥-) गुणना फेर जतरा आंक गुणाकारका होवे उतरा कचा अंक फेर गुणना जण को अंक को एक चव गुणो ओ आगल नव आणाके हि-

साबका होवे उणांके सामील कचा आंका कापणा ९६ के हे-सावसूं होवे सो सामील करके हिसाव वताय देणा.

चव १४। १ मोतीको दाणो १ रु. को जणका अंक २५ हुवा सो अंक १ का रु. ॥-) के हिसाबसूं चव १४-) हुवो और अंक २५ काचा फेर बधिया जणांका ९६ के हिसाबसूं रु ।) १ हुवो सो चव १४-) के सामल करदियो सो चव १४-) तुकड १ हुवो सो जणे भाव चव होवे उणे भावका दाम जोड देणो.

१६०९।-) मोतीका दाणा ५ टांक २ रु ५ टांक एकक्रीरु. २४ जणेकी रु. ५३ होई जणेनां तरपन गुण देने जो आगे उपर करी जण मुजब चव करणे जतग दाणा होवे उणांको भाग दे देणो चव १६०९।-) हुवा उणा नापको भाग दीयो ३२१॥=) चव हुवा.

जरीब बनानेकी रीत.

और मुलकोमे जरीब बनानेकी और रीति है लेकिन यहां ये कायदा है कि ५ पांच आदमीके पांच हात और पांच ऊंगलीसे नापे तो एक बीसवा यानी एक गट्टा होता है. इस तरेहसे बीस गट्टा १०० सो हातके नाप ले वोही जरीब होती है और अंगरेजी फूटसे पेमायस जरीबकी हुई तो फी गट्टा फूट ७ इच ४ के हिसाबसे फूट १४६ इंच ४ की है

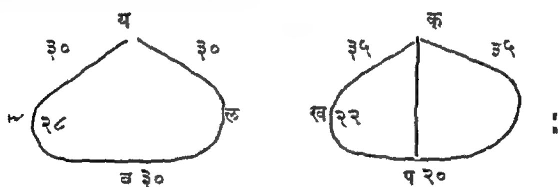
बिघा बिसवा करनेकी रीत.

गट्टा गट्टामे गुणा करनेसे बिसवानसी और गट्टा जरीब-

में गुना करनेसे बिसवा और जरीब जरीबके गुणा करनेसे बिघा होते हैं,और बीस २० बिसवांसीका एक बिसवा और बीस २० बिसवाका एक बिघा होता है.

रीत पेमायश त्रिकोन षेत.

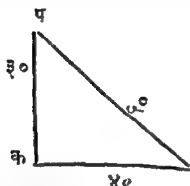
समबाहु त्रिकोन यो षेत है कि जिसकी तीन भुजा बराबर हो और दो समकोन हों और दो भुजा बराबर हो और दोसमकोन हो उसकी ये रीत है कि, कोनेसे सामनेकी भुजा पर लंब डाले चाहे लंबव चाहे भुजाकी जिसपर लंब गिरा है दोनोंमेंसे एकका आधा करके आपसमें जरब यानी गुनाकरे हांसील उसका छेतरफल होगा.



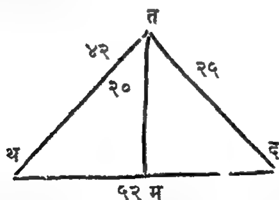
तीन भुजा बराबर समकोनकी ये रीत है कि य कोनेसे रा भुजा ल पर लंब डाला तो २८ गट्ठा आये और ३० गट्ठाकी ३० तीनों भुजा हैं इसवास्ते लंबके आधे गट्ठा १४ और भुजा ल र की जिसपर लंबगीरा गट्ठा ३० है १४, ३० में गुना करनेसे ४२० बीसवांसी उसके बीचे १) १ विश्वा यही छेतरफल हुवा.

क ख ग त्रिकोणकी जिसकी दो भुजा बराबर हैं उसपर

क कोनसे लंब भुजा खग पर लंब **क प** डाला तो २२ गट्ठा और **क ख** भजा २० गट्ठा है. और उसीपर लंब गिरा है दोनोसे एक यानी भुजाके १० आधे हुये आपसमे गुना करनेसे२२० वीस-वांसी उसका बिसवा ११ यही छेतरफल हुवा.

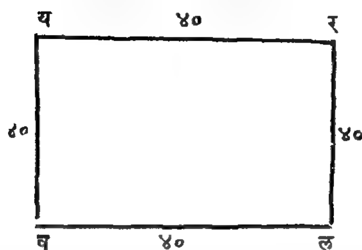


इस त्रिकोनकी **प क** भुजा नापी तो गट्ठा३० और **क ब** भुजा नापी तो गट्ठा४० आये उनमें एकके आध किये तो ३० केआधे १५ उसको ४०मे गुना करनेसे ६०० विसवानसी जिसका डेढ १॥ बिघा छेतरफल हुवा.

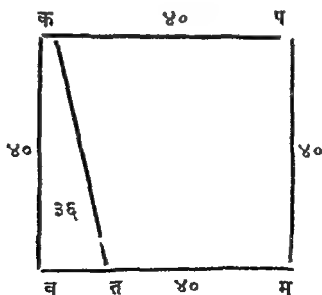


इस त्रिकोनके **थ द** भुजापर लंब सिधमे पडा तो गट्ठा २० आये और उसके आधे गट्ठा १० भुजा थ द गट्ठामे (५२) गुना करनेसे ५२० वीसवांसी उसके ११ बिघा छेतरफल हुवा.

रीत चोकोन.



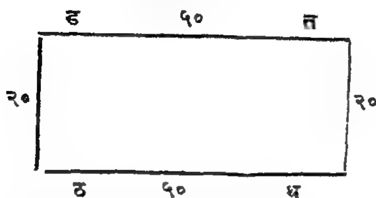
इस पेतके चार भुजा बराबर हैं आपसमे और चारो समकोनहैं उसकी ये रीत है दो भुजाको नापके आपसमें गुना करनेसे छेतरफल होताहै मसलन य र भुजा गट्ठा और य व गट्ठा (४०) आपसमेंगुना करनेसे १६०० विसवानसी जिनकी विघा ४ छेतरफल हुवा.



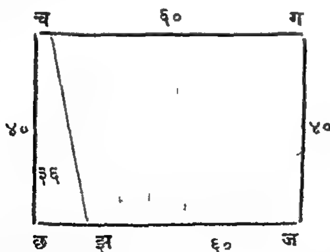
जिस पेतके चार भुजा बरावर आपसमें हो और समकोन न हो तो उसपर बमुजव इसके यानी व ग भुजापर

लंब डाला तो गट्ठा (३६) और उसको ४० म गुना करनेसे १४४० विसवानसी उसका ३॥२ बिघे छेतरफल हुवा.

लंबा षेत.



जिस षेतके आमने सामनेकी दो दो भुजा आपसमें रावर हो और चारो सम कोन हो उसके अंक छोटी एक बडी जाको नाप आपसमे गुना करनेसे छेतरफल होताहै सलन डत भुजा गट्ठा ५० और डठ भुजा गट्ठा २० आपसमें ना करनेसे बीसवानसी १००० उसका बिघा २॥ तरफल हुवा



इसतरहांके षेतकी ये रीत है कि इसके आमने सामनेकी दो भुजा आपसमे बराबर है और चारो समकोन नहीं है

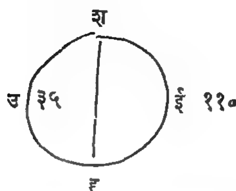
इस वास्ते छज भुजापर लंब सीधमें डाला तो गट्ठा ३६ आये उसको ६० गट्ठामें गुना करनेसे चझ वीसवानसी २१६० जिसके बिझा ५।ऽ२ छेतरफल हुवा.



टेढा षेतकी रीत.

इसमें पेहले चौकोन **क स म घ** नापा तो **क स** भुजा गट्ठा १८ और **घ म** भुजा गट्ठा २० दोनोको जोडा तो ३८ उसके आधे १९ हुये और दोनो भुजाके २२।२२ है उसके २२ हुये आपसमें गुना करनेसे ४१८ वीलवांसी १ऽऽ।।। १२ छेतरफल हुवा और इसीतरहां चौकोन **घ न प ब** ५५। ४८ गट्ठाको जोडा तो १०३ उसके आधे ५१॥ और दोनो भुजा ३७ । ३७ जिसका औसतमें ३७ गुना करने १९०५॥ विसवांसी जिसके बिघा ४॥।'।'॥ छेतरफल हुवा और त्रिकोन **म ग ब** को इसरीतसे की भुजा **ग ब** गट्ठा ८ के आधे ४ और भुजा **म ब** गट्ठा १७ आपसमें गुणा कीधा तो ६८ वीसवानसी जिसके वीसवां ऽ३।२ छेतरफल और त्रिकोन **प फ य** है. उसमें **प** भुजापर ५ **य र** लंब गट्ठा १८ को भुजा **फ प** गट्ठा २८ आधे के १४ मे गुना करनेसे वीसवांसी जिसके २५२ वीसवा ॥ २ ॥ २ ॥ छेतरफल जुमला ६।२ ।।। छेतरफल हुवा.

गोल षेत.



रीत लंब व गोलाई दरयाफत करनेकी.

जिसका लंबापनी कुतर मालूम हो उसको २२ मे गुना करके ७ का भागदेदो हासील गोलाई यानी मुहीत होगा मसलन श ह लंबपानी कोतर गट्टा ३५ उसकी २२ में गुणा करनेसे ७७० हुये ७ पर भाग देनेसे ११० गोलाई यानी मुहीत हुवा और अगर गोलाई याने मुहीत मालूम हो उसको ७ गुना करके २२ पर तकसीम करनेसे हासील वयानी कोतर होगा. मसलन गोलाई ११० है उसको ७ गुना करनेसे ७७० हुये उसका २२ पर भाग देनेसे ३५ उ ई लंब यानी कोतर हुवा.

पेहली रीत छेतरफल निकालनेकी.

गोलाई यानी मुहीत लंब यानी कोतर दोनोको आधे आधे करके आपसमें गुना करनेसे छेतरफल होता है मिसल उ इ गोलाई यानी मुहीत गट्टा ११० व लंब यानी श ह कुतर

-गट्ठा ३५ दोनोंकी आधे ५५। १७॥ गोलाई लंबको आपसमें -गुना करने ९६२॥ वीसवानसी २। ३५२॥ छेतरफल हुवा.

दूसरी रीत.

अगर कोतर यानी लंब मालूम है उसका वरग याने उसको उसीमे गुना करके हासीलको ७८५ में गुनाकरके १००० भाग दो हासील छेतरफल होयगा मसलन लंबयाने कोतर गट्ठाका वरां.

$\frac{३५ + ३५ + ७८५ - ७६९३ =}{१००० \quad ८}$ ९६१ $\frac{६}{८}$ वीसवांसी जिसका विघा ४।३५१ $\frac{५}{८}$ छेतरफल हुवा,

तीसरी रीत.

अगर गोलाई यानी मुहित मालुम हो उसका वरगयानी उसको उसीमें गुना करके ७९६ में गुना करके १०००० पर भाग दो हासील छेतरफल होगा मसलन गोलाई यानी मुहीत गट्ठाका वरग करके ७९६ में गुणा करके १०००० का भाग दिया जैसे ११०+ ११०= १२१०० +७९६= ९६३१६००÷१००००=९६३ $\frac{१६०}{१००००}$ अपत्ररतत यानी सुपत सीर भीनयानी कसरको करनेसे ९६३ $\frac{४}{२०}$ वीसवांसी जिसका बिघा २।३५२ $\frac{४}{२०}$ छेतरफल हुवा,

विगत हिसाबकी.

और जिता आना कोन होवे और उता मणका करणा होवे तो उतराना उतरा गुणा देने एक बिंदी धरदेणी तो उत्ता मणका रु. होय जावे. ११६६॥=) रु. ॥=॥ से २ऽ। जदी मण १०॥ का क्या हुवा के पुणाअगारेना पुणा आणारे गुणादीमातो रु. ११६॥-) हुवा और उसके उपर बिंडी दी तो रु ११६६॥=) हुवा.

और रु. कीऽ ४॥= जदी रु. १४॥=)कि कितरी होईतो पन रेना पांच गुण देणा और पनेरेना और पांच वीसका=) आन गुणके हिसाबसूं पनरेपचु ७६ माहें सूं वीस दुणाचालीस आनाका २॥ बादकरके उपर बाकी रहे जिसमे आना पाव और मिलादेना सो मण १॥२॥)

१॥ जगाकाचांदा जो मकान बणावे जिसकी राह इस मुजब है सो इसतरहसो जो चाले तो चांदेका झगडा मकान बणानेवालेको न रहे.

। जगा बणती है उसमे चांदा दो होता है एक तो जगा बणानेवालेका और दूसरा पडोसकी जगा इसतरहसे तरीका कदीमी है और जगा बणावे उसकी जगाकी मंजल ऊंची चढलेने पडोसकी मजल नीची रहे तो उचे चांदे चढनेकी कीमतका रु जगा बणाणेवाला और उस पडोसका हक्क नीची जगावालेका इतना रहे. अव्वल

तो राजीनामा दूसरा उसके घरमें आला भंडारा एक चसमेमें इसका रहे एक चसमेमें नीचले जगावालेका रहे, और थंबा तथा वलचणी मगराका हक्क बराबर रहे.

और एक धणी जगा वणावे और उसका पडोसकी जगा बीर न रहे तो जगा वणाणेवाला उसवेरान जगा वालेसे कुछ देकर वणावे और कदास जादाये उसका हकरपीयासे न बणावे देवे तो दूसरा चांदा वणाना होवे तो उसकी आपणी हदमें वणे तो पडोसका हक्क दिवाल उसचांदेमें कुछभी रहे नहीं अपनी मोज आवे सो करे.

। और एक जगा निची होवे पडोसकी जगा उंची होवे तो उस पडोसकी तरफ जाली बारी कुछबी रहे नही.

। और जगाके बीचमें रास्ता आयजावे तो जगामें जाली तथा बारी वे तलास कमें किसीका अटकणेका दाखल नही फकत सरकारके सिवाय.

। और जगा भीतडा गारेका बणे जिसकी मापणेकी यह रीत है इस मुलुकमे जगाकी भीता कतरीका उंची हाथ ३ और पना हाथ १ और लंबी कात्रा व हाथ ८ सूं लगायने हाथ २० तकका भी भाव रुप्या १ एकका होता है और इसमे भुरज तथा भीताकी दिवाल तथा चांदा होत है उसकी मापणेकी रीत इसतरेहसे है.

दिवाल बाहरसे हाथ ३० भीतरसे हाथ-२८ उंडी हाथ ४ तो अठाईस और तीसका भेला करने उसका आधाकर उसको चार गुणाकरणे जिस भाव होवे उसका दाम काटणा

और जो पना डेढ़ा होवे तो डेढा दाम देणा सवायी होवे तो सवाया दाम देणा और दुणा होवे तो दुणादेणा यह जमीन मापणा और इसतरहसे चांदहवी मापता है. इसतरेहसे उसकोवी दाम जुडते हे.

और भुरज मापणे जावे एकदफे तो वारसेमापणा और एक दफे भीतरसे मापणा उणाका आधा करणा जे हाथ होवें सो दोनोका आधा धरणा और इस सिवाय ऊची वहोत होवे तो उचाईमे तीन जॉयगे मापणीमां थारे और गरभमे और गोडमे इण तीनोना भेलीकर और पीछे तीनको भाग देने और जमीन तथा आगे दोका भागकी जमीन होवे उणाना भेलीकर और दोनोका आधाकर जितनी जमीन ऊची होवे उसका तो तीनका भागसे कर लबाइके वीचमें मिलाकर जिस भागकी निरप होवे उस भाव काट देणा, पानेके उपर लिपे मुजव.

और कुवॉ तथा तलाव पोदे उसकेवी नापकीमपती इसीतरेहसे होवे हैं के हाथ १० लंबी और १० हाथ चवडी और हाथ १ ऊंची उस पानेका भाव रु २) से लगावने रु ४) तकका होता है और अव पुदाई मापणा जव हाथोसे मापणो चवडी और लंबीका गुणा देणा और उंडीकुवी उससुजव गुणा देने जितना सो होवे उतनाका भाव सेठेका चुका देणा ५७॥=॥ कुवा एक लंवा १३ चवडा हाथ ९ उंडा हाथा ११

प्रत ४॥) सेकडा सो तेरे और नवकागुण ११७
हुवा और उसकु ११ गुणदिया तो हाथ १२८७
हुवा प्रत ४॥) के हिसाव रु. ५७॥=॥)

१॥ और सठो वगैरे का नूंध तथा जमा परच करणेकी विगत इणीतरे.

१॥ और सटा लेणाचावे देणा जिसकूं नूंधणा इसमुजबका मिती उपर देणी.

। बोज १ गणेशदास किसनाजीको लीनो प्रत ६१।) लेपे हस्ते दलाल कुंदनमल सराफ चिट्ठी आई और लिपदीनी करनी.

१ जिसके पाते होवे उसके पाते करणी.

। और जमा परच करणेकी रीत नकलम.

१४७० गणेशदास किसनाजीके जमा मिती काती सुदी १
बोज प्रत ६१) लेपा तुमारे लीना हस्ते दलाल कुंदनमल

१४७० जिणपाते होवे उणीके नामें मांडणा.

। और पातेमें पण सटाका मेल इसमुजब पातापानाके नकलको पानो रु ५ का अंक-सटा नग होवें सो करणा.

। पातो १ गणेशदास किसनाजीरे.

१४७० नकलपाना

आडतेके पाते पण इणतरे घालणा.

भाव काटणा.

१४७० नकलपाना.
नकलपान अडत परच
आडत
दलाली
रु. सम

इस तरहसे सेठको.

इस मुजवपातो सटाकी
विगत वही माह.

कवित्त.

श्रीपत सुजान श्रीवेरीसालजी महाराज यादव कुल गादी जेसल-
मेर कीतो भारीहे। लक्ष्मीनाथ इष्ट जाके अटल भंडार भरे
नारायणदास व्यास हुवा वोई अवतारीहे। ताके वंश हूके
पांचसे प्रतापी जान व्यासोका पडा जामें खुली गुलकारी है।
मथुरादास आमोलप उनहूके वंशमे इस्ट महावीर वाके
चितमनसे धारीहे ॥ १ ॥ व्यासोमें सूरजके मंदिरकी पूजा होत
किला गढ वंका जेसलमेरका तो जंगी है। कुवा बुलासरगंगा
समान वाचेनकरे वसती वा जबरहे पुनवाः आनसके दुरगीहे।
गडीसरतलाव परपूरणभरारहे आत्माराम कहे वाकीरअ-
य्यत सुशरगीहे। व्यास आमोलप ईस्टरसे बली हुकसदाफ
तरहे जाके महावीर संगीहे ॥ २ ॥ मथुरादास वैकुंठगये
तादिनकी वातकहूं अकलके सागर जाकी वडी हुसियारी हे।
सवनकूं भलवान देके याखुसीरी जो सबैः आमोलपकूं
कया भाई यातुतो आज्ञाकारी है। ग्रंथकूं चलाय दीजो
छापामें छपाय जाय मोयंक भरोसा वडा तेरी अखत्यारी
है। कहे गुनी आत्माराम उमर करतूत ओ मथुरादास भये जगमे
यशपारी है ॥ ३ ॥

विद्याज्ञानप्रकाश ऐसो दूजो ना ग्रंथ कोई जगतको हिसाब सारो याहीमें पेहचानिये। एकसूं लगाय करोडतकको हिसाब जान ग्रंथकूं विचार फेर अकलमें जानिये। याके परस ते ज्ञान बुद्धि यश कीर्ति होत जो कोई पढेगा लाभ होवे बहुमानिये। आत्माराम कहै याते कोई मत दूररहो नीतिका हिसाब सब याहीमें जानिये ॥ ४ ॥

दोहा–व्यास हि मथुरादासजी, उमर कर गये नाम। मनुष्य नही वे देव थे, पोचे वैकुंठ धाम ॥ ज्ञान ध्यान परवीण थे, पुण्य रूप थीं जाय ॥ भलो केहीयो कोकण थे, ऐसा ना कोई आज ॥ १ ॥

मथुरादास आज्ञा करी, आमोलषकूं आप। विद्याज्ञानप्रकाशकूं, जलदी डलावो छाप ॥ आमोलष अरजी करे, चाकरकी अरदास। हुक्कम आपको शीशपै, हो वैकुंठो वास ॥ २ ॥

इति विद्याज्ञानप्रकाश सम्पूर्ण।

व्यासमथुरादासकृत कविता तथा दुहो वणावे
जणेमें दध अपर इतर छाटण इणीकी विगत.

दोहा–वरण छंदको बंदसे, तीन वरण गनमान।
मनत्रयसत जर आठहे, अदपिंगल करत बषान ॥ १ ॥
हजबंन घरषुव आग्यो, अक्षर अशुभकेदान।
कबित आदणीगल कहे, भूल न कबहूं आन ॥ २ ॥
मनभावे चारी सुचारहे, कवित आदसुपदान।
अपर अशुभ चारु कहे, भूल न कबहूं आन ॥ ३ ॥

दोषंनको विचार ॥ भ्रगन लगन दोय मित्रहे, भगन यगन बिरतमान ॥ जगनरगन दोय शत्रुहैं, सगन तगन समजान ॥ ४ ॥

अंगरेजी चलन पैसेका कोठा

४ फार्दिंगका		१ पेन्स या	४ दोकडा
४ पेन्सका		१ ग्रोट	१५ दोकडा
१२ पेन्सकी		१ शिलिग	॥ रुपया
४ शिलिग ६ पें०		१ डालर	२। रुपया
५ शिलिग		१ क्रोन्	२॥ रुपया
६ शिलिंग ८ पें०		१ नोजल ३। रु	८ दोकडा
१९ शिलिग		१ आंजल	५ रुपया
१३ शिलिग ४ पें०		१ मारक ६॥ रु.	१५ दो०
२० शिलिग		१ पौण्ड	१० रुपया
२१ शिलिग		१ गिनी	१०॥ रुपया
२३ शिलिग		१ करोलस	११॥ रुपया
२७ शिलिग		१ मयडोर	१३॥ रुपया
२५ शिलिग		१ जकोवश	१२॥ रुपया
३६ शिलिंग		१ जेनिस	१८ रुपया
२ शिलिंग		१ फोलोरिंग	१ रुपया
६ पेन्स		१ टष्टर	। आना

अंगरेजी सोनारोंकी तौल

२ ग्रेन	१ पेनिवेट	२० पेनिवेट	१ अश
१२ अंश	१ पाण्ड	अर्थात् पन	

अंगरेजी बेपारकी वस्तुकी तौल।

१६	ड्राम	१ औंश	१६ औंश	१ पौण्ड	
२८	पौण्ड	१ क्वारटर	४ क्वारटर	१ हण्डरवेट	
		२० हण्डरवेट	१ टन		

१४ पौण्ड	१ स्टोन	२ स्टोन	१ टाट
६। टाट	१ वे	२ वे	१ साक
१२ साक	१ लाष्ट		

डाक्टरोंकी तौल ।

२० ग्रेन	१ स्क्रुपल	३ स्क्रुपल	१ ड्राम
८ ड्राम	१ औंश	१२ औंश	१ पौण्ड

काठ जमीन आदि मापना ।

३ बारलेकरन	१ इंच	१२ इंच	१ फुट
३ फुट	१ गज	६ फुट	१ फादम
५॥ गज	१ पोल	४० पोल	१ फर्लांग
८ फर्लांग	१ मेल	३ मेल	१ लीक
६९$\frac{१}{६}$ मेल	१ डिगरी		

चौकोर जमीन मापना ।

१४४ वर्ग इंच	१ फुट	९ वर्ग फुट	१ व० गज
३०। वर्गगज	१ व० पोल	४० वर्ग पोल	१रुड
३ वर्ग रुड	१ एकर		

क्यूमेजर अर्थात् घन ।

१७२८ घनइंच	१ घनफुट	२७ घनफुट	१ घनगज
४ घनगज	१ लोड	४२ घनगज	१ टन
५० घनगज	१ टन या लोड काठ वजनमें		

कपडेकी अंगरेजी माप ।

२। इंच	१ नेल	४ नेल	१ क्वाटर

४ क्वाटर	१ गज	५ क्वाटर	१ इंग्लिशएल
६ क्वाटर	१ फेरंचएल	३ क्वाटर	१ फेलेमिशएल

सेराबकी माप

४ जिल	१ पैण्ट	२ पैण्ट	१ कार्ट
४ कार्ट	१ ग्यालन	१० ग्यालन	१ अन्कर
१८ ग्यालन्	१ रन्लेट	२४ ग्यालन	१ टीआर्स
२ टीआर्स	१ पंचीअन	६३ ग्यालन	१ हगसेड
२ हगसेड	१ पाइप	२ पाइप	१ टन

बीरसराबकी माप

२ पैण्ट	१ कार्ट	४ कार्ट	१ ग्यालन
९ ग्यालन	१फारकिन	१८ ग्यालन	१ किलडरकिन
३६ ग्यालन	१ बारल	५४ ग्यालन	१ हगसेड
२ हगसेड	१ बट	२ बट	१ टन

अन्नकी अंगरेजी माप

२ क्वाट	१ पटल	२ पटल	१ ग्यालन
२ ग्यालन	१ पेक	४ पेक	१ बुशल
२ बुशल	१ स्टईक	४ बुशल	१ कम
८ बुशल	१ क्वाटर	५ क्वाटर	१ लोड
२ लोड	१ लाष्ट		

बिलायती कोयलाकी माप

४ पेक	१ बुशल	३ बुशल	१ साक
३६ बुशल	१ चाल्ड्रन्		

गिनतीका कोठा

१२ को	१ डजन	१२ डजन	१ ग्रोस
२० को	१ स्कोर	१२०	को १ लांगहाण्डरेड
२४ ताव कागज	१ दिस्ता	२० दिस्ता	१ रीम
१० रीम	१ वेल्स		

अंगरेजी कालज्ञान

६० सेकन्ड	१ मिनीट	६० मिनीट	१ घण्टा
२४ घण्टा	१ दिन	७ दिन	१ हफ्ता

अंगरेजी मासका प्रमाण

३१ दिन जानेवारी	३१ दिन जुलाई
२८ दिन फेब्रुवारी	३१ दिन आगस्ट
३१ दिन मार्च	३० दिन सपटंबर
३० दिन अप्रेल	३१ दिनआक्टोबर
३१ दिन मे	३० दिन नवेम्बर
३० दिन जून	३१ दिन दिसेम्बर

४ वरस अंतर २९ दिनका फेब्रुवारी होता है।

मुंबई चलन पैसा

३ अद्धियां अंगरेजी पाईका । पाव आना. ४ पाव आनेका १ आना १६ आनेका १ रुपया १६ रुपयाकी १ मोहर. ।

मरेहठी तौल

८ रत्तीका १ मासा । १२ मासाका १ तोला । २८ तोलाका दोडी अरी सेर । ४० सेरका १ मण । २० मनकी खांडी ।

मुंबईमें सोने रूपेकी तौल

२$\frac{३}{५}$ रत्तिया	१ वाल.	४$\frac{१६}{२५}$ ग्रेन	८ रत्ती अथवा

३$\frac{1}{3}$ वाल	१ मासा.	१४$\frac{11}{12}$ ग्रेन	१२ मासा तथा
४० वाल	१ तोला.	१७९ तोलेका १ ग्रेन.	

वेपारी लोगोंकी तौल

१ टांक	२०४८८	द्राम	७२ टांकका १ सेर
११ अंश	३२	द्राम	४० सेरका १ मन
औ	२८	पौंड	२० मन १ खांडी

५६० पौंड.

मुंबईमें हीरा मोतीकी तौल

१०० दोकडेका	१ आना	१६ आनेका	१ चव
१४$\frac{2}{3}$ चव	१ रत्ती	२४ रत्ती	१ टंक

चौरस जमीनकी माप

४ आंगुलकी	१ मुठी	३५ मुठीकी	१ काठी
२० काठी	१ विसा	२० विसा	१ वीघा

चीनदेशकी तौल चलन

२$\frac{2}{3}$ टांकका १ तोला १ रत्ती= ४ पन याने= ४ चोजा

चीनमें टुकडे चांदी सोनेके चलतेहैं

चीनमें टकशाल नथी इसमे रुपये पैसे भी नही थे चलन डालरका है सो भी और देशका है

१० कास की १ टुंदरी १० टुंदरी १ मास १० मास १ टेल १६ टेल १ कचाटी १०० कचाटी १ पीकल १ टेल=९ वाल ४$\frac{3}{4}$ मुंबईके मनका १ पीकल १ तोलाके ३००$\frac{2}{3}$ कास.

जमीनकी माप

२४ अंगुलका १ हाथ ४ हाथका १ दंड या बांस

२०००दंडकी १ गाइ २ गाइ १ गव्यूति या २ कोस २गव्यूतिका १ योजन या ४ कोस.

मुबईमें अन्नकी माप

२ नवटांक का १ पासेर २ पासेर १ टिपरी
२ टिपरी १ सेर २ सेर १ अधपाईली
२ अधपाईली १ पाईली १६ पाईली १ फरा.
८ फराका १ खांडी.

कपडा या काठकी माप

२ अंगुलका १ तसू २४ तसू १ गज

मुंबईमें निमककी माप

१०॥ अधोली का १ फरा १०० फरा १ आना
१२ आना १ पास २५ फरा १ मुंडो
१ फरा= १६७६१ १ आना= १६७६१
२॥टन= १ आना ४० टन= १ रास

अगरेजी और हिन्दुवोंका कालज्ञान

६०विपल का १पल अंगरेजी २४ सेकन्ड.
६० पलकी १ घडी अगरेजी २४ मिनेट.
६० घडीके ८ प्रहर १ दिन रात अंगरेजी २४ घण्टा
३० दिन १ मास १२ मास १बरस.

सरकारी चलन

१०० रेसका १ पावला ४ पावला १ रुपया.

अगरेजी वक्त

६० सेकन्डका १ मिनेट ६० मिनेट १ अवर या घण्टा

२४ अवर १ दिन ३६५ दिन ६ घण्टा का १ जुलियन बरस ३६५ दिन ५ घण्टा ४८ मिनट ४८ सेकन्डका १ सोलर बरस ३० दिनका १ महीना. १२ महीना १ बरस ७ दिनका १ वीक या आठवडा. ४ आठवाडा १ महीना ५२ आठवाडे और १ दिनका १ बरस. १३ मास ६ दिनका १ लीनर बरस.

हिन्दुओंके महीना

संस्कृत	भाषा	संस्कृत	भाषा
१ कार्तिक	कातिक	७ वैशाख	वैसाख
२ आग्रहाण	अगहन	८ ज्येष्ठ	जेठ
३ पौष	पूस	९ आषाढ	आसाढ
४ माघ	माह	१० श्रावण	सावन
५ फाल्गुन	फागुन	११ भाद्रपद	भादों
६ चैत्र	चैत	१२ आश्विन	कुआर

हिंदुओंके छः ऋतु।

१ वसन्त—चैत वैशाख.
२ ग्रीष्म—ज्येष्ठ आषाढ.
३ वर्षा—श्रावण भादों.
४ शरद—कुआर कातिक.
५ हेमन्त—अगहन पूस.
६ शिशिर—माघ फागुन

मुसल्मानी महीना

१ मोहर्रम
२ सफ्फर
३ रबिउल्अव्वल
४ रबिउस्सानी
५ जमादिउल्अव्वल
६ जमादिउल्सानी
७ रजब
८ साबान

९ रमजान	११ जिल्काद
१० सव्वाल	१२ जिल्हेज.

अथ ज्योतिष विचार

यह जानो कि जब हरएक बालक जनमते हैं तो उनके नाम रखनेकी रीत यह है कि जन्म होनेकी वेला जिस नक्षत्रका जो चरण होय उस चरणका अक्षर नामके अक्षरोमें प्रथम राखै. और एक नक्षत्रके चार चरण होते एक एक चरण १५ घडी रहताहै और सवा दो नक्षत्र अर्थात् ९ चरणकी १ राशि होती है. राशि १२ हैं.

१ मेप २ वृपभ ३ मिथुन ४ कर्क ५ सिंह ६ कन्या ७ तुला ८ वृश्चिक ९ धन १० मकर ११ कुम्भ १२ मीन.

२७ नक्षत्रोंके नाम

१ अश्विनी	१० मघा	१९ मूल
२ भरणी	११ पूर्वा	२० पूर्वापाढा
३ कृत्तिका	१२ उत्तरा	२१ उत्तरापाढा
४ रोहिणी	१३ हस्त	२२ श्रवण
५ मृगशिरा	१४ चित्रा	२३ धनिष्ठा
६ आर्द्रा	१५ स्वाती	२४ शततारका
७ पुनर्वसु	१६ विशाखा	२५ पूर्व्वाभाद्रपद
८ पुष्य	१७ अनुराधा	२६ उत्तराभाद्रपद
९ आश्लेपा	१८ ज्येष्ठा	२७ रेवती.

अथ योगोंके नाम

१ विष्कम्भ २ प्रीति ३ आयुष्यमान ४ सौभाग्य ५ शोभन ६ अतिगण्ड ७ सुकर्मा ८ धृति ९ शूल १० गण्ड ११ वृद्धि १२ ध्रुव १३ व्याघात १४ हर्पण १५ वज्र १६ सिद्धि १७ व्यतीपात

१८ वरीयान १९ परिघ २० शिव २१ सिद्धि २२ साध्य २३ शुभ २४ शुक्ल २५ ब्रह्म २६ एन्द्र २७ वैधृति.

अथ करण

१ बव २ बालव ३ कौलव तैतिल ५ गर
६ वणिज ७ विष्टि

होढा चक्र अर्थात् नक्षत्रके चार चरणके चारों अक्षर।

१ चु चे चो ल अश्विनी	१० म मी मु मे मघा	१९ जे जो भ भि मूल
२ लि लु ले लो भरणी	११ मो ट टि टू पूवा	२० भू ध फ ढ पूर्वाषाढा
३ अ ई उ ए कृत्तिका	१२ टे टो प पि उत्तरा	२१ भे भो ज जि उत्तराषाढा
४ ओ व वि वु रोहिणी	१३ पु षा ण ठ हस्त	२२ खि खु खे खो श्रवण
५ वे वो क कि मृगशिर	१४ पे पो र रि चित्रा	२३ ग गि गु गे धनिष्ठा
६ कु घ ङ छ आर्द्रा	१५ रू रे रो त स्वाती	२४ गो स सि सु शततारका
७ के को ह हि पुनर्वसु	१६ ति तु ते तो विशाखा	२५ से सो द दि पूर्वाभाद्रपद
८ हु हे हो डा पुष्य	१७ न नि नु ने अनुराधा	२६ दु था झ ञ उत्तराभाद्रपद
९ डि डू ड डो आश्लेषा	१८ नो य यि यु ज्येष्ठा	२७ दे दो च चि रेवती

नक्षत्र नाडी भेद

आदिनाडी	मध्यनाडी	अन्तनाडी
अश्विनी	भरणी	कृत्तिका
आर्द्रा	मृगशिरा	रोहणी
पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा
उत्तरा	पूर्वा	मघा
हस्त	चित्रा	स्वाती
ज्येष्ठा	अनुराधा	विशाखा
मूल	पूर्वाषाढ	उत्तराषाढ
शततारका	धनिष्ठा	श्रवण
पूर्वाभाद्रपदा	उत्तराभाद्रपदा	रेवती

जो वर कन्याके जन्म नक्षत्र एक नाडीमें पडें तो नाडी वेध लगता है. अर्थात् विवाह नहीं होसकता है.

अथ वर्ग विचार

जन्म नामके प्रथम अक्षरके अनुसार वर्ग होता है जैसे-

अवर्ग	कवग	चवर्ग	तवर्ग
गरुड	बिडाल	सिंह	सर्प
टवर्ग	पवग	यवग	सवर्ग
श्वान	मूस	मृग	मेष

जिस वर्गका जिसके साथ जैसा भाव हो सोई जानो.

अथ वर्ण विचार

विप्रवर्ण	क्षत्रियवर्ण	वैश्यवर्ण	शूद्रवर्ण
कर्क	मेष	कन्या	तुला
वृश्चिक	सिंह	वृष	कुम्भ
मीन	धनु	मकर	मिथुन

वरके वर्णसे अधिक वर्णकी कन्या अयोग्य है।

अथ नक्षत्र योनि।

	गज	छाग
अश्विनी शतभिषा	रेवती भरणी	पुष्य कृत्तिका
नाग	श्वान	मूष
रोहिणी मृगशिरा	आर्द्रा मूल	पूर्वफा० मघा
मार्जार	गऊ	महिष
पुनर्वसु आश्लेषा	उत्तरा तीनो	स्वाती हस्त
मृग	व्याघ्र	वानर
ज्येष्ठा अनुराधा	चित्रा विशाखा	श्रवण पूर्वाषाढा
सिंह	अभिजित नकुल योनि है ।	
पूर्वफा० धनिष्ठा		

इन सबका भी वैर प्रीति लोकरीतिसे जानोगे।

अथ नक्षत्र क्रमसे गण कहते हैं।

मनुष्य गण

३ उत्तरा ३ पूर्वा आर्द्रा रोहिणी भरणी.

राक्षस गण

कृत्तिका मघा आश्लेषा विशाखा शतभिषा चित्रा ज्येष्ठा धनिष्ठा मूल

देवता गण

अश्विनी मृगशिरा रेवती हस्त पुष्य अनुराधा श्रवण स्वाती पुनर्वसु ।

अपने अपने गणमें प्रीति होती है और मध्यम देव मनुष्यकी प्रीति है तथा कलह देव राक्षसमे और राक्षस तो मनुष्यको खाताही है।

इति ज्योतिष विचार।

शिक्षाकी रीत.



१ सूर्य उदयके समय देवता गुरुका स्मरण करना सवेरे उठ नहाय धोय लेना.

२ पहले पूजा देवताकी करना

३ पीछे मा बापको नमस्कार करो

४ माता पिताकी आज्ञा विना कही जाना नही.

५ बैठनेको कहैं तो बैठो और उठनेको कहैं तो उठो

६ शिक्षा मानके गुरुके यहां पढने जाना.

७ पाटी खडी भूलना नही, नंगे पांव चलना नही

८ कपडा अच्छी तरह हरना

९ रस्तेमें अकेले जाना नही रस्तेमें कुछ खाना नहीं.

१० राह चलते दौडना नही, बेजाना फल खाना नही. मुँहसे भोडी बात बोलना नही

११ तमाशा देखनेको खडे रहना नही.

१२ झूंठ कुछ बोलना नही किसी का कुछ चुराना. नही.

१३ झूंठी साक्षी देना नहीं. किसी की जामिन होना नही.

१४ कोई बुलावे तो आदरसे बोलना.

१५ आवो, बैठोजी, कुछ जलपान करोजी.

१६ आतेहैं जी. लावते हैं जी. कहां पधारोगे जी ?

१७ किसीको कही मारना नही बहुत चढके बोलना नही.

१८ पराई लडाई सिरपर लेके लडना नहीं.

१९ अनजानकी चीज कुछ खाना नही.

२० अनजानी बात कहना नही, बहुत किसीको हराना नही

२१ रुपये विना बाहर निकलना नही.

२२ बेजानी राह जाना नही.

२३ बेपारमे किसीकी बराबरी करना नही.

२४ अपनी गांठका भरोसा करना

२५ लेना देना देखके करना.

२६लहनेका तगादा करना.
२७राठमें जोखम थोडी रखना,
२८ खरच विचारकै करना.
२९ गुमास्ता जानकर रखना.
३० गुमास्तेपर वही खाता छोड़ना नही.
३१गुमास्ता नादान होतो खाता अपने हाथ रखना वही खाता रोज मिलाये विना सोना नही
३२ खातेको बढने देना नही.रुपयेकी थैली उलटकर रुपया लेना नही
३ ऐसे लेन देन न करना.
४जोखम बीमाकेविना छोडना नही
३५ मुनाफा बिना माल वेचना नही
३६ सबके साथ भलाई करना. पानीकी लकीर करना तिनका तोड़ना नही
३७ जीव जंतुको दवाना नहीं
३८ एकवारगीलहनालगानानही
३९वजारजाकेसबकाभावपूछना
४० भले आदमीके आगे ऊंची नीची वात वोलना नही
४१ परस्त्री मॉ बहन कर जानना
४२माता पिताकी सेवा करनी
४३ बिना बुलाये वोलना नही
४४जितना पूंछे उतना उत्तर देना.
४५ जीव पर दया करना. धर्म्मका काम तुरत करना
४६ जीव बचे तो झूंठ वोलना
४७किसीके घर वे बोलाये जाना नही
४८सुपारी थोडी खानीऔर पान बहुत खाना
४९किसीसे अवगुण करना नहीं
५०रातको बहुत जागना नहीं
५१गहरे पानीमे पैठना नही.
५२क्रोध किसीपर बहुत करना नही
५३क्लेश बहुत बढाना नही.
५४राह चलते आगे पीछेकी खबर रखना.
५५ कमरपर हाथ रखके चलना नही.
५६दो हाथसेमाथा हिलानानहीं
५७कान बहुत खोदना नही.
५८ वात वातमें कसम खानी नही.
५९किसीको गाली देनी नहीं.

६० कोई चार गाली देय तो सहिलेना.
६१ रास्ते चलते भलेसे तगादा करना नही.
६२ बहुत चञ्चल होना नही.
६३ अपने कुटुम्बकी खबर लेते रहना
६४ नंगे शिर बहुत रहना नही.
६५लडकेका बहुत विश्वास करना नही.
६६वैर किसीसे करना नही.
६७हुनर सब सीखना भला
६८ स्त्रीके साथ बहुत गुजवात करना नही.
६९स्त्रीका विश्वासरखना नही.
७०स्त्रीका कहा सब सच मानना नही.
७१परोसीसे वैर करना नही
७२भांजा और दामादके साथ लडाई न करना चाहिये.
७३ धन हो तो इनको मानते रहना.
७४ अपना धर्म छोडना नही.
७५धनका अभिमान करना नही
७६ देहकाअभिमान करना नही
७७वस्तुबहुत जाकड रखनानही
७८खुले हुए अन्नको खानानही
७९ बासी अन्न खाना नही.
८०नई फसिलका अन्न रखना
८१बे छाना पानी पीना नहीं.
८२सूर्यकी पूजा करना.
८३ताला भारी रखना
८४सोनेका घर दिया वार देख लेना.
८५ अनजानकाविश्वासनकरना
८६भरोसा भगवान्का रखना.
८७अपने मतसे विचलना नही.
८८ अच्छे बुद्धिमान्से पूछके काम करना.
८९ श्रीभगवान्का नाम मुखसे लेना
९०परउपकार करना.
९१भूखे प्यासेकी खबर लेनी.
९२अन्न चोरी करना नही
९३ससुरको गाली देना नही.
९४आंख देखना सो सचमानना.
९५किसीके रंगमें भंगकरना नही
९६किसीसे झूंठा वाद करनानहीं
९७कपडे सफेद पहरना.
९८कोई किसीसे वात करता हो तो बीचमें बोलना नहीं.
९९बडेआदमीसे वातकरनानहीं.
१००देखा अनदेखा करजाना.
१०१ बजारमेंकिसीसेलडनानहीं

नीचे अंक जो एकसे लेकर बीसतक लिखे हैं सो सब आदमियोको मालूम नही हैं फकत व्यापारी लोग अपने व्यापारमें बोल चाल करते हैं. और अनजान लोगोके समझमें नही आते इससे वे गुप्त अंक यहां नीचे लिखे बमूजिब जानना.

सांग	१	फोकलाय	१४
स्वान	२	बुधलाय	१५
एकवाई	३	डहंकलाय	१६
फोक	४	पैंतलाय	१७
बुध	५	मंगलाय	१८
डहंक	६	कोनलाय	१९
पैंत	७	सुत	२०
मंग	८	सुत पचोतर	२५
कोन	९		
सलाय	१०		
एकलाय	११		
जोलाय	१२		
रेकलाय	१३		

पैसे को छव्वी आने को रत्ती चार आनेको मासा कहते आठ आने को टाली रुपयेको वजना और चिट्ठा भी कहते हैं

सांग दहाई १० स्वान दहाई २० एकवाई दहाई ३० फोक दहाई ४० बुध दहाई ५० हडंक दहाई ६० पैंत दहाई ७० मंग दहाई ८० कोन दहाई ९० सलाय दहाई १०० टाट १००० लकडी १००००० बोलने को एकडो कहते है।

बोधवचन ।



बडे सबेरे उठके ईश्वरका सुमरन करना. बडे सबेरे उठके पढे तो विद्या जल्दी आवे. विद्यामें चित्त लगाये विना विद्या आती नही. पढ़ते पढ़ते खेलवाडमें चित्त देना नहीं. विद्याविना सयानपन कहे चातुरी नही. सयानपन विना लोगोंके बीच प्रतिष्ठा भी नहीं होती है. लोकमें जिसकी प्रतिष्ठा नहीं उसका जीवन वृथाहै. विद्यावान्‌की गर्ज सबको आन पडती है, इसवास्ते जो लडकोंको पढ़ानेका अभ्यास रखता है उसके ऊपर सब लोग हित करते हैं. यह लडका कैसा है यह देखके सब लोगोंको अचरज होता है. घरमें सबकी और माँ बापकी आज्ञासे चलना सोलह वर्ष तक लडके लोगोंको अपनी बुद्धिसे चलना नहीं पाठशालामें जाना तो गुरुकी आज्ञा से चलना. लडकपनमें जो विद्या आती सो बडेपनमें आती नही, इसवास्ते लडकपन खेलमें जाने देना नही. भला बुरा जो गुण बालपनमें लगजाता सो सारी उमर छूटता नही. नरम पेड जैसे नवावो वैसे नवै कठोर होनेसे झुकता नहीं; ऐसेही मनुष्यकी बुद्धि बडेपनमें जड होजातीहै. माँ बाप गुरु या अपना धनी जो कहै सो करना आनाकानी करना नहीं. अपने जब बालकथे तब माता पिताने जो रक्षा किया है इससे माँ बाप जो कहैं सो अपने भलेके वास्ते कहते हैं. माता पिता जो कहैं कि गुरुकी आज्ञासे चलो तो वैसाही चलना इसमे अपना कल्याण है. माँ बाप जो कहैं कि ओछे छिछोरे की संगत न करो तो उस बातको मान लेना इसमें अपना भलाहै. माँ बाप कहैं सोही करना उसमें अपना भला है विद्या पढानेवाला, अन्न देनेवाला, भयसे बचानेवाला ये पिताके समान हैं ये जो कहैं सो सुनना. पढ़ने जानेका वक्त चूकना नही. नित्य जाते

रहना. पाठशालामें जाके बैठनेकी जगहमें लड़कोंके साथ ठट्ठेमें समय बिताना नहीं क्योंकि जो वेला एकवार वीत गई सो फेर आती नहीं. पाठशालामें लड़कोंके साथ खेलवाड करके वेला व्यर्थ जाने देना नहीं. सब लड़कोंसे अपना पाठ हम जल्दी सीखे ऐसा मनमें रखना गुरु जो पाठ पढ़ावे उसकी तरफ चित्त रखना, न समझमें आवे तो पूछके समझ लेना. आज हम नया कितना सीखे इस बात का विचार करते रहना जो लड़का पाठशाला जायके ज्यादा सीखता नहीं तो उसके बराबरके लड़के उसको पीछू डालके उसे हँसते ऐसी विडम्बना दूसरी नहीं. विद्या पढ़नेके लक्षण शास्त्रमें कहा है. जो पाठ लिखते हो सो अपने जोडीदारोंके आगे पढ़ देखाना, अर्थ कर कुछ पढ़ना हो तो आप अर्थ कर देखलेना और दूसरेसे भी अर्थ कराय लेना आठ पहर पाठमें लय लगानी, इसीका नाम अभ्यास, वाकी मेहनत वृथाहै हम एकदम पढ़ना सीखें ऐसी जल्दी न करना. थोड़ा थोडा पढोगे तो भूलोगे नहीं. पाठशाला जाते राहमें खेलवाड़ी लड़का बुलावे और अपना भी मन हो पर जाना नहीं कोई काम आरम्भकर जो पूरा न करे तो वह कीहुई मेहनत वृथा जाय और लोग हँसेंगे. जिसको चार चतुर कहते हों उसकी संगत करना. जिसको हर तरहका व्यसन है उसके पास खड़े होना नहीं क्योंकि वह अपने को विगाड़ेगा. किसीकी निन्दा करना नहीं इसमें अपनी निन्दाहै किसीकी चाई चुगली करना नहीं लोग चुगुल कहेंगे और विश्वास उठ जायगा. सबसे नम्रता रखना, अभिमान किसीसे करना नहीं दूसरेका अच्छा कपड़ा गहना देख अपने माँ वापसे हठ कर माँगना नहीं क्योंकि जो वे दे न सकें तो कहां से लावेंगे ?जो परमेश्वरनेदिया उसीमें संतोष रखना, सन्तोष विना किसीको कुछ सुख होता नहीं वैरियोंके वीचमें बैठना नहीं कोई नादानी या खिलाफतकी बात

करै वहां ठहरना नहीं. जहां जुआ होता हो वहां खड़े होना नहीं जुआरी और रण्डीबाजका संग करना नहीं, उनके संगसे चोरीकी लत पड़जाती है और उससे जानपर भी खतरा है और अपनी सात पीढ़ी पर बट्टा लगता है. जुएके पैसेसे कोई आजतक सुखी न हुआ. जुएके सबब कितने मारे मारे फिरे कितनोंका पता न लगा कितनोकी जान गई. हँसते हँसते बात न करनी. लजाते लजाते बात न करनी. निडर बोलना चाहिये. अभिमानसे बडा बोल बोलना नहीं. जैसी जिसकी योग्यता हो उस प्रमाण उसके साथ बोलना. अपने बड़ेसे अधीन और नम्रतासे बोलना. अपने बराबरीवालोसे हिलमिलके बोलना. अपनेसे नीचहो तो काम मुवाफिक बोलना. अपना लाभ देख उससे कम खर्च करना लाभसे अधिक खर्च करै तो बजारका देना होता है जो देना कर खर्च करते वे अन्तमे पछताते हैं. जिसका देना होउसको वादापर देना और वादाखिलाफ हो तो वह राहमें आंख दिखावेगा इससे दूसरी और शरम नही. अच्छे कामोंसे पैसे पैदा करना और अच्छे काम विना वह पैसा खर्च करना नहीं. धन सफल वही जो पर उपकारमें लगे. बुरे कामसे द्रव्य इकट्ठा करना नही. क्योंकि उस बुरे कामका पाप आप अकेलेको लगेगा और पैसा खायँगे. हम तुम्हारा काम करैंगे ऐसा भरोसा देना नही और जो देना तो काम करनेसे चूकना नहीं. विश्वास देकर घात करना इसके समान दूसरा पाप नहीं. कहै कुछ और करै कुछ वह जो सच भी बोले तो लोग विश्वास न करेगे. और जो उसपर झूठी तोहमत लगे तो लोग सच कर मानैं जो आदमी सत्यवादी हो वह सब लोगोमें मान आदर पावे. सत्यके ऊपर सब व्यवहार चलते हैं इससे सत्य छोड़ना नही. एक बारभी झूठ बोलते जो पकड़ा जाय तो उसकी प्रतिष्ठा जन्म भरको गई, इसवास्ते झूँठ बो-

लनेकी टेंव लगाना नही मित्रकी परीक्षा सङ्कटकी वेला होती है. पहले विचारे बिना कोई काम एकाएकी करना नही. जो क्रोधके वश भया सो अंधेके समान है भली शिक्षा न सुने वह बहरे के बराबर है, अपने योग उचित अनुचित काम है कि नही, यह जो न जाने सोई पशुहै, समयके अनुसार जो बोलना न जाने सोई गूंगा है शूरवीर वही है जो वैरियोंके मोहजालके फंदेमे न फँसै और धीरवीर वही है जो सङ्कट आनपडे निडर होरहै सयाना उसको कहिये जो अपना काम अच्छीतरह करै और दूसरेको कुछ दुःख न होय, शत्रु उसको कहना जिसका कुछ काम नही है या निर्उद्योगी हो.सावधान वे है जो धन यौवन और आयु का भरोसा नही करते है धनवान् वही है जो सदा सन्तोष से रहै. और दरिद्री वही है जिसकी आशा न पूरी होय लोभ बढ़ताही जाय और सुखी वह है कि जिसका चित्त चञ्चल नही है वडा संसारमे वह है जिसके हाथसे हमेशा पर उपकार होता रहता है. देखो परोपकार समान और दूसरा पुण्य नही है, चोर जगत्मे सो है जो अपना विभव आपही भोग करै. कोई अपनी स्तुति करै उसपर भूलना नही,क्योंकि अपना काम निकारनेके वास्ते लोग झूंठ भी बोलते हैं. कही कोई अपनी निन्दा करै तो उससे लडनान ही क्योंकि पीठ पीछे सब सबकी निन्दा करतेही हैं मित्रके साथ किसी बात का परदा रखना नही मित्रतामे फरक पडता और अपना हरतरह का नुकसान है, भाई बन्धु इष्ट मित्रको बेउकुर न करना, प्रतिष्ठा अपनी चली जायगी,मुद्दई कैसाभी हो उससे हमेशा डरते रहना समर्थके साथ वैर न करना वैर कर पार न आवोगे,अपनेसे अनहोनी बात पर कमर न बांधना वहपूरी न पडेगी, गरीब विचारे की हँसी नकरनी क्योंकि क्या जाने वह वक्त अपने परभी न आन पडे बडोकी मर्यादा रखना इसमें अपना भला है अपने बडे को जो

मानैगा तो उसकी भी वडाई लडकोंसे रहैगी किसीके साथ हो हित कर मीठी और सत्य बात बोलो, अपना गुण और वडाई तबतकहै जबलौ दूसरेसे मांगना न पडै, मांगने बराबर दूसरा दुःख नही है और याचकके समान कोई वस्तु हलकी नही है. शरम वहां खोलना जहांसे काम निकले और फेर परदा पडजाय. अपने पास धन हो तो प्रीति करने सब आवेंगे पर तुम भी भला बुरा आंखसे देखो खरी बात कहना वहुत कठिन है. सबेरे घडेमें पानी ठंढा होता पर टूटे को माटीमे मिला देता है शरण आवे तो उसे रखना और बल बुद्धिके अनुसार रक्षा करनी. मरे मनुष्य की निन्दा करनी नहीं. अपने जीकी बात हरएकसे विश्वास कर कहनी नहीं द्रव्य संग्रह करना दुःखकी वेर काम आवेगा आगे धन मिलेगा इसपर भरोसा रखना नही. जो करना हो आज करो कल पर उसे छोडना नहीं क्योकि जीना बेतादाद है. दमडी दमडी जोड रुपया होय है इससे दमडी का अनादर न करना. व्यसन में पैसा खर्चना नहीं वह वृथा है विद्या और गुणसे जो मनुष्यकी शोभा है सो टाम टीमसे होती नही. और धन चोरी जाय सकता पर विद्याका चोर से भी डर नहीं है विद्या सफल तब हो जब दूसरेको पढावे क्योकि धन मरेबाद दूसरेके काम आता और विद्या पीछे रहती नही धन खर्च करनेसे घटता और विद्या ज्यो ज्यों दूसरेको देय त्यो त्यो बढ़ती जाती है. कपडे गहने शरीरकी शोभा हैं पर हलके काम हैं स्त्री की चर्चा हो या नाच रंग गान हो वहां विद्यार्थीको जाना न चाहिये. नाहक बेकाम इधर उधर फिरना नहीं. मनुष्यको खाली बैठ रहना ठीक नही पर नीदमें और खेलमें भी दिन काटना नही. गाली देनेकी बानि डालनी नही; जबान खराब होजातीहै. वृथा वैर किसीसे करना नही किसीकी चढाया उतार कर न बोलना इसमें निन्दा है. किसीके मर्म की बात खोलना नहीं लोग ओछा-

कहैगे. किसीके ढके दोषको उघारना नहीं बने तो मुट्ठीभर धूल डालनी. किसीकी नकल करना नही मेवा, मिठाई खानेकी बहुत टेंव डालनी नही. लुच्चोंके संग बैठना और उनसे व्यवहार रखना नही. हिसाब ठीक रखना. अपनी आमदनी और खर्च लिखा करना उधार लेनेकी बानि रखना नही. बहुत दिन खाता बढाना नही. व्यवहारकी रीतिमें शरम रखना नही. हम तुम्हारा काम करेंगे यह कहकर उसे पीछे लगाना नही धर्मका काम तुरंत करना उसे घडी भर भी टालना नही. दूसरेकी बराबरी कर खर्च करना नही पेडपर चढना नही ये बडी भूल है जहां झगडा हो वहां खडे रहना नही. राज्यकी मसलहतमें चित्त डालना नही किसी की हो खोटी बात उडावना नही जो अच्छा काम किया हो तो जब याद पडे तब सुख हो बुरा काम हमेशा दुःख देता है. अपना किया भलाकाम आप अपने मुँहसे कह सुनाना नहीं क्योंकि धर्म जाय और लोकनिन्दा हो. अपना गुण अपने मुख बखानना नही इससे मूरखप न ठहरता है किसी गुणी आदमीको जो बुरा व्यसन हो तो आप देख उसको करना नही. खालीगुण लेना अवगुण देखना नहीं. युक्तिकी भलीबात छोटेसेभी लेलेना. विद्या नीचसे भी सीखलेना. हम जो करते सो ईश्वर देखताहै यह जानते रहना हम धनवान् हैं यह गर्व होतो अपने से बडे धनीकी ओर देखना मैं बडा दुःखियाहूं ऐसे मनमें संताप हो तो अपने से अधिक दुःखीको देख संतोष करना. हम धर्मात्मा हैं यह अहंकार होतो अपनेसे बडे अभिमानी को देखो छूट जायगा. दूसरे आदमीसे हम थोडा पाप किया यह मनमें लाना नही. आदमी जहां बात करते हो वहां वे बुलाये जाना नही. अपनी बात जो चित्त दे न सुनै तो उसे बरजोरी कर सुनाना नही. आप किसी काममें है और दूसरा कामको आवे तो उसकी हर्ज करनी नही. इस बेला उस बेला आवो ऐसे वादेसे

किसीको हैरान करना नहीं. लंबी जबानसे बोलना नही. बात करते बात बातमें युक्तिसे अपनी बात जनावनी भलीनहीं.बातका वजन जाता रहता है. अपनी बडाईकी बात हितकर सुनना नहीं. विद्याका स्वार्थ यह कि अच्छी समझ हो और किसीके साथ वादविवाद करना नहीं. धनका स्वार्थ यह कि धर्म करना खाली अपनाही पेट भरना नही. बलसामर्थ्यका स्वार्थ यह कि दूसरेकी रक्षा करना और पीडा किसीको देनी नहीं. धर्म्मका स्वार्थ यह कि उसको जहां लों होय गुप्त रखना उघारना नही. आप बुद्धिमान् बनके आगेसे आगे बोलना नही. गुण दूसरोंके जरूर कहना और सुनना दोष कहने सुनने से नाहक अपनेको दोष लगता है. जिस बातमें वहुतोंका भला हो उसमें आलस करना नहीं. दूसरेको थोड़ा और हमको बहुत श्रमहै ऐसा चित्तमें लाना नहीं.चार आदमीके भले होनेमें जो पैसा खर्च हो उसको गया समझना नही. आहार नींद भय मैथुन और प्रीति आदि अपने कामोंमे पशु पक्षी भी लगे हैं पर मनुष्यको यही अधिक है कि धर्म्म चीन्हैं और पर उपकार करै. जो घरमें कजिया चुकि जाय तो सरकार दरबार जाना नही. बडे पहाडको भी जो नित खोदो तो एकदिन बराबर हो जाहीगा. रगरा ऐसी चीज है कि रस्सीसे पत्थर में भी निशानी पडजाती है. और बडी भी इमारत हो पर रोजके काम होनेसे एक दिन तैयार होहीगी.बडी पोथी नित्य पढो तो उसका पार भी एकदिन देखोगे. विद्या कैसी भी कठिन हो पर मनदे नित्य सीखै तो आवैहीगी. धनसे प्रतिष्ठा वडी है क्योंकि धन जायके फेर भी मिलता प्रतिष्ठा गई फिर आवती नही.सरवस जाय पर शरीरकी रक्षा करनी, क्योंकि शरीर रहने से फेर सब मिलेगा. शत्रुता जिससे एकवार होजाय फेर मित्रता कर उस पर विश्वास करना नहीं. हर एक काम करनेका ख्याल रखना प्रारब्धके ऊपर रहना नही. जो

आदमी प्रारब्ध पर काम छोड बैठता है,उसकी सहाय ईश्वर करता नही,क्योंकि श्रम विना प्रारब्ध लंगडा है. भूत प्रेत साधनकी विद्या सीखना नहीं. जो वात आप चूके हो और कोई कहे तो हठ छोड़ मान लेना.अपनी भूल और बुरी वातपर वादविवाद कर चौकसाई कराना नही.बोलते बोलते गर्म हो जाना नही. जो वातचीतमे क्रोध हो उठे तो गाली गुप्ता करना नही कोई क्रोधकर गाली दे तो आप गरम हो वदलेमें गाली न देना उसकी बरावरी है दूसरेकी पूरी वात सुनके उसको उत्तर देना,और बीचहीमें उकताके बोल उठना नही एक काम पूरा करके तव दूसरेमे हाथ डालना. सब काम इकट्ठा करै तो एक भी हो उठता नही. कोई कुछ बोले उसका सार अंश लेलेना जो दूसरा कोई तिरस्कार या अनादर करै तो क्षमा करना इसमे अपनी वडाई है. जो किसीकी दुष्टता या अन्याय आप क्षमा करलें तो ईश्वर इसपर राजी हो उसको सजा देगा. अपनी इच्छा न हो पर तोभी जो किसीका भला करै इसका एहसान ईश्वर मानेगा और अपना भला करेगा. तू मनमे समझ कि सब तेरी करनी तेरे ऊपरहे.जैसा करोगे वही होगा.अमृत पिये अमर और विष खाये नाश है. मान अपमानसे अमृत विप होता है विषहू अमृत समानते वखानो है, असमयमें कोई किसी का मीत होता नही,लोग सब मुँह देखी वात करते हैं. बनावते बहुत दिन लगते पर विगाडते कुछ देर होती नही प्रीति बहुत दिनोमे होती उसको चट पट तोडना नही, तोडके जो जोडेगा तो गांठ उसमे पडेगी. हम कौन हैं, और क्या करते कहते हैं इस पर ख्याल रखना चाहिये.अपनी सामर्थ्य देख काम करना उचित है. संसार झूठा स्वप्नेकी ऐसी संपत्ति देख कर ना भूलो जगत्मे जीना अचरज और मरना सचमुचहे, जो तुम वडाई लोकमें चाहो तो नमके चलो.निंदा किसीकी न करो छल अधर्मसे दूर रहो, ब्राह्म-

ण देवता हैं प्रणाम करनेसे पाप दूर होजाते हैं इससे ब्राह्मणको देखतेही प्रणाम करना. यथालाभ सन्तोषमें बडा सुख है यत्न कितनो करो होगा उतनाही जो विधाताने लिख दिया. जीव मारनेके बराबर और पाप नहीं है, पर इससेभी बढके जीविकाको मारनेमें है जगत्में एक धर्म छोड और कोई अपना नहीं है. संग मरे बाद धर्म्मही जाता और सब यहांही पडा रहता है.

कहानी ।

एक दिन एक बादशाह पुत्र सहित शिकार खेलनेको गये. गर्मीके तो दिनहीथे, इसपर तप्तवायु (लूक)चलने लगी तब बादशाह घबडाकर अपना दुशाला उतार सेवकको दिया सो देख पुत्रनेभी वैसाही किया तब बादशाह हँसीसे बोले कि अय सेवक ! अब तो तेरे ऊपर एक गधेका बोझा होगया. सेवकने चट उत्तर दिया कि नहीं साहब दो गधेका ॥

खुलासा यह कि दूसरे की हँसी करनेसे अपनी भी हँसाई होती है ।

बाघ लोखडी और शृगालकी वार्ता ।

एक सियारन गर्भिणी थी. उसने अपने पतिसे कहा कि स्वामी अबकी बार ऐसी जगह चलिये जहां आनंदपूर्वक बच्चा जनूं और कोई न आवे, सियारने शोचविचारकर कहा प्यारी और कहां ऐसी जगह मिलेगी ? चलो बाघके घरमें रहें तब उसने उत्तर दिया कि ऐसी जगह तो मैं कदापि न जाऊँगी जानबूझकर कालके मुँहमे परूँ ? सियारने कहा घबडावो मत मैं एक युक्ति करूंगा जिस काल बाघ आवे तब तुम अपने बच्चे रुलादेना मैं पूछूंगा कि बच्चे क्यो रोतेहैं तब तुम कहना ताजा बाघका मास मांगते हैं ऐसा मताकर नाहर के घरमे रह इतनेमें नाहर भी गर्जता हुआ अपने घरको चला

सो सियारे ने देखकर कहा प्यारी ! बच्चोंको रुलादो बाघ नजदीक आगया,जब बच्चे रोने लगे तब सियार बाघको सुनाकर सियारिनिसे पूछता है कि आज क्या है जो भोरही से बच्चे रोरहे हैं उसने उत्तर दिया कि स्वामी ! ताजा बाघका मांस मांगते हैं, सियारने कहा पलमात्र बिलमावो वह देखो बाघ चला आता है अभी मारकरमांस लाताहूं. नाहर यह बात सुनकर निपट डरा और जाना कि कोई मुझसे भी अधिक बली यहां आया निदान पिछले पांवों भगा यह सब हाल एक लोखरी दूरसे देखती थी सो बाघको शपथ दिलाकर खड़ा किया और कहा कि बनराज! क्यों इतना भयातुर हो भगेजाते हो? तुम्हारे मकान मे तो सियारिन व्याईहै मै आगे२चलतीहूं और तुम मेरे पीछे२चलकर सब माजरा देखलो ऐसा कह दोनो चले सियार ने देखा कि लोखडी बाघको लौटारे लिये आतीहै.सियारिनसे कहा फिर बच्चोको रुलादो,बच्चोका रोना सुन सियार अपनी प्रिया से कहता है कि किंचित् धैर्य रखावो देखो लोखडी जो हमारी परम मित्र है सो बाघ को भगाजान फुसलाकर लिये आती है अभी मारकर ताजा रक्त पिलाऊंगा. सो सुन बाघ लोखडीको सियारका मित्र जान और भी भगा और एक चपेटासे लोखडीकी जानले अपना क्रोध शांत किया ॥

खुलासा यह कि बुद्धिमान् बुद्धिबलसे सब कुछ कर सकते हैं और चुगलखोर हमेशा फजीहत में पडते हैं.

काजीकी वार्ता।

एक काजी ने रातके समय पढ़ते पढ़ते एक किताब में यह देखा कि जिसका शिर छोटा हो और डाढी बड़ी वह अवश्य मूर्ख होता है, चुनाचे काजीकाभी शिर छोटा और डाढ़ी बड़ी थी.विचारा कि

शिरतो बड़ा नहीं हो सक्ता परन्तु डाढ़ी कतरनेसे छोटी हो जायगी ऐसा ध्यान में आतेही कतरनी ढूंढने लगे जब कतरनी न पाई तब दियाकी टेम में डाढ़ी लगाई, लगाते ही चोटीतक जल बल मुख काला हुआ तब तो बडा पश्चात्तापकर कहने लगे कि किताब में जो लिखा है सो अत्यंत ही सत्य है ॥

अभिप्राय यह कि जो बात लिखी देखो या किसीसे सुनो उसको बहुत विचार पूर्वक सावधानी से करो.

बिल्ली की वार्ता।

एक बिल्लीने कुम्हारके घर कच्चे घडेमें बच्चे दिये उसदिन कुम्हार ने आंवा लगाया और अनजानसे वह भी घडा जिसमें बिल्लीने बच्चे दियेथे ऑवामें रख आग लगा अपने दूसरे काममें उद्यत हुआ जब बिल्ली आई और देखा कि मेरे बच्चे प्रबल प्रचंड आगमें गये ऐसा शोच परमेश्वरका ध्यान धर और परमेश्वरके नामसे अँवाके तीन परिक्रमा कर तीन रात तीन दिन तक पास बैठे राम राम जपकिया. जब अँवा पककर तय्यार हुआ तब कुम्हारने सब घडे निकाले तो एक घड़ेसे बिल्लीके बच्चेभी (म्याऊं म्याऊं) करते निकलकर भगे कुम्हार यह देख आश्चर्यमें हुआ ॥

तात्पर्य यह कि परमेश्वरकी भक्ति होनेसे सब काम सुलभ हैं और किंचित् भी आश्चर्य्य नहीं है.

पगार रुपिया.	फलाने पगारसे १ दिनका क्या इसका कोठा.								
	२८ दिन॰म॰			३० दिन॰म॰			३१ दिन॰म॰		
	रु॰	आ॰	पै॰	रु॰	आ॰	पै॰	रु॰	आ॰	पै॰
१	.	..	७		...	६			६
२	...	१	२		१	१		१	
३		१	९		१	७		१	७
४	...	२	३	.	२	२		२	१
५	.....	२	१०	.	२	८	..	२	७
६	...	३	५		३	२	.	३	१
७	..	४	.	.	३	९		३	७
८		४	७		४	३		४	२
९	..	५	२		४	१०		४	८
१०		५	९		५	४		५	२
११	.	६	३	.	५	१०		५	८
१२	.	६	१०	...	६	५		६	२
१३		७	५	..	६	११		६	९
१४		८	.		७	६		७	३
१५	.	८	७		८			७	९
१६	.	९	२		८	६		८	३
१७		९	९	.	९	१		८	९
१८	..	१०	३		९	७		९	३
१९	...	१०	१०	.....	१०	२		९	१०
२०	...	११	५	.....	१०	८		१०	४
२१	..	१२	..	...	११	२		१०	१०
२२	..	१२	७	.	११	९		११	४
२३	.	१३	२	...	१२	३		११	१०
२४	.	१३	९	......	१२	१०	–	१२	५

पगार रुपिया	फलाने पगारसे १ दिनका क्या इसका कोठा.								
	२८ दिन॰म॰			३० दिन॰म॰			३१ दिन॰म॰		
	रु॰	आ॰	पै॰	रु॰	आ॰	पै॰	रु॰	आ॰	पै॰
२५		१४	३	. . .	१३	४		१२	११
२६		१४	१०		१३	१०		१३	५
२७		१५	५		१४	५		१३	११
२८	१		.	.	१४	११		१४	५
२९	१		७	. .	१५	६		१५	
३०	१	१	२	१				१५	६
३१	१	१	९	१		६	१		
३२	१	२	३	१	१	१	१		६
३३	१	२	१०	१	१	७	१	१	
३४	१	३	५	१	२	२	१	१	७
३५	१	४	.	१	२	८	१	२	१
३६	१	४	७	१	३	२	१	२	७
३७	१	५	२	१	३	९	१	३	१
३८	१	५	९	१	४	३	१	३	७
३९	१	६	३	१	४	१०	१	४	२
४०	१	६	१०	१	५	४	१	४	८
४१	१	७	५	१	५	१०	१	५	२
४२	१	८		१	६	५	१	५	८
४३	१	८	७	१	६	११	१	६	२
४४	१	९	२	१	७	६	१	६	९
४५	१	९	९	१	८	०	१	७	३
५०	१	१२	७	१	१०	८	१	९	१०

पच्यासतक हिसाब करणेकी रीत.

ENGLISH NUMBER

अंग्रेजी गिनती.

¼ Quarter	क्वार्टर पाव, चार आना	।
½ Half	हाफ आधा, आठ आना	॥
¾ Three Quarters	थ्री क्वार्टर्स तीन पाव	।॥
1 One	वन्	१
2 Two	टू	२
3 Three	थ्री	३
4 Four	फोर	४
5 Five	फाइव्ह	५
6 Six	सिक्स	६
7 Seven	सेव्हन्	७
8 Eight	एट	८
9 Nine	नाइन्	९
10 Ten	टेन्	१०
11 Eleven	इलेव्हन्	११
12 Twelve	टुएल्व	१२
13 Thirteen	थरटीन्	१३
14 Fourteen	फोरटीन	१४
15 Fifteen	फिफ्टीन्	१५
16 Sixteen	सिक्सटीन्	१६
17 Seventeen	सेवन्टीन्	१७
18 Eighteen	एटीन्	१८
19 Nineteen	नाइन्टीन्	१९
20 Twenty	टुएन्टी	२०
21 Twenty one	टुएण्टी वन्	२१
22 Twenty two	टुएण्टी टू	२२
23 Twenty three	टुएण्टी थ्री	२३
24 Twenty four	टुएटी फोर	२४
25 Twenty five	टुएटी फाइव्	२५
26 Twenty six	टुएटी सीक्स	२६
27 Twenty seven	टुएटी सेवन	२७
28 Twenty eight	टुएण्टी एट	२८
29 Twenty nine	टुएटी नाइन्	२९
30 Thirty	थरटी	३०
40 Forty	फॉरटी	४०
50 Fifty	फिफ़टी	५०
60 Sixty	सिक्सटी	६०
70 Seventy	सेवन्टी	७०
80 Eighty	एटी	८०
90 Ninety	नाइन्टी	९०
100 Hundred	हण्डरेड	१००
1000 Thousand	थौजण्ड	१०००
Ten thousand	टेन्थौजण्ड	१००००
Lac	लाक	१०००००
Million	मिलियन	१००००००
One crore	वन क्रोर	१०००००००
Ten crores	टेन क्रोरस	दशकरोड
Hundred crores	हंड्रेड क्रोरस	सौ करोड

NAME OF MONTHS महीनोंको नाम.

31 January जानेवारी
28 February फेब्रुवारी
31 March मार्च
30 April एप्रिल
31 May मे.
30 June जून
31 July जुलाई
31 August आगस्ट
30 September सेप्टेम्बर.
31 October अक्टोबर
30 November नोवेम्बर
31 December डीसेम्बर

WEEK DAYS हफतेके दिन

Monday [मण्डे] सोम
Tuesday [चुईसडे] मङ्गल
Wednesday [वेडनसडे] बुध
Thursday [थर्संडे] गुरु
Friday [फ्रायडे] शुक्र.
Saturday [साटरडे] शनि
Sunday [संडे] आदित
Week [वइक] हफ्ता.

इति विद्याज्ञानप्रकाश समाप्त ।

पुस्तक मिलनेका ठिकाना-
खेमराज श्रीकृष्णदास,
"श्रीवेङ्कटेश्वर" छापाखाना--मुम्बई.

